# I-NACH an Album The Gazette of India

.प्राधकार संप्रकाशत Published by Authority

र्ग ० 25] No. 26

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 11, 1987 (आषाढ़ 20, 1909) [NEW DELHI, SATURDAY, JULY 11, 1987 (ASADHA 20, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III --खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह अंद्यालय

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली—110003, दिनांक 15 जून 1987 सं० ग्रो० दी० 1418/77—स्था०—<sup>I</sup>—श्री धरम बीर सिंह, पुलिस उप ग्रधीक्षक ने समय पूर्व सेवा निवृत्ति होने के फलस्वरूप, कम्पनी क्षाण्डर, 40 वटा० के० रि० पु० बल के पद का कार्य-भार दिनांक 4 जून 1987 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया ।

श्रशोक राज महीपति सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय ग्राँखोगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 28 मई 1987 सं र्ह ई-32015(4)/1/87-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री एन के वांबरी, को, प्रौन्नति पर, 3 फरवरी 1987 के पूर्वाह्न से के व्यावरी, बी रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/1/87-क्वार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री संजीत दास, निरीक्षक (कार्यपालक) को प्रोन्नति पर के० श्रौ० सुब० यूनिट, ग्रार० एस० पी० राउरकेला में 30 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्म से पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर ग्रौर ग्रस्थायी रूप से 18 ग्रगस्त 1987 तक या इस समय तक नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

(ह०) ऋपठनीय महानिदेशक/के ऋौ सुव०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1987

सं० पी०/एन० (18)-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय में विरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) डॉ० के० पी० इट्टामन को डा० एन० जी० नाग उप महारिजस्ट्रार (सामाजिक अध्ययन) की छुट्टी की अवधि के दौरान अर्थात 13-10-86 से 13-4-87 तक की अवधि के लिए अपने कार्य के अतिरिक्त उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर उप महारिजस्ट्रार (सामाजिक अध्ययन) के पद का सम्पूर्ण कार्यभार सम्भालने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डा० इट्टामन का मुख्यालय उक्त ग्रवधि में नई दिल्ली
 होगा ।

बी० एस० <mark>बर्मा</mark> भारत के महारजिल्द्रार

वित्त मन्नालय श्राधिक कार्ये विभाग चलार्थे पन्न मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 15 जून 1987

सं० ई० एस० सी०-1-10/5567—महाप्रबन्धक, चलार्य पत्न मुद्रणालय, नासिक रोड नियंत्रण विभाग के श्री एस० एम० कुंभारे, (ध्रनु० जनजाति) निरीक्षक नियंत्रण को उप नियंत्रण ध्राधि हारी के पद पर (वर्ग "ख" राजपवित) रु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 की वेतन श्रेणी में दिनां ह 15-6-87 (पूर्वाह्न) से ग्रगला श्रादेश निहलने तक नियुक्त करते हैं।

के दें) वर्ष के भ्रवधि के लिए परीवीक्षाधीम होंगे। सु० द० इड्ग्रुंजी महाप्रबन्धक, चलार्थ पक्ष मृद्रणालय

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

मई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1987

सं० 16-वा० ले० प० 1/154/84-सवस्य लेखा-परीक्षा बीर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा-I, बंगलीर के कार्यालय में कार्यरत श्री बी० हनुमानताराव लेखा-परीक्षा प्रधिकारी (वा०) अपनी श्रिधवार्षिता श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-87 (अपराह्मन) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 20-वा० ले० प० 1/217-69—सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (प्रथम बम्बई के कार्यालय में कार्यरत श्री जे० डी० प्रभ्यंकर लेखापरीक्षा प्रधिकारी (वा०) अपनी प्रधिवाणिता प्रायु प्राप्त करने पर दिमांक 31-1-87 प्रपराक्ष से सेवा निवृक्त हो गए हैं।

डी० एन० ग्रानन्द सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

सं० 19-बा० ले० प०-1/160-78-महालेखाकार (बाणिज्यिक लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र बम्बई के कार्यालय में कार्यरत श्री सी० एम० एन० स्वामी लेखापरीक्षा श्रीधकारी (वा०) अपनी श्रीधवर्षिता श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31 -3-87 श्रपराह्य से निवृक्ष हो गए हैं।

सं० 18-बा० ले० प० 1/42-72-सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा-1 नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री श्रार० के० ज्यास, लेखापरीक्षा श्रधि-कारी (बा०) श्रपनी श्रधिवाधिकता श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-87 (श्रपराह्म) में सेवा निवृत्त हो गए हैं।

डी० एन० ग्रानन्द सहायक नियंत्र त-महालेखापरीक्षक (वा०)

महासेखाकार नेखापरीक्षा का कार्यालय, आध्रप्रदेश

हैदराबाद-500 463, दिनांक 26 म<sup>ई</sup> 1987

सं प्रणा०-1/पद् न०/8-132/87-88/डी० यान 50-निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा श्रधिकारियों को स्थ्रानापन्न लेखापरीक्षा ग्रधिकारियों के रूप में 2375-75-3200-ई०बी०-100-3500 रु० वैजनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले श्रादेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके वरिष्ठों के यावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, श्रीर आंध्र-प्रवेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचि-काश्रों के परिणामों के श्रधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० भा० सं० एफ०/7/1/80-स्थापना पी० टी० 1 दिनांक 26-9-81 की क्षतों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अन्वर वें :--

नाम पद ग्रहण की नारीख एन० एस० पार्ता सारथी 3-6-87 एफा० एन०

> विजया मूर्ति वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा) -1, गुजरात

म्रहमदाबाद-380 001, दिनांक 15 जून 1987

सं० स्था० (ए०)/जी० म्रो०/3/(37)/845—महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा)—1 गुजरात, म्रहमदाबाद के निर्णय के मनुसार निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा मधिकारियों को कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—1 गुजरात, महालेखाकार राजकोट में स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बतायी गयी तारीख से श्रगले श्रादेश मिलने तक नियुक्त किया जाता हैं:—

#### सर्वश्री

- 1. श्रार० एम० जरीबाला 12-5-87 पूर्वाह्म से श्रहमदाबाद
- 2. डी० एम० चौहाण 28-5-87 " राजकोट
- 3. डी० जे० व्यास 22-5-87
- 4. एच० सी० सैनानी 27-5-87 ,, ग्रहमदाबाद
- 5. पी० जी० के० नायर(II) 2-6-87 "
- जे०टी० खुणलानी " " राजकोट

उपरोक्त पदोन्नतियां ग्रस्थायी ग्राधार पर हैं ग्रौर 1980

एवं 1984 की विशेष सिविल आवेदन पन्न सं० ऋमशः 735 एवं 388 से साननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है एवं जो केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल श्रहमदाबाद में विचाराधीन हैं।

संजीव सलूजा बरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणासन) गुजरात

कार्यालय उप महालेखाकार (लेखा तथा ग्रिधि०) जम्मू व काण्मीर

श्रीनगर, दिनांक 17 जून 1987

मं० प्रणा० I /लेखा व प्रिधि०/60(3)87-88/606— महालेखाकार महोदय जम्मू व काश्मीर , श्रीनगर निम्नलिखित प्रनुभाग श्रिधकारियों को स्थानापन्न धारिता में प्रत्येक के साथ वर्णित तिथियों से प्रगले श्रादेशों तक वेतनमान (2375-75-3200-द० रो०-100-3500 रु०) में लेखा श्रिधकारियों के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

ऋमांक नाम	तिथि
<ol> <li>श्री श्रब्दुल हमीद शाह</li> <li>श्री प्राण नाथ कविणी</li> </ol>	8-5-1987 8-5-1987
3. श्री शिबन लाल शिशु	8-5-1987

उनकी परस्पर वरिष्ठता ऊपर वर्णित क्रम के ब्रनुसार ही रहेगी ।

> शशिधरन उप महालेखाकार (लेखा व प्रक्षि०)

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) का कार्यालय, उड़ीसा भुवनेस्वर, दिनांक 15 अप्रैल 1987

सं० मा० सं० 4— उड़ोसा के महालेखाकार (लेखा एवं इकदारी) ने हर्ष के साथ भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभागीय (प्रशासनिक मधिकारी, लेखा मधिकारी भीर लेखा परीक्षा मधिकारी भीर लेखा परीक्षा मधिकारी) नियुक्त नियमावली, 1969 के मनुसार इस कार्यालय के अनुभाग मधिकारी श्री कें वी० अनाजी राव को वेतनमान 2375-75-3200-दं रो०-3500 पर विनांक 4-3-87 (पूर्वाह्म) से अगले मादेश तक लेखा मधिकारी के पद पर स्थानापन्न के तौर पर नियुक्त किया है। यह पदीन्नति मस्थायी तौर पर है भीर उच्च न्यायालय/उक्ततम न्यायालय के विचाराधीन मामलों के म्नितंस निर्णय के शर्त पर है भीर उनके वरिष्ठ कर्मचारियों के दावों को पक्षपात किए बिना है।

सं० स्रा० सं० 5—उड़िशा के महालेखाकार (लेखा एवं हकवारी) ने हर्ष के साथ भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभागीय (प्रशासनिक स्रधिकारी, लेखा स्रधिकारी ग्रीर लेखा परीक्षा स्रधिकारी) नियुक्ति नियमावली, 1969 के प्रनुसार इस कार्यालय के स्रनुभाग स्रधिकारी श्री ए० कृष्णा राव को वेतनमान 2375—75—3200—द० रो०—3500 पर दिनांक 6—3—87 (पूर्वाह्म) से अगले प्रादेश तक लेखा स्रधिकारी के पद पर स्थानापक्ष के तौर पर नियुक्त किया है। यह पदोक्षति श्रस्थायी तौर पर है भ्रीर उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के विचारा धीन मामलों के श्रन्तिम निर्णय के शर्त पर है ग्रीर उनके विरुद्ध कर्मचारियों के वावों को पक्षपात किए बिना है।

पी० नारायण मूर्ति वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, (लेखा०) प्रथम, उत्तर प्रदेश सं० ए० जी० (लेखा०-I) प्रणा०/13-7/361--- निम्न-लिखित परीक्षा भ्रिष्ठकारी निवर्तन की भागु प्राप्त कर उनके सामने लिखित तिथि से सरकारी सेवा में नियुक्त हो गए हैं:-

नाम	तिथि	कार्यालय
सर्वश्री		
<ol> <li>गोपी कृष्ण टण्डन</li> </ol>	304-87 (भ्रपराह्म)	महालेखाकार (ले०प०) 1 उ० प्र०
2. भ्रभय घरण सिह्ना	31-5-87 (भ्रपराह्म)	महालेखाकार (ले० प०) 2 उ० प्र०
<ol> <li>वेद प्रकाश श्ररोड़ा</li> </ol>	31-5-87 (भ्रपराह्म)	महालेखाकार (ले० प०) 2 ४० उ०

पी० के० मुखोपाझ्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासक)

# महालेखाकार को कार्यालय, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक 12 जून 1987

सं० प्रशा० 1/11-144/प्रधि०/1009—महासेखाकार (लेखा एवं हकदारी)-प्रथम, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाव ने निम्नलिखित प्रनुभाग प्रधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख ग्रंकित तिथियों संग्रागामी श्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थाना पन्न लेखा प्रधिकारी के पद पर रु० 2375-75-दे० रो०-100-3500 वैतनभान पर नियुक्त किया है :--

#### सर्वश्री

1. म्रानन्द नारायण कील 29-05-1987 पूर्वीह्न

2. बीर चन्द्र प्रसाद सिङ्गा 10-06-1987 पूर्वी ह्र

मीनाक्षी चक

उप महालेखाकार (प्रशासन)

#### श्रम एवं पनवसि भंत्रालय

#### श्रम विभाग

#### (श्रम ब्यूरा)

शिमला-171004, विनांक 3 जुलाई 1987

संस्था 5/1/87-सी पी आई .— मई , 1987 में आंद्यों गिक श्रमिकों का असिल भारतीय उपभावता मृल्य स्चकांक (आधार वर्ष 1960=100) अप्रैल , 1987 के स्तर 691 से 12 अंक बढ़ कर 703 (सात सा तीन) रहा 1 मई , 1987 माह का मूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 854 (आठ मा चव्वन) आता है।

बल राम उप-निवंशक

# रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 08 जून 1987

संव प्रशाव-1/1174/1/जिल्द-III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा की एक प्रधिकारी कुमारी बन्दना श्रीवास्तव (जो रक्षा मंत्रालय, नयी बिल्ली में ग्रवर सचिव के रूप में प्रति-नियुक्ति ,पर हैं) को उक्स सेवा के कनिष्ठ प्रशायनिक ग्रेड (बेतनमान एवं 3700-125-4700-150-5000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए "श्रनुक्रम नियम के ग्रधीन" दिनांक 14 मई, 1987 के पूर्वाह्म से तथा श्रामासी श्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 16 जून 1987

सं० प्रणा०/1/1402/4/III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक समयसान (२० 3000-100-3500-125-4500) में स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दर्शायी गयी तारीखों से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं :---

फ़रु मं० नाम .	तारीख जिससे नियुक्त हिए गए
1. श्रीमती वीना प्रसाद	01-09-1986
2 श्री उमंग गोहन	01-09-1986
<ol> <li>श्रीमती मधूलिका प्रसाद</li> </ol>	01-09-1986
4. श्री दिनेण चन्द्र सिंह नेगी	15-12-1986
<ol> <li>গি टी० एम० कृपपिनिधि</li> </ol>	01-09-1986
6. श्रीमती संहिता कार	01-09-1986
7.श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा	05-01-1987
८ श्री गुरसस्प सूद	31-12-1986
<ol> <li>श्री प्रज्ञान्त नारायन सुकुल</li> </ol>	03-12-1986
10. श्रीपी.सी. दियाकसियामा	01-09-1986

स० प्रशा०/1/1504/5/1—श्री पी० के० थीवन, आई० डी० ए० एस०, जिन्होंनें 18-04-1987 को (उनकी जन्म तिथि 19-04-1929 होने के कारण) 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर ली है, को 30-04-1987 ग्रपराह्म से रक्षा लेखा विभाग के संख्यानल से हटा दिया गया है तथा 01-05-1987 पूर्वाह्म से पेंगन स्थापना को श्रन्तरित पर दिया गया है ।

> . डी० के० चेतिसह रक्षा लेखा ग्रापर महानियलक (प्रणा०)

# रक्षा मंत्रालय भारतीय ब्रार्डनेंस फैस्टरियां संवा श्रार्डनन्स फैस्टरी बोर्ड

कलकसा-1, विनांक 17 जून 1987

म० 15/जी/87---राष्ट्रपति महोदय ने दिनांक 20-02-85 (ग्रपराह्म) से श्री एम० बी० श्रीनिवासन, स्थानापन्न कार्य प्रबन्धक का ईस्तीफा ग्रहण करते हैं।

एम० ए० भ्रसहन संयुक्त निदेशक/जी

वाणिज्य - मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 16 जूग 1987 श्रायात श्रौर नियति व्यापार नियत्रण (स्थापना)

सं० 6/1551/85-अभा० (राज०)/2987-- संयुक्त मुख्य नियत्रंक, ग्रायात-नियति के कार्यालय कलकत्ता में श्री अब्दुल रशीद, नियंत्रक, ग्रायात-नियति, सेवा निवृति को श्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 जनवरी 1987 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

मं० 6/1551/85-प्रशा० (राज०)/2998- संयुक्त सुद्ध्य नियंत्र रु श्रायात-निर्यात के कार्यालय , कलकत्ता मे श्री श्रब्दुल रणीद, नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात , सेवा निवृत्ति की भ्राय प्राप्त कर लेने पर 31 जनवरी 1987 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

मं॰ 6/1462/84-प्रणा॰ (राज॰)/3005--संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रावात-नियति के कार्यालय, बम्बई में श्री पी॰ जे॰ पेसवानी, नियंत्रक, झायात-नियति, सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर 30 अप्रैल 1987 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

> र्शकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक स्रायात-नियति कृते मुख्य नियंत्रक, स्रायात-नियति

#### वस्त्र मंत्रालय

# विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 जून 1987

सं 36/1/83-प्रणा०—I—राष्ट्रपति, श्री के० के० सिरंगी को विकास श्रीयुक्त (ह्स्स्रिशिल्प) कार्यालय में उप निदेशक (क्षेत्रीय) के ग्रेड में 31-5-1983 से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० के० दत्ता विकास भ्रायुक्त (हस्तग्रिस्प)

# इस्पात श्रीर खान मंद्रालय (खान विभाग) भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकला-700016, दिनांक 10 मई 1987

मं० 3306बी/ए-32013/1-उपमहानिदे० (भूषिज्ञा०) 85-19ए--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवेज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधिकारियों को उप महानिदेशक (भूषिज्ञान) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार पूर्व परिशोधित 2250-125/2-2500 रु० के वेतनमान में (अब परिशोधित 5900-200-6700 रु०) अस्थायी स्थाना-पन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शायी तथि से पदोन्नति पर नियुक्ति कर रहे हैं:--

- 1. श्री एस० एन० चसुर्वेदी, निदेणक (भूविज्ञान), भा० भू० स०-- 9-4-87 (पूर्वाह्म)
- 2. श्री ए० के० श्रार० हम्माडी, निदेशक (भूविज्ञान), भा० भू० स०—15-4-87 (पूर्विह्म)

ৰীত केত गुप्ता ৰহিত ও্ৰদ্যাদিইয়ক (কাৰ্দিক)

# भारतीय खान ब्यूरी

# नागपुर, दिनांक 15 जून 1987

मं० ए-19011/36/86-स्था० ए० पी० पी०-निवर्तन की श्रायु पूर्ण कर, सेवानिवृत्ति होने पर, श्री पी० एम० राव, मुख्य संपादक को विनांक 1 जून 1987 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरों के कार्यभार से मुक्त कर टिथा गया है ग्रांर तदनुसार उनना नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया है।

दिनांक 18 जून 1987

सं० ए-19011/35/75-स्था० ए०--दिनांक 2-6-1987 (ग्रपराह्म) से ऐच्छिए सेवा निवृत्ति लेने पर, डॉ॰ जे॰ जी॰ के॰ भूथीं, स्थायी धातुम्भी एवं स्थानापन्न श्रधीक्षक धातुक्मी को दिनांक 2-6-1987 के श्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो के उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है श्रीर गदनुसार उनका नाम भारतीय खान ब्यूरो की प्रभावी स्थापना से दिनांक 3-6-1987 (पूर्वह्मि) से काट दिया गया है।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन श्रधिकारी **कृते** महानियद्वक भारतीय खान ब्यूरो

# परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद~500 016, दिनांक 18 जून 1987

सं० पखप्र-4/1/87-भर्ती खण्ड-II/7231—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतदहारा परमाणु खनिज प्रभाग के निम्नलिखित ग्रिधकारियों को उनके नाम के सम्मुख दर्शाए गए पद पर, इसी प्रभाग में ग्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्र० ग्रिधिकारी का वर्तमान पदोन्नति स्थायी नए ग्रेड में स० नाम ग्रेड का ग्रेड पद नियुक्ति की तिथि

		·	1 111 1
	निक वैज्ञानिक हायक प्रधिका सी'' अभियन्त ''एस०र्ब	रो/ ग	1-2-87
2. एस०सी०सहगल -	ही— <del>-व</del> ही~-	चै०स० "ए"	1-2-87
<ol> <li>श्रीमती गिरिजा –वः</li> <li>श्रीनिवासन्</li> </ol>	होबही	व <b>ै</b> ० स० ''ए''	1-2-87
4. श्रीमती वी० — जयन्ती	वहीवही-		1-2-87
5. एम० सीता रमय् <b>या</b>	त्रहीबही- 	<b></b>	1-2-87

म० व० खान वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकारी

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग

# देहरादून, दिनांक 15 जून 1987

सं० सी-25/698-मैप क्यूरेटर-श्री श्रजीत कुमार मण्डल, कार्यालय श्रधीक्षक, पूर्वी मिकिल कार्यालय को दिनांक 8 श्रप्रैल 1987 (पूत्रिक्ष) से श्रगले आदेगों तक श्री नरोत्तम शर्मा की सेवा-निवृत्ति से खाली स्थान पर पूर्वी मिकिल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकना में प्रतिनियुक्ति पर मैप क्यूरेटर (सा० सि० मे० "ग्रुप "बी") के पथ पर 1640-60-2600-द• रो०-75-2900 रुपए के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

गिरीश चन्द्र श्रम्भवाल मेजर जनग्ल भारत के महासर्वेक्षक

विज्ञान एव प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली:3, दिनांक 10 जून 1987

मं० ई० (1)00890--भारत मौसम विज्ञान के महा-निदेशक खेद सहित श्री ग्रभिजीत लहिरी, मौसम विज्ञानी श्रोणी-1, बाढ़ मौसम कार्यालय, श्रसनसोल की 11-5-1987 को हुई मृत्यु की श्रिधसूचना जारी करते हैं।

> श्रर्जुन देव मौसम विज्ञानी (राजपव्रित स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

राष्ट्रीय श्रिभलेखागार, जनपथ

नई दिल्ली-110001, 'दिनांक 21 मई 1987

फा० सं० 8-9/83-स्था०—इस विभाग के दिनां का 14-6-84 की सनसंख्यक प्रधिमूचना का ग्रधिक्रमण करते हुए, श्री बी० एल० राजवान, स्थायी सहायक रसायनका ग्रेड—I की राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार, भोपाल में 26-5-86 पूर्वाह्म से, ग्रगले ग्रादेश होने तक, 2000-60:-2300-द० रो०-75, 3200-100-3500 रुपए के संशोधित वेतनमाम में वैज्ञानिक ग्रिधकारी के पद पर पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर पदोन्नति

जाती है। श्री राजदान का बेतन एफ० ग्नार० 22 सी के ग्रधीन 2000-60-2300-दा० रो०-75-3200-100-3500 रुपए के संशोधित बेतनमान में 2900/- रुपए प्रति माह के हिसाब से निर्धारित किया जाता है।

राजेशपरती अभिलेख निदेशक भारत सरकार

स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1987

मं० ए० 12025/6/85--एन० एम० ई० पी०/पी० एच० (सी० डी० एल०)---राष्ट्रपति ने श्री मनोज कुमार को 6 श्रप्रैल 1987 के पूर्वाह्म से श्रागामी ब्रादेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (भण्डार) के पद पर श्रस्थायी ब्राधार पर नियुक्त किया है।

श्रीमसी जैस्सी फांसिस उप निदेशक प्रशासन (पी०एच०)

खाद्य एवं नागरिक भ्रापूर्ति मंद्रालय
(खाद्य विभाग)
राष्ट्रीय गर्करा संस्था
कानपुर, दिनांक 5 जून 1987

सं० ए० 19012/61/87-स्थापना 1072- प्रश्नोहस्ताक्षरकर्ता डा० सन्तोष कुमार, तकनीकी सहायक, राष्ट्रीय शर्करा
मंस्था, कानपुर को दि० 18-5-87 के पूर्वाल से कनिष्ठ
वैज्ञानिक श्रिधिकारी (जीव रसायन) ग्रुप "व" (राजपित)
के पद पर ६० 2000-3500 के वेतनमान में ग्रस्थायी रूप
से नियुक्त करने हैं । उनका प्रारम्भिक वेतन 18-5-87 से
६० 2000/- प्रति माह नियत किया गया है और वह उपरोक्त
वेतनमान में 1-5-88 को श्रपनी वार्षिक वेतनवृद्धि अर्जित
करेंगे। (पूर्व संशोधित वेतनमान ६० 650-1200, नियत
वेतन ६० 650/-) ।

2. डा॰ सन्तोष कुमार को 18-5-87 (पूर्वाह्म) से वो वर्ष के लिए उनके तकनीकी सहायक के स्थायी पव पर पुनंग्रहणाधिकार (लियन) स्वीकृत किया जाता है। यदि डा॰ संतीय कुमार पुर्नग्रहणाधिकार समय के समाप्त होने के पूर्व, तकनीकी सहायक के श्रपने स्थायी पद से त्यागपत्र नहीं देते है या तकनीकी सहायक के श्रपने स्थायी पद पर प्रत्यायतित नहीं होते हैं तो उन हा पुर्नग्रहणाधिकार स्वतः साम्या सान विका जाएगा ।

3. डा॰ संतोष कुमार किनष्य वैज्ञानिक श्रिधिकारी (जीव रसायन) के पद पर 18-5-87 से दो वर्ष के लिए परि-वीक्षा काल पर रहेंगे ।

> राम कुमार निदेश

कृषि र्फार ग्रामीण विकास मंत्रालय (कृषि एवम् सङ्कारिका विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरोध ग्रौर संग्रह निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 जून 1987

सं० 7-20/78-प्रशासन-प्रथम—इस निदेशालय के ग्रधीन केन्द्रीय निगरानी केन्द्र, कोटा के श्री करनार सिंह निगरानी ग्रधिकारी (समूह "ख" राजपितत) के सेवानिवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 मई, 1987 को श्रपराह्म श्रपने पद के कार्यभार से मुक्त हो गए हैं।

> एस० पी० कुटार मुख्य प्रणासनिक भ्रष्टिकारी कृते वनस्पति रक्षण सलाहकार

# भाभा परमाणु धनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 16 जून 1987

मं० पी० ए०/73/(3)/87-ग्रार-4/471--ित्यंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंघान केन्द्र डा० (कुमारी) मिस्ती भावना रमण-लाल को निवासी चिकित्सा ग्रधिकारी पद पर भाभा परमाणु श्रनुसंघान केन्द्र के श्रायुविज्ञान प्रभाग में मई 28, 1987 (पूर्वाक्ष) से तीन वर्ष की श्रवधि तह श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

जे॰ राममूर्ति उप स्थापना श्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय श्रांर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 085, दिनांक 8 जून 1987

मं० कभनि०/41/2/85-प्रशा०/24636-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रिप्र भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री दिक्षित दीनानाथ काशीनाथ को इसी निदेशालय में 20-4-87 पूर्वाह्म से 22-5-87 अपराह्म तक रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतन-मान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है, यह नियुक्त सहायक भंडार अधिकारी श्री आई० पी० मैनन के स्थान पर की गयी है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी एदान की गयी है।

#### दिनां 🛭 🤋 जून 1987

मं० कमिनि०/41/1/85-प्रशा०/24836---परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भड़ार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री कीयर मुकुंव नाईक, को इसी निदेशालय में दिनांक 27-04-1987 (पूर्वाह्म) से 28-05-1987 (प्रपराह्म) तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए के वेतनमान में महाचार क्रय प्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री वी० सी० वर्की, सहायक क्रय ग्राधकारी के स्थान पर की गयी है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

#### जुन 10, 1987

सं० ऋभिनि० जि- 7 म्था० / 87-प्रशा० / 250 44- स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप इस निवेणालय के केन्द्रीय ऋय एकक के महाएक ऋय श्राधकारी श्री बी० जी० जीवन पुत्र दिनांक 01-06-1987 (पुर्वाह्म) को संग्कारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए ।

> बी॰ जी॰ कुलकर्णी प्रशासन अधिकारी

# श्रंतरिक्ष विभाग

तिरुवनन्तपूरम-695 022, दिनांक 28 मई 1987

मं० बी० एस० एस० सी० स्थापना : 22219—दिनांक 6—5—1987 (ग्रपराह्म) को श्री ग्रार० जनार्देनन नायर, कर्मचारी संख्या : 22219, सहायक प्रशासन ग्रधिकारी, स्थापना/पी० जी० ए०, की मृत्यु होने के कारण मई 6, 1987 ग्रपराह्म से लेकर बी० एस० एस० मी० की नामावली से उनका नाम हटाया गया है।

पी० करुणाकरन महायक प्रशासन अधिकारी (स्थापना) नियुक्ति श्रधिकारी के लिए

भहानिदेशक सागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

मं० ए० 12025/1/85-ई० मी०--राष्ट्रपित ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री निखिल रंजन दास की दिनांक 30-9-86 से तकनीकी प्रधिकारी (वेतन-मान : 700-1300 रुपए) के रूप में नियुक्ति की है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, अलकना में तैनान किया है ।

> एम० भट्टाचार्जी उप निदेशक प्रशासन

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय : केन्द्रीय राजस्व भवन

क्षंगलीर--560 001, दिनांक 25 मई 1987 केन्द्रीय उत्पाद गुरुक

मं० 3/87—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 के अन्तर्गत मुझ में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हए मैं एत्रद्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालय के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालय के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बंगलौर के सहायक समाहताओं को उनके सम्बन्धित क्षेत्राधिकार के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 173 थी (II) के अन्तर्गत समाहता की शक्तियों को प्रयोग करने का अधिकार प्रदान करता हूं। यह अधिसूचना सिर्फ नियति की क्रय—सूची की फाइलिंग को पूरी नरह से निकालने के लिए लागू है।

सुकुमार शंकर समाहर्ता

# समाहतिलय केन्द्रीय उत्पाद गुल्क : नागपुर, दिनांक 18 जून 1987

सं० 6/87—ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह "ख" के पद पर पदोन्नत होने पर श्री ए० के० श्रीवास्तव, निरीक्षक, ने दिनांक 19-5-87 को पूर्वाह्म में ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, रेंज वर्धा, का कार्यभार ग्रहण किया ।

ग्रार० के० प्रादिम उप समाहर्ता (का० एवं स्था०)

# केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीबाबाद, दिनांक 18 जून 1987

मं० 3-807/87-मु० जल भू० (स्था०)-श्री इन्द्रेश कुमार शर्मा की विनांक 18-5-87 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जलभूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० (समूह-ख) (राजपितत) मूल वेतन 2000/- रुपए प्रति नाह परिशोधित वेतनमान 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- रुपए में श्राव्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है । उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, पश्चिम क्षेत्र, जयपुर में होगा ।

बी० पी० सी० सिक्का मुख्य जलभृविज्ञानी एवं सदस्य

#### केन्द्रीय जल भागोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 12 जून, 1987

मं० ए-19012/1073/86-स्थापना पांच, विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की मिफारिणों पर ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल भ्रायोग, श्री पवन किणोर झा, ग्रभिकल्प सहायक को जो इम समय संवर्ग बाह्य पद पर बिहार राज्य जल-विद्युत पावर निगम लिमिटैंड में प्रतिनियुक्ति/काडर बाह्य सेवा श्राधार पर स्थानापन्न क्षमता में कार्य करते हुए ठीक नीचे के नियम की सभी णतों को पूरा करते हैं, उनकी भ्रनुपस्थिति में केन्द्रीय जल भ्रायोग में ४० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500- ६० के वेतनमान में 10 जून, 1986 की पूर्वाह्म से भ्रगले भ्रादेण होने तक भ्रातिरिक्त सहायक निदेशक/ महायक इंजीनियर(इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए०-19012/1169/86-स्थापना-पांच 1—विभागीय पदोन्नति समिति (समृष्ट्-ख) की सिफारिकों पर ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री श्रणोक कुमार, कनिष्ठ श्रभियन्ता/पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 2000-60-2300-वक्षता रोघ०-75-3200-100-3500/- रुपए के वेतनमान में 30-7-1986 को पूर्वीक्ष से श्रन्य श्रावेशों तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हें।

2. उपरोक्त श्रधिकारी केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रितिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे ।

> एस० महादेव भ्रय्यर भवर सिषव केन्द्रीय जल श्रायोग

# निर्माण, महानिदेशास्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, विनाक 15 जून 1987

सं० 32/3/85-ई० सी०-2-केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा के श्रेणी "क" के निम्नलिखित कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) निवृतन की भ्रायु (58) वर्ष पूरे होने पर सरकारी सेवा मे उनके सामने दी गयी तारीखों से सेवा निवृत किए जाते हैं:—

ऋ० <b>ग्रधि</b> कारी का नाम मं०	निवृति की तारीख	पदनाम एवं म्रन्तिम तैनाती का स्थान
(1) (2)	(3)	(4)
सर्वर्श्रा-		
1. भारत भूषण	31- 5-87 (श्र9राह्म)	कार्यव्हंजीव (सिविस) लोव निव्य विभाग मंडस 22 (बिव्य प्रशासन) नई दिव्य ।

(1)	(2)	(3)	(4)
2. वाई	ं० बी० धावले	_	निर्माण सर्वेक्षक, लो० नि० वि० परिमंण्डल 6 (दि० प्रणासन) नई दिल्ली ।

सं० 32/3/85-ई० सी०-2-केन्द्रीय लोक ्निर्माण विभाग के केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा के श्रेणी "क" के निम्नलिखित प्रधीक्षक इंजीनियर (सिविल) निवृतन की ग्रायु (58) वर्ष पूरे होने पर सरकारी सेवा से उनके सामने दी गयी नारीखों से सेवा निवृत किए जाते हैं :—

क∘ मं∘	श्रधिकारी	_	की पदनाम एव ग्रन्तिम तनाती का स्थान
1. 7	पी०पी० महगल -	31-12-86 (भ्रपराह्न)	श्रघी० इंजी० (सिविल) केन्द्रीय ॄँग्रभिकल्पन संगठन, नई दिल्ली ।
2. ₹	मी०पी०गुप्त <u>ा</u>	31~5~87 (ग्रपराह्न)	श्रधी० इंजी० (सिविल) (समन्वय) ग्राई० पी० भवन, नई दिल्ली ।

पृथ्वी पाल सिंह उप-निदेशक (प्रशासन) कृते निर्माण महानिदेशक विधि न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग

कस्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रं/र मेसर्म दुबारी ट्रेडर्म प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1987

सं० 9597/15136—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर मैंसर्स दुवारी ट्रेडमें प्राहवेट लिमिटेड का नाम इतके प्रतिकृल कारण दिषत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वी० एम० श्रानन्द सहायक रजिस्ट्रार श्रॉफ कम्पनीज देहली एवं हरियाणा

कार्यालय कम्पनियों का रजिस्ट्रार, राज्यथान जयपुर, दिनांक जून 1987

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रांर मैसर्स एलोराज प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में !

सं० सांख्यिकी/1302/2451—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन महीने के अवसान पर मेंसर्स एलोराज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिषत नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटिन कर दी जावेगी।

वी० प्र० सिंघल कम्पनी रजिस्ट्रार, राजस्थान, जयपुर ।

# प्ररूप आह्िं टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्वेश सं० श्रई-2/37—ईई/38761/86—87 —-श्रतः, मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 153/बी, 31वां रोड़, टी पी एस 3, बांद्रा टाकीज के पास, ग्राफ लिकीग रोड़, नेक्स टू इलेक्ट्रक सब-स्टेशन बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1986 क्षो पूर्वोंक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त को उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करमे या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग कों, अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—

- (1) श्री जगदीशचन्द्र लरुलूभाई मोदी। (ग्रन्तरक)
- (2) ए० एन० प्रापर्टीज एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रीमती हिल्डा कारडोज, श्री भ्रत्वर्ट टी० वाश्र, और कुमारी ट्रेसा एम० बूटवाला । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ष

(4) श्री हरीलाल एल० मोदी और श्री बिहारीलाल के० मोदी।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्स अन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्त्रीक्ष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

153/बी, 31कां रोड़, टी० पी० एस. नं. 3 बांद्रा टाकीज के पास, स्नाफ लिंकींग रोड़, नेक्स टूइलेक्ट्रिक सद्य-सेक्शन बांद्रा बस्बई 50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37–ईई/38761/86–87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० माह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-6-1987.

मुक्तु नार्'् टी हरे , एक . ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 था 43) की पादा 269-प (1) के अधीर शुक्रा

भारत सरकार

काबीलब, सहायक गायकर बाक्क्स (विद्रांबाण) श्रार्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० ग्रई-2/37–ईई/38971/86–87––ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिभकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000 / । रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 7 सुजाता निवास, 1/सी, 3/3, एस० वी० रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बांणित हैं (ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रांधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 9-10-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः बन, उनत अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, धनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती श्रनंवाझ अर्देशी आर० अरजानी। (अन्तरक)
- (2) लिन्टेस इंडिया लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हुं।

बब्ब बम्मील के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोर :---

- (क) इस त्यना से राजपण में प्रकाशन की तारीय हैं
  45 दिन की जविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़
  भूषणा की तामील से 30 दिन की नविष, को जी
  अधीय बाद में समान्त होती हो, को भीतर कुर्नेकर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (न) इस स्थान के रायपत्र में त्रकायन की तादीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवास ज्योहस्ताकती औं पास सिक्ति में किए या सकोंगे।

#### **ग्रनुसूची**

फ्लेट नं० 7, सुजाता निवास, 1/सी, 3/3, एस० वी० रोड बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37–ईई/38971/86–87 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बूई द्वारा दिनांक 9-10–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 5-6-1987.

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-

अभयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1887

निर्वेश सं० श्रई-2/37-ईई/39053/86-87 --यतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 22, 6ठी मंजिल, हिल निकेतन को-ध्राप० हार्जिसग सोसायटी लि०, माउंट मेरी रोड़, बांद्रा, बम्बई— 400050 में स्थित है (घौर इससे उपाब ग्रुनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10-10-1986

को पृषांकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषांकर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से एसे छ्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) सी०पी०टी० डिमेसो।

(भ्रन्तरक)

- (2) यतिन जी० डोसा और कुमारी भारती बी० पटेल। (धन्तरिती)
- (3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ॰ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्यक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्वी

"फ्लेट नं० 22, 6ठी मंजिल, हिल निकेतन को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सी० टी०एस० नं० 841, मांऊट मेरी रोष्ठ, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० झई-2/37-ईई/39053/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 10-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 5-6-1987.

मोहरः

# प्ररूप बाइ<sup>2</sup>.टी.एत.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### मारस सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० ग्रई-2/37—ईई/39092/86—87:—ग्रत: मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिबे एसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा तथा हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 2, 1ली मंजिल, जागीर श्रपार्टमेंट को-ग्राप० हार्डीसंग सोसायटी लि०, 35, गुरु नानक रोड़, बांद्रा (प०), बम्बई—50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनिश्रम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 10-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के सम्यमान हितिका के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के मृल्यह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे जन्तरण के निष्णु तब पाचा बया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखिल के नास्तिक दम से किया नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तर्थ हे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने की अन्तर्क के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के विस्ट: स्रोड/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या झन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) श्रेया उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त विभिनियम की धारा 269-न की बनुबरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, किन्मीलीखत व्यक्तियों, वर्धातः—

- (1) श्रीमती मालती सप्रू ग्रौर श्री जे० एन० सप्रू। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोबीनग्रली हुसेन बारदाणवाला, श्रीमती दिलगेड मोबीनग्रली बारदाणवाला, ग्रौर श्री हुसेन मोदीनग्रली बारदाणवाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सम्मप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विविधित्रक के बच्चाद 20-क में परिभाषित हैं बहुी वर्ष होगा को उस बच्चाद में दिशा गया

#### वनुसूची

प्लीट नं० 2, 1ली मंजिल, जागीर ब्रापर्टमेंट को-ब्राप० जिसिंग सोसायटी लि० 35, गुरुनानक रोड़, बांद्रा (प), बम्बई— 50 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि० ऋ० स० ध्रई-2/37—ईई/39092/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-6-1987.

#### शक्य नार्व हों . प्र<sub>ति</sub> प्रकृत - म सनक

# बायकार विदितिय्व, 1961 (1961 का 49) की धार 269-म (1) के बचीन सुचना

#### बास्त दर्याह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति , विश्वका अधित वाजार मृश्य 5,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं० 316/22, डनिहल को—श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डा० ग्रांबेडकर रोड़, 4थी मंजिल, बांद्रा, बम्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है)/ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीके कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-1986

की प्रॉबत सम्मित के उचित नाकार मूक्य से कम के क्रयमान अतिकान के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विक्वास कारने का कारण है कि यमाप्नॉक्त संपत्ति का उचित वाबाइ मृत्य, उदे हे क्रयमान प्रतिकास से, एसे क्रयमान तिकल का मृत्य प्रतिकाद से बीधक है और अन्तरक (अन्दरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) २ बीच एसे अन्तरक के बिए तब श्या गया प्रतिकास, निम्मसिबित उच्चक्य से उक्त अन्तरक

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खेशिए;

बत्ध बच, उच्च वीपनियम की पारा 269-व की, जन्मस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती नसीम बानू तहवेरग्रली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मोती किस्मतराय ग्रडवानी।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उपद हुम्हित से वर्षन के स्थान में काई भी बार्ब ह---

- (क) इस चुना के हाजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पृष् सूचना की तामीस से 30 दिन की नवींच, जो भी नवींच नाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित स्वाह्य;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींस से
  45 दिन के भीतर जनत स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इनाय वभोइस्ताकरी के पास सिवित में किए सा सकेंचे।

स्वकाकरण: - इसमें प्रयुक्त कब्दों भीर पदी का, जो सक्त अधिनिवस के अध्याय 20-क में परिशासिक है, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिखा गया है।

# अनुसूची

316/22, डनहिल को०-स्राप० हार्जीसंग सोसाइटी लि०, डा० स्रांबेडकर रोड, 4 था मंजिल, बांद्रा, बम्बई-52 में स्थित है। स्रनुसूची जैसा कि क० सं० स्रई-2/37ईई/39098/86-87 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-86 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक थ्रायकर ग्रायुक्त (दिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-6-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# शायकर मभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन स्वना

भारत सरकार

# गार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्क) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/39113/86-87—म्रत: मुझे के० सी० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

जिप्तकी सं० जमीन जिसका नं० सर्वे नं० 317 एच नं० 1, श्रीर सी एम नं० 1631, बाद्रां (प) ग्रीर (2) सर्वे नं० 317 ए, हिस्सा नं० 2, सी एस नं० 1632, जो डा० श्रम्बेडकर रोड़, बांद्रा (प) बग्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्स्ची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) श्रौर भ्यिका करारक्षामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्राधीद स्थित बम्बई सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-10-86 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उत्दर्भय से उक्त अन्तरण लिकित वास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— (1) मेसर्स अमरीत इंटरप्रायजेस।

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्स राज डेव्हलावर्स।

(ग्रन्तरिती)

(4) श्री श्रन्थानी डिसोझा, 2) श्री केविन फनन्डीस 3) श्री वाय० फोन्सेका, (4) श्री नेस्टर फर्नान्डीस, 5), श्री वेन्सी फर्नान्डीस, 6) श्री मार्टिना परेरा, 7) श्रीमती कोटटी नन्स, 8) श्रीमती जिन्नी गोन्साल्वीज, 8) श्रीमती मिल्लघन गोन्साल्वीज, 10) श्रीमती श्रग्नेस डायस, 11) कुमारी ग्रम्मी फर्नाडीन्स, ग्रीर 12) श्री ग्रो० फर्नाडीस।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

वक्त सम्पर्ति के बर्चन के वस्तुम्थ में कोई भी बाक्षेप :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी। अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को जस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

- (1) जमीन जिसका सर्वे नं० 317, एच० नं० 1, भ्रौर सी एस नं० 1631, जो डॉ० श्रम्बेडकर रोड, बांद्रा (प), बम्बई--59 में स्थित है।
- (2) जमीट जिसका सर्वे नं० 317ए, हिस्सा नं० 2, सी एस नं० सी/1632, बांद्रां(त), बम्बई 50 में स्थित है ग्रनुसूचीं जैमा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/39113/ 87-87 ग्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

दिनांक: 5-6-1987

# प्रकप बार्ड , डी , पन , एत , -----

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यां नय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

म्रर्जेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० ग्रई; 2/37ईई/39114/86-87---ग्रतः मुझे के० सी० शाहः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैंट न० 301, तीसरी मिजल, ज्योति इमारत, 40-बी, रिवेलो रोड़, बाद्रां, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निविष्ठ उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बावत न उक्त जींशीनयम के जभीन कर देने की बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी थन वा बन्ध बास्तियों की, बिन्हें आरतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, वा धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं., मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियाँ, अर्थाता ६—-

(1) मैसर्स राजा बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) करूमदीन ग्रहमद खान ग्रीर श्रीमती सुरैया बानू कुयू० ए० खाद की पत्नी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्येय :---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अन्स्ची

फलैंट नं० 301/तीसरी मंजिल, ज्योति इम रत, 40 बी, रिबेलो रोड़, बाद्रां, बम्बई-50 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/39114/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-6-1987

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस .----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987 निर्देश सं० ग्रई-2/37–ईई/39143ए/86–87 — ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की कहे विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 8, तल माला, बांद्रा नटराज को— ग्रॉप० हार्जिसग सोसायटी लि०, 68, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की. धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांक्य में रजिस्ट्री है तारीख 10-10-1986

स्त्रं बुवींक्त संस्पित के उचित बाजार मृत्य ए कर के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल के बिर्म के प्रतिफल के विश्व के स्विधित के स्वतिक्रम, निक्कितिक्रम दश्यों से उक्त बन्तरम विश्वित के स्वतिक्रम क्य है के स्वतिक्रम कहीं किया क्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-भिष्म के अधान कर देन के अम्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य ऑस्तियों की, जिन्ह मारकीय काय-कर विधिनियम, 1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या सम्बद्ध अधिनियम, या सम्बद्ध अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जोना चोहिए था, छिपाने में तिष्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3—146 GI/87

(1) श्री जगमोहन सिंह बेदी।

(ग्रन्तरक)

(2) ब्लाज होम प्रॉडक्ट्स प्रा० लि०।

(ग्र तरिती)

(3) ग्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भायवाहिकां करता है।

#### उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई जी गानांच :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में के किसी व्यक्तिय वृत्तारा;
- (थं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए वा सर्कांगे।

स्पन्धिक रणः — इसमें प्रयुक्त कर्ना और पदा का, जो उक्त गौधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होनेट, जो उस अध्याय में दिया एया है।

#### बन्स्ची

दुकान नं० 8, तल माला, बांद्रा नटराज को-ग्राँप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 68, हिल रोड़, बांद्रा, बम्बई – 50 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई – 2/37 – ईई/39143ए/ 86 – 87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 – 10 – 1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-6-1987.

प्रारूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

#### कारोत्रम, सहाधक बामकर वाय्वत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ंबम्बई, विनांक 5 जून 1987

निर्वेश सं० ग्रई-2/37-ईई/39144ए/86-87 -- भ्रतः मुक्षे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 7, तल माला, बांद्रा नटराज को— श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 68, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बैंणित हैं),और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिध नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 10-10-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाब्द उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एरेंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुहरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हरजीत बेदी।

(भ्रन्तरक)

(2) ब्लाज होम प्रॉडक्ट्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आअंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उध्य स्थावर समात्ति में हिल्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ब्लिए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

दुकान नं० 7, तल माला, बांद्रा नटराज को-म्रॉप० हार्जिसग सोसायटी लि०, 68, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/39144ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, स**ष्ट्**ायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक : 5-6-1987-

शारूप आहूँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजींन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987 निर्वेश स० भ्रई-2/37-ईई/39164ए/86-87-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य . 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० 31 प्रतिशत हिस्सा जो पलैट न० 61 में, जो लैण्ड मार्क, कार्टर रोड़, बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूस्य से कम के स्थमान प्रित्तिक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उब्बोध्य से उक्त अंतरण निस्ति में नास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविका के निए; मीर/या
- (ख) एंसी किसी बार्म या किसी धन या अन्य आस्तिवां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अथित् : (1) कैंप्टन और श्रीमती जी० वडरगुट।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती लारेटदा ग्रल्वारीस ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्री देसमोंड श्रल्वारीस और श्री डेविड ग्रल्वारीस । (वह व्यक्ति, जिंसके बारे में श्रधोहस्ता क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अनुस्ची

31 प्रतिशत हिस्सा जो प्लैट न० 61 में, जे मार्क, कार्टर रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

भनुसूची जैसा ऋ० स० भई-2/37-ईई/39164 87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० सक्षम प्रापि सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निग् श्र**ांन रेंज**-2.

दिनांक 5-6-1987. मोहर प्ररूप आहें.टी.एन.एस . -----

नायकर गाँधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्माण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई रिक्स है जिस्सा

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ध्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी 38 प्रतिशत शेम्रर जो पर्लंटन० 61, लेण्डमार्क,
कार्टर रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है। तारीख

10-10-1986

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाम की बाबत, उक्त किभीमयम के बधीन कर दोने की अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सूबिधा के लिए; शौर/या
- (च) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कैंप्टन और श्रीमत्ती जी० वंडरगट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देसमोंड ग्रल्वारीस।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )।

(4) श्रीमती लोरेटटा ग्रत्वारीस और श्री डेविड ग्रत्वारीस । (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितम्बद्ध है)।

का यह सूचना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इदारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए का सकोंगे।

स्बुब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, को उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में युक्ष परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में क्या स्था है।

#### अनुसूची

38 प्रतिशत शेम्रर जो फ्लैट न० 61 में, जो, लैंण्ड मार्क, कार्टर रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अई-2/37--ईई/39165ए/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायु<del>पत</del> (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-6-1987.

प्ररूप बाई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्द्रेश सं० श्रई-2/37-ईई/39166ए/86-87:-- अतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्राँर जिसकी सं 31 प्रतिशत शेश्वर जो, फ्लैंट न 61 में लैण्डमार्क, कार्टर रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्राँर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-10-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं. मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

(1) कैंप्टन ग्रीर श्रीमती जी० वंडरगुट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डेविड ग्रस्वारीस।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोगमें सम्पत्ति है)।

(4) श्री देसभोंड भ्रत्वारीस और श्रीमसी लोरेटटा श्रत्वारीस । (वह म्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काहि भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्य स्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जनसंची

31 प्रतिशत पोग्नर जो, फ्लैट नं० 61 में, लैण्डमार्क, कार्टर रोड़, बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि कं सं $= \frac{1}{2} \frac{1}{37 - \frac{1}{2}} \frac{1}{391660}$ 86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी ,बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1986 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज~2, बस्बई

दिनांक: 5-6-1987

# प्रकृत बार्ड हो. हव . एव . .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन सुचना

#### शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश स॰ ग्रई-2/37-ईई/39173ए/86-87:— अतः,

मुझे, के० सी० शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

5,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, 3री मंजिल, वालहल्सला, सेंट रॉजर्स रोड़ ग्रौर रिबेलो रोड का कॉर्नर, बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामां ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10—10—1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान मितफल से, एसे दरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त महीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विग्र; बॉर/वा
- (सं) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बात चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कलाभारती इंटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एनी डिसोजा।

(ग्रन्तरिती)

हो यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विक कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्या की ताणील से 30 दिन की जनधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन का ताराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बनसची

पलैट न० 302, 3री मजिल, बालहस्त्ला, सेंट राजसे रोड़ और रिबेलो रोड़ का कार्नर, बांद्रा, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० स० अई-2/37-ईई/39173ए/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2; बम्बई

दिनांक : 5-6-1987.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# बायकर विभोनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

#### कार्यांसय सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश स० ग्रई-2/37-ईई/39248/86-87:-- ग्रत: मझे, के० सी० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके रव**चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बुस्य 5.,00,000//- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 603, 6ठी मंजिल, मंगल स्वागत सी टी एस न॰ 627, पेरी रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-10-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकत से, एसे क्रयमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रन्तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियाँ) के बीच होसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-क्य निम्निनिवित उद्देश्य से उन्त अन्तरम् निवित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया बया है है-

- (क) बनारण है हुई चिटी बाद की बावत, कुल्त लिपिनियम को लेपीन कर दोने के बन्तरक बे थावित्व में कभी करने वा उसरो अधने में सुविधा चे लिए; गर/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य बास्तिया के, बिन्हें भारतीय बाय-कर बांधीनयम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं विभा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) पी० जय ट्रेडर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोविंद हरदासमल ग्रडवानी।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग्र मेंग सम्पत्ति है)।

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित की अर्थन के तिस् कार्यवाहियां करता हुं।

#### वक्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कार्ड भी बाह्येय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पलैंट न० 603, 6ठी मंजिल, मगल स्वागत, सा टा एस न० 627, पेरी रोड़, न्यू कांतवाडी, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-2/37-ईई/39248/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह. सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-6-1987

#### प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जम रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1987 निर्देश सं० ग्रई-2/37—ईई/39272/86-87—ग्रत मुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, गाँडसू गिफ्ट, प्रोफेसर ग्रन्भेडा रोड़, बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्नी में और पूर्ण रूप से बिंगत है), और जिसका करार-नामा ग्रायकर ऋधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17 ग्रक्तुबर 1986

को पूर्वेषिक तम्मरित के जीवत काबार मृत्य से कम के वस्यमान हरियक को लिए जन्ति की गर्य है और मभें यह विश्वास कहने का कारण हैं कि स्थापूर्वेषित सम्बद्धिक का जीवत बाबार मृत्य, उसके वस्य-वान प्रतिकृत से, एसे अवमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से विभिन्न हैं और बन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, जिल्ल-विश्वत उद्देश्य से उन्ह अंतरण निविद्ध में बास्तिक रूप है कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक भ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मेसर्स ग्रलंकार इंटरप्राइजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी वी० अँयर और श्रा वेंकटरामन वैद्यनाथन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसम प्रयुक्त जब्द। जार पदा का, जा उक्त इधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वया है।

#### अन्सची

फ्लैट न॰ 201, गॉडसू गिफ्ट, प्रोफेसर श्रल्मेडा रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37–ईई/39272/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17–10–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-6-1987

म्बन् बार्षं .टी.पन .एस .-----

बावकर वर्षिणियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक नायकर नायुक्त (निराक्षक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/39385/86-87--ग्रत: मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट न० 4, विरगोविल को-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 31, राजन शिर्ली रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के, खे के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1986।

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजाउ मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थ से का का नहीं किया प्या है का

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की बाबत, उक्त वाँविवियम भी बधीन कर दोने के बन्तरक भे बरियल में कबी करने या उससे स्वान में सुविधा के लिए: भार/या
- भि एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्द बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनिसम स्टा स्वक्तर स्क्रीयिन्दब, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किसा वसा वा बिस्सा बाना चाहिए था. खियाने से सविका के लिए;

कतः सब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उभीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री मुरलीधर नारायण चैनी।

(अन्तरक)

(2) श्री सुंदर गोविंदराम मखिजानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस इसना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निस्ति में किए जा सकेगें।

स्वध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनयम, के वध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, को उस वध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लैंट न० 4, ावरगाविल का-श्राप० हाउ।सग सासायटा लि०, राजन शिली रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37—ईई/39385/86- 87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-6-1987

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

# नायकर जीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### मार्च स्टब्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/39387/86-87--ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को पह निकास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्ब 5, 00, 000 //- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, पाम विला, 65, डिमोंटे पार्क रोड़, बांद्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 20 श्रक्तुबर 1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है तीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्या, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एचं दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के किए सम बागा गया प्रतिफल्ल, निम्निसिव उच्चोष्य से उक्का अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बागत, उभत अधिनिम्भ के स्थील कहु वीगं से अन्तरक क दासिस्त में कामी कारने या उसस श्वाने में साविधा के लिए; ओर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें शारतीय बाव-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट मुद्दी किया गया का या किया जाना भाहिए था, कियान में सनिका के लिए;

कतः अव. उपत निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) केदार इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोसेफ विन्सेंट मेनेझिस और श्रीमती नाईनटी मेनेझिस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त संगील के वर्षन के संसंभ में कार्य भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों ये हे किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की शारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अन्**स्ची

पर्लंड नं० 1, 1ला माजल, पाम विला, 65, डामाट पार्कें रोड, बांद्रा (प०), बस्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रर्क-2/37—ईई/39387/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, त्रम्बई

दिनांक: 5-6-1987

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/39393/86-87--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, गाँडसू गिफ्ट इमारत, प्रोफेसर अल्मेडा रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20 अक्सूबर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत. अर्थ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स श्रलंकार इंटन्प्राइजेस ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कविता हरीश्चंद्र बुधरानी और श्रीमती वंदना देविदास बुधरानी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लैट नं० 103, गाँडसू गिपट इमान्त, प्रोफेसर श्रल्मेडा रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37–ईई/39393/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

दिनांक 5-6-1987

मोहरः

# प्रकृष बाइ', टी. एन. एवं .-----

# बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन त्वना

#### AILS BEALS

# कार्याल्य, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/39416/86-87--यतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,,00,000//- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट न० 33, सबर्बन स्कीम न० 6, अंडर एच-वार्ड नं० 1857, पेरी काँस रोड़, 6वां दांडा स्कीम, बांद्रा (प०), बम्बई—50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 23 अक्तूबर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूक्य से कम के बार्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य के उसल अन्तरण निर्धित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है हि—

- (क) वंतरण से हुई किसी जान की वावस उक्स विच-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए बरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) से अधिकार्थ अन्तिरती स्वाय प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) भगत एण्ड कपूर हार्डासग डेव्हलोपमेंट प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) मदरसा जामे हिदायत ।

(म्रन्तरिती

3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) प्रताप तलवार।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पति में हितबद्ध है)

ा यह सुमना बाखी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के वर्षन के तिए। वर्षमाहियां सुक करना हुं।

#### उन्हा सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की वृवधि वा सरसम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र
  सूचना की सामीज दे 30 दिन की वृवधि, को भी बदिष वाद में दमान्त झती हो, के भीतर प्रवास व्यक्तियाँ में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति क्राग्र अधेहरूताक्षरी के शब
  किसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों बीर पूर्वों का, को उक्त अधिनियम, के बध्धाब 20 क में परिभाषित हैं, बहुी वर्ष होगा जो जब बध्धाब में दिवा गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 33, सबर्बन स्कीम न० 6, ग्रंडर एच-वार्ड नं० 1857, पेरी काँस रोड, 6वॉ दांडा स्किम, ब्रांदा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37ईई/39416/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-10-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-6-1987

# प्रक्रम् वार्'ः दी <sub>।</sub> एकः प्रकः

# बायकारु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) में अभीन स्थाना साहत सहकात

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० ग्रई-2/37—ईई/39486/86-87—ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें दशकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- है के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

5.,00,000/ - रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० इमारत के साथ स्ट्रक्चसं/भाडूत, एन्टोनेल्ला, सी०टी०एस० सं० एफ० 128, 501, लिंकिंग रोड, बांद्रा (प), बम्बई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269, कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24—10—1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बंतीरत को गई हैं बार मूम्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित के वास्तविक स्था से करियत नहीं पासा मना है है—

- (क) बलरण रे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनयन के वधीन कर बोने के बलाइक को शासित्व में कभी करने या उससे बखने हों सुविधा स्त्री सिए; शोट्र/या
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियां का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में यविधा के लिए;

बतः वव, उक्त विधिनवम की धारा 269-न की बनुसरण , में उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वधीन, निम्नोसियम व्यक्तियों, वर्णोक् हिन्स-

- (1) श्रीमती डोलोरीस डिसोजा, श्री गविन डिसोजा कुमारी केरन डिसोजा ग्रौर श्री रेगन डिसोजा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री किशोर बी० शार्ट (मेसर्स यू० के० बिल्डर्स)। (ग्रन्तरिती)

को वह स्थना जारी काउने प्वॉक्त संपरित मी वर्जन में लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप ह—

- (क) इस तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्टना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस ड 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, पो हक्क बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नका ही।

#### अनुसुची

इमारत के साथ स्ट्रक्चर्स/भाड़ूत, ग्रंटोनेल्ला, सी० टी० एस० नं०एफ० 128, 501, लिकिंग रोड, बांद्रा (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/39486/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-6-1987

#### प्रकप बाह्री हो। एतः एस -----

बायकार श्रीधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, गहायक साधकर आयुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/39493/86-87--ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,,00,000//- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 24, के सारा को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, पाली रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कक्ष के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-10-1986,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क जिला, अर्गार्थण
- (स) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकड़ आंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के किए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दलबिरमिंग नथूरिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 जमनू िशिनदास धंकानी श्रौर 2 श्रेनू जमनू धंकानी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृद्धें क्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचत संपत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी जाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पिक्त दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तिस में किए का सकोंगे।

म्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में विया . गया है।

#### अनुस्ची

फ्लैंट सं० 24, के सारा को०-श्रांप० हाउसिंग सोसायटी सि०, प्लॉंट नं० 240, पाली रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्र श्र  $= 2/37 - \frac{1}{2} = \frac{1}{39493}$ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक = 24 - 10 - 1986 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

> कें० मी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्द

दिनांक: 5-6-1987

मस्य बार्द . टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन

#### मारत तरकार

#### कार्याजय . सहायक बायकर बायुक्त (निराक्षाण)

श्रजंन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक ्5 जुन 1987 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/39515/86-87---अतः मुझ, के० सी० शाह,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका जीवत वाचार मुख्य 5,00,000 // रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लेट सं० 32, पेलेस सी० व्ह्रयू को०-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 48, पाली हिल, बांद्रा, घम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), (श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 केच्च के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-10-1986.

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त हंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप में किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनके कि कि निम्न के अभीन कर बार्न के समाप्त के बाधिक में कमी करने या उससे बजने में सिपधा के लिए; जीर /या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृधिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपमास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती कविता स्थामलाल लूथरीया । (ग्रन्तरक)
- (2) दि॰ जयभारत क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी लि॰ (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवाबक व्यक्तियों में से किसी स्थाप्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समित में हिनबद्ध में किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्यक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के कथ्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया ही।

#### अनुसूची

फ्लेट मं० 32, पैलेस की० व्ह्यू को०-ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, 48, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कं मं श्रई-2/37-ईई/39515/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां है 24-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, बम्बर्द

दिशांक : 5-6-1987

, मोहर :

# 

# भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/39540/86-87--म्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि त्यावर सम्मति, विसका उचित बाबार मृत्य 5,,00,000//- रु. से अधिक है ग्रौर जिसकी सं दुकान सं बी/24, एल्को ग्रार्केड को - ग्राप० हार्जिसग सोसायटी, 46, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थि त है। (ग्रौर इससे इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप र्वाणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-10-1986, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजाइ बल्य असक द्वयमान प्रतिफल सं, एसे द्वयमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरि तयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कल निम्निवित संबुद्देश से उन्त बंतरण विवित में बास्तविक रण ह अधित नहीं किया वया है अ-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रिजियस को अधीव कर देने के जन्तरक के दायित्व में कशी करने वा उससे बचने में सुविधा के रिष्ठ हों और/बा
- (क्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वा प्रकट नहीं किया या या किया जाना जाहिए था, खिपाने में अविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री हस्सम एन० लालजी ।

(ग्रन्तरक

- (2) श्री सुलतान एन० लोखण्डवाला, हबीब शेरम्रहे झवेरी ग्रौर नसरुद्दीन हुसेनम्रली पटनी । (ग्रन्तरिती
- (3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ि कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी लक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारह;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ि बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरीं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गया है।

#### अनुसूची

दुकान सं० बी/24, एल्को ग्राकेंड को०-ग्राप० हार्डीसंग् सोंसायटी, 46, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/39540/ 86-87 ग्रीर जो सक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शा सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब

दिनांक : 5-6-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेण सं० श्रई-2/37-ईई/39561/86-87--श्रन: मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,,00,000//- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट सं० 21, दूसरी मंजिल, दलानी पेलेस, श्रोल्ड सी० टी० एस० सं० 236, एन० ए० सं० 236 (बी), सी० टी० एस० सं० 113 श्रौर 116, बेहरामजी जिजीभाय रोड, बांब्रा, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायय अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थि सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिवेस्ट्री है, दिनांक 27-16 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उएधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ;——
5—146 GI/87

(1) मेसर्स वस्तानी डेव्हलो४मेंटस । (अन्तरक)

(2) श्री बहादुर हबीब वालजी । (श्रन्ट

(श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इंसमें प्रयूक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया हैं।

#### नन्स्ची

पलैंट सं० 21, दत्तानी पेलेस, श्रोल्ड सी० टी० एस० सं० 236, एन० ए० सं० 236(बी), सी० टी० एस० सं० 113 श्रीर 116, बेहरामजी जिजीभाँय रोड, बांद्रा, बम्बई में स्थित है ।

श्रनुमूची जैंमा कि कि० सं० श्रई-2/37–ईई/39561/86–87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक /27–10–1986 को रिजस्टई किया गया है।

कें० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 5-6-87

प्रक्य बार्ड टी एन एस -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन स्थना

#### हाइद स्रमान

कार्यासव, सहायक जावकर वाय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० ग्र $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{37}$   $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{39562}$   $\frac{1}{86}$   $\frac{1}{$ 

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उन्त अधिनियम' किहा गया हैं), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5.00.000/- रा. से अधिक हैं

5,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 11, दत्तानी पेलेस, ग्रोल्ड सी० टी० एस० सं० 236, एन० ए० सं० 236 (बी), सी० टी० एस० सं० 113 ग्रीर 116, बेहरामजी जिजीभाय रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनाम स्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-10-86, की पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान शिवफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी जाब या अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या वा किया जाना चाहिए था, जिनावे में स्विधा के दिवस;

्वतः धगः, उक्त विधिनियम की भारा 269-म वं अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री भरत जे॰ दत्तानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जाफर हबीब वालजी ग्रौर जेनाबाई हबीब वालजी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास्य;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत व्याधीनयम, के अध्यान 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 11, दत्तानी पैलेस, प्लाट जिसका म्रोल्ड सी टी एस नं० 236, एन० ए० नं० 236 (बी), सीटीएस नं० 113 भ्रौर 116, बेहरामजी जिजोमाय रोड, बांद्रा, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुस्वी जैसा कि क्र० सं० ग्रई-2/37-ईई/39562/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-6-1987

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - -

भागकर वाधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 व(1) के वधीन स्वना

वारत वरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० ऋई-2/37ईई-39588/85-86--- ऋतः मुझे के० सी० गाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात चित्रत अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित दाबार मृज्य 5,00,000//- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अश्रयपृथ्ला को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी जी-फ्लैट 4थी मंजिल सुमेर पेलेस पाली हिल बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 27-10-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित कर गई हैं और एक यह निराम करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित हाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तयिक रूप कम से किथत नहीं किया बना है है

- (क) जन्तरण स शुक्र किसी जाब की यानत अवस णिशितसम् के जभीन कर दोने के अंस्टरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में मृतिभा के लिए; जरिं/गा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य वास्तिकों की, जिल्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनार्थ अतिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खियाने में स्विधा के लिए;

नतः वन, उन्त निभिनियमं की भारा 269-न भी सन्बर्ध में, जी, उन्द भीभीनयन भी भारा 269-न भी उनभारा (1) में अधीन, निभ्नितिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) औं पीं० पीं० वारके ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रं। राज्जू देविदास श्रॉफ हि० ग्र० कु० ग्रॉर जय राज्य श्रॉफ ।

(भ्रन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर म्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मा हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हिकरण :---हणमां प्रयवन शब्दा आर पदा का, जो उबस जिभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया समा है ।

#### अनुसूची

मन्युक्ला को०--म्राप० हाउसिंग सोमायटी बी--फ्लैट 4थी मंजिल सुमेर पेलेस पाला हिल, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है ।

ग्रानुसूची जैंसा कि कि सं० ग्राई-2/37ईई/39588/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें सी० णाह सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक : 5-6-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेण सं० अर्६-2/37ईई-39672/85-86--- प्रतः मुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्ब 5,,00,000//- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० सी-103 पहली मंजिल भूर्य इमारत, 79, हिल रोड, बांद्रा (प) वम्बई-400 050 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 30-10-1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिश्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हृद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कभी करने या उक्ते वचने ये सुविधा से सिए; सीड़/वा
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-गियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना खाहिए था, एक पाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृष्ठितिक व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मसर्वे दावन कारपोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अलेक्झंडर रामक्युन्हा, श्रीमती मेरी अन्योनीया रासक्युन्हा, कुमारी लकी टेरेसा रासक्युन्हा और कुमारी आयडा च्युलिना रासक्युन्हा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरखंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

"फ्लैंट सं० सी-103, पहली मंजिल, सूर्य इमारत, 79, हिल रोड, बांद्रा (१), बम्बई-50 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/39672/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

्कि० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5~6-1987

प्रक्ष्य बार्ड कि द्वित एकत एकत्र व्याप्त कर्म वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थनः

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

िश्चिम सं० ग्राई-2/37-ईई/39718/86-87---ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की धार 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 50,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, तल माला, बांद्रा बीच व्हूयू को०-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी, 77, चिमाबाई रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणिन है), /ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 30-10-1986,

को प्वेंबित सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, रासके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्वार अंतरिका से विश्व है और अंतरिका (अंतरिका) और अंतरिकी (अंतरिका) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिविक का से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी बाय या किसी धन या अच्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-अप कार्थनियम, या धन-अप कार्थनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आसा किया आसा किया आसा किया आसा के लिए;

चतः वन, उक्त वीधिनियम की धारा 269-म की, वमुक्रण थं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निकालिखित व्यक्तिकी क्रिक्ट क्र-

- (1) श्रीमती मार्गारेट एफ० मेरवान, ग्रौर श्री फारोकी मेरवान। (ग्रन्तरक)
- वे(2) श्रीमती केशर एन० तलचेरकर श्रीर श्री कमलाकर एन० तलचेरकर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। इयस सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :---

न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

- (क) इस सूचना की राज्यम में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिए, यो मी
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रवृक्त कव्यों बीट प्यों का, को उपत विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

फ्जैट नं 1, तल माला, बांद्रा बीच व्हयू को ० — भ्रॉप ० हाउसिंग सोसायटी 77, मािबाई रोड, बांद्रा, बम्बई — 50 में स्थित है।

ग्रन् सूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37–ईई/39718/86–87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30–10–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-6-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कावणिय, सहायक कावकर कावूक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, विनांक 5 जून 1987

निदेश सं० श्र $\xi-2/37-\xi\xi/38890/86-87--$ श्रतः मुक्को, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 4, तीमरी मंजिल, माय-कासा इमारत, बांद्रा, बम्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने श्रीणत है), ग्रीर जिसका करार-नामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से दूर्व किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, बा धनकेर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स देवेन्द्र कन्स्ट्रक्णन कारपोरेणन । (धन्तरक)
- (2) भ्रानन्द मेल्लाराम इसरानी श्रौर करीश्ना भ्रानन्द इसरानी। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करेंद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिभी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लैट सं० 4, 3री मंजिल, माय-कासा इमारत, 24वां रोड, बांब्रा, बम्बई-52 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37–ईई/38890/86–87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है :।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-6-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# बावकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की १६८ 269-च (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्त्य, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 4 जून 1987

निदेश सं० म्रई-3/37-55/43042/86-87—-म्रतः म्रो, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ्ट्रान्सफर श्राफ शेश्वर्स एण्ड राईट भ्राफ श्रलाट-मेंट, प्लाट सं ्टे-13, श्री श्री दत्तगुरु को -श्राप हार्जिंग सोसायटी लिं ्, सायन ट्राम्बे रोड, देवनार, बम्बई-400 088 में स्थित है) श्रीर इसक्षे जगाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 1-10-86 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अगमान श्रीतफल से, एसे इश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह श्रीतभित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबत सक्त जीभीनयम के जंभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या जनसे जचने में सुविधा के सिए: और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा से निष्;

बतः जब, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन - निम्मशिक्ति व्यक्तियों, अथितु:--- (1) श्री सदाशिव रामचन्त्र साठे ।

(भन्तरक)

(2) श्री विच्र सुब्रमण्यन नारायण ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की धविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पद्य सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा अबेंगे ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उक्का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

भनुसूची

ट्रान्सफर ब्राफ शोबर एण्ड राइटबाफ बलाटमेंट, प्लाट सं० ई-13, श्री दत्तगृष्ठ को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन ट्राम्बे रोड, देवनार, बम्बई-88 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई $-3/37-5\frac{1}{5}/43042/86-87$  श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1+10-86 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंचे–3, बम्बई

दिनांक : 4-6-1987

# प्रकल् बार्ड . टी . एन . शुस , ------

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) को अधीन सुवना

#### नारत सरकार

# कार्यात्तव, सहायक भायकर भायक्त (निरीकण) श्रजीन रेजि-3, वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० दुकान सं० 7, तल माला, चन्द्रोदय, सी० टी० एस० नं 1548 से 1570, 1571बी, किरोल व्हिलेज, एल० बीं एस० मार्ग, जिवदया लेन, घाटकोपर (प), बम्बई में ंस्थित है) और इसले उनाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम , 1961 की धारा 269 कखा के ऋधीन बम्बई स्थित सकाम, प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-10-86 को पूर्वोकः। सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के व्यवमाण लिए मन्तिरत की गद्द हैं विश्वास करमे कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है **गौर अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियाॅ) कें** बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिखत उन्नेचिय से उक्त मन्तरण निश्चित में वास्तमिक रूप से कश्चित नहीं विश्वागया है 🦫---

- (क) जन्तरण संहुदं निस्ती जाय की वावछ, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी जाय गा किसी धन या कम्य जासितयों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्यारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

लतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स कमला फाउंडें शन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री णांतीलाल के० छेडा ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधार :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नात में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में 180 वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकता:

रचक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित €, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

दुकान सं० 7, तल माला चन्द्रोदय, सी० टी० एस० नं० 1548 से 1570, 1571बी, किरोल विलेज, एल० बी० एस मार्ग ग्रीर जिबदया लेन, घाटकोपर, (प), बम्बई० 86 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/43083/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रभाद मक्षम प्राकितरी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 4-6-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निदेश स० ग्रर्ड-3/37-ईई/43043/86-87-ग्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट म० 102, 7, उद्योग नगर, श्राफ ए.स० हि० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई में स्थित है (श्रांर इससे उपाक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है)/श्रांर जिमका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालण में रजिस्ट्री है, दिनांक 1~10−1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

- (1) श्रीमती शिल्पा सुधीर मेहता । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स एल० वि० के० इन्वेस्टमेंटम प्रा० लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मूनट स० 102, 7, उद्योग नगर, भ्राफ एम० वि० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है । भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० भ्रई-3/37-ईई//3043/86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक : 4-6-1987

प्ररूप आहु टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निदेश म० श्रई-3/37-ईई/43145/86-87श्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० बंगला स० 31, वसंत विहार काम्पलेक्स (बाधवली रोड), चेंम्बूर, बम्बई-400 071 में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-10-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्ल में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्तः अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री ग्रहणा ग्रनन्त वाखिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विरामा विराप्पा पुजारी भौर स्रन्य । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मनुसूची

बंगला नं० 31, वसंत विहार काम्पलेक्स, वाधवली रोड, चेंम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/43145/ 86-87 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्लारा दिनांक 1-10-1986 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-6-1987

प्ररूप आद्र<sup>2</sup>. टी. एनं. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/42860/86-87--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य

5,00,000/- रा. से अधिक है शौर/या जमीन के हिस्से, जो बिलेज ना हुर, मुलूंड, नालूका कुली, सर्वें सं 44, एच० नं० 2 (सी० टी० एस० सं० 667 श्रंग), 103, एच० नं० 2 (सी० टी० एस० सं० 666 श्रंग), 53, एच० नं० 2 (सी० टी० एस० सं० 666 श्रंग), 54, एच० नं० 2 (सी० टी० एस० सं० 700 श्रंग), 54, एच० नं० 4) सी० टी० एस० सं० 699) 101, एच० सं० 3 (सी० टी० एस० नं० 701) और 104, एच सं० 1, (सी० टी० एस० नं० 701) और 104, एच सं० 1, (सी० टी० एस० सं० 665 श्रंग, में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम बामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य स उच्त अम्तरण लिखित में पास्तिक रूप में कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की क्लक्त, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए:

वतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) अधीन ीनम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री केवल किशन एच० ग्रग्नवाल ग्रौर ग्रन्य।
- (2) मेसर्स ललित कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# गग्त्ची

बहोत तुकडे ग्रीर/या जमीन के हिस्से जो विलेज नाहर मुलूंड, तालूका कुला, सर्वे नं० 44, एव० नं० 2 (सी० टी० एस० नं० 667 ग्रमा), 103 एच० नं० 2 (सी० टी० एस० नं० 666 ग्रमा), 53 एच नं० 2 (सी० टी० एस० नं० 700 ग्रमा), 54, एच० नं० 4 (सी० टी० एस० नं० 699), 101, एच० नं० 3 (सी० टी० एस० सं० 701) ग्रीर 104 एच० स० 1 ग्रनुसूची जैसा कि क०स० ग्रई—3/37—ईई/42860 86—87 ग्रीर जो (सी० टी० एस० सं० 665 सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1—10—1986 को रजिस्टर्ड ग्रंमा), बम्बई में स्थित है किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, वस्बई

विनांक : 4-6-1987

प्रस्त्व साइ हो. स्म ् एस -----

बायकर बिभित्रियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अभीन सुपना

#### भारत सहकान

# कार्यासय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशक)

मुझे, ए० प्रसाद,

बादफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रौर जिसकी स० जमीन, जो चनाभट्टी ग्रौर खांजूरा भट्टी वाडी
जिसका सर्वे सं० 267, हिसार सं० 1 (ग्रंग), ग्रौर सर्वे सं०
287, हिस्सा स० 1, इमारत सं० 3 के साथ जो निर्मानाधीन
इमारत, चूनाभट्टी, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध
ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा
ग्रायकर ग्रधिनिय, 1961 की धारा 269 कख के
है, दिनांक 1-10-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतुद्ध प्रद्विवत से अधिक है और अंतरक (बंतरकार) और अंवरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किती भाव को बाबत, सक्क विधिनयम से बंधीन कह दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मित्रधा में सिद्द; ब्रीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) तुलसीदास वि० पटेल प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेश कन्स्ट्रक्शन (बाम्बे) । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्हु भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए वा सकेंगे!

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जो, चूनाभट्टी ग्रौर खांजूरा भट्टा वाडी, जिसका सर्वे सं० 267, हिस्सा स० 1 (ग्रंश) ग्रौर सर्वे नं० 287, हिस्सा स० 1,इमारत नं० 3, निर्माणाधीन इमारत, चूनाभट्टी, बम्बई—70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि श्रई-3/37–ईई/42964/86–87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10–1986 को रजिस्टड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-6-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च को अधीन स्पना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई 4271486-87---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टेनामेंट नं० ए-11/41, (चार रूम्स, किचन वरामधा, जो तल माला, रजावाडी को०-ग्राँप० हाउसिंग सोसा-इटी, राजावाडी म्यूनिसिपल हास्पीटल के सामने, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 1-10-1986,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रितिकल से एसे इत्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सखाराम गोपाल माणगांवकर

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती भारती देवी सुभाषचन्द जैन ग्रौर ग्रन्य। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृत्वी

ठेनामेंट सं० ए-11/41, (चार कमरा, किचन बरामदा, जो तल माला, रजावाडी को०-ध्रांप० हाउसिंग सोसायटी, रजावाडी म्यूनिसिपल हास्पीटल, के सामने धाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है ।

धनुसूची जैसा कि कि के सं० ध्रई-3/37–ईई/4271486–87 धीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1–10– 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--3, बम्बर्ड

दिनांक : 4-6-1987

प्ररूप कहाँ हो । एन ु एस : -----

# श्रायकां इ. मिशिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को मधीन सुकता

#### माउत तडकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

. निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/42568/865-87--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 427, सर्बन स्कीम सं० 3, चेंम्ब्रूर, बम्बई इमारत के साथ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-10-86

को पूर्वोक्श सम्पत्ति को उचित बाबार मृस्य सं कम के स्थामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थामान प्रतिफल सं, एसे स्थामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बम्तिएती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य नास्तियां को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ नंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुनिधा के सिएं।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धत्रा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1)श्री कांतीलाल रणछोड्वास महा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स डी० के० पटेल एण्ड कम्पनी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक₃ सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधरेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थाबनीकरणः ----इसमे अयुक्त शब्दों जीर पद्यों का, जो उनक सिंधुनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

प्लाट सं० 427, सबर्बन स्कीम सं० 3, चेंम्बूर, बम्बई में स्थित है । इमारत के साथ ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37–ईई/42568/86–87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-6-1987

मोहर 🕻

श्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निदेश सं॰ श्रई--3/37-ईई/42960/86--87--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० टेनामेंट सं० बी-12-196, रजावाडी को०-भ्राप० सोसायटी, विधाविहार (पूर्व), बम्बई-400077 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-1986,

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया इतिक्त, निम्मनिक्त स्पूर्व के विद्या गया है :---

- (क) अंतरण स हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंदारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के बन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभागः (1) को अधीन, निम्नालिणित व्यक्तियों, अभित् :-- (1) श्री वसंत गजानन दांडेकर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चारूलता चन्द्रकांत शहा श्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आशी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्वाय में दिय\ गया है।

# अनुसूची

टैनामेंट सं० बी-12-196, रजाबाडी को०-श्राप० सोसायटी, विद्याविहार (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ० सं० धर्द-3/37—ईई/42960/86-87 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1986 को रिजच्दर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, बस्बई

दिनांक :- 4-6-87

मोहर।

# प्रस्य बाइ', टी, एव, एव, एक

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### मारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून, 1987 निदेश सं० स्रई-2/37ईई/46212/86-87—स्रतः मुझे ए० प्रसाद

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जो विलेज कांजूर सी० टी० एस० नं० 1056, प्लाट नं० 3 (पुराना सर्वे नं० 38 (ग्रंग) ग्रौर जिसका टिक्का नं० 85, बस्बई में स्थित है (ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-10-1986

को धूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ज के विष्यु तम पाया ग्वा प्रतिक्ष का का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ज के विष्यु तम पाया ग्वा प्रतिक्ष का का प्रतिकृतियों के बीच एसे अंतरिज के विष्यु वे वास्त्रिक का का प्रतिकृतियों के कीच एसे अंतरिज के विषय वास्त्रिक के वास्त्रिक का प्रतिकृतियों वास्त्रिक के वास्त्रिक के वास्त्रिक का वास्त्रिक के वास्त्रिक के वास्त्रिक के वास्त्रिक का वास्त्रिक वास्त्रिक का वास्त्रिक का वास्त्रिक का वास्त्रिक वास्त्रिक का वास्त्रिक वास्त्रिक का वास्त्रिक का वास्त्रिक का वास्त्रिक का वास्त्रिक वास्त्रिक का वास्त्रिक का वास्त्रिक वास्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी गाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्क अधिनियम, 1922 भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से भी को किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) सेवेस्टीन जान डिसोझा ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स जयकरन सिह एंड संस।

(ग्रन्तरिती)

को पह स्वाना आर् करके पूर्वोक्क सम्मृतिक के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

# तक तम्पीत्त के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेए॥--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निश्चित में किए जा सकर्ग।

स्प्रकारणः - इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, शो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसची

खुला जमीन का हिस्सा जो विलेज कांजूर सी० टी० एस० नं० 1056, प्लाट नं० 3, (पुराना सर्वे नं० 30(ग्रंग) ग्रौर टिक्का नं० 85, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-3/37ईई/42612/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 4-6-1987

# हरूप बाह् . टी. एव. एव बावकर वॉंपिनियब, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बशीर स्थना बारत हरकार

कार्याजव , सद्भावक बायकर काम्बल (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/42977/86-87--- अतः मुझ, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 2, इमारत सं० 1ए, स्रतूर लान्स को०-ग्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन ट्राम्बे रोड, चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है. दिनांक 1-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान विद्वाल के लिए जन्मिरत की पर्व है और मुक्ते वह विक्रवास करने का कारण है कि बचापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पत्ति क्या का उचित बाजार पत्ति का अध्यान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मितिक की विम्मक्षितिय उच्चे के विस्त के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्ष) जनसरक सं हुई सिक्षी जाव की बाबत, उक्त जीवीनजब के ज्योंन कर दोने के जनसरक की वाज्यिक को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या इक्स इधिनियम 1922 का 11) या इक्स इधिनियम 1927 का 27) की प्रतिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रतिकार अस्तिवियम, 1957 (1957 का 27) या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के छिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थार :--7 —146 GI/87

- (1) श्री ए० के० चक्रवर्ती ग्रीर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० के० सितलक्ष्मी । (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना धारी करके पूर्णेक्त संपृत्ति को वर्षन वी जिल् कार्यवाहियां करता हो।

# क्ष्मा स्वारित से सर्वत्र के स्वयून्य में कोई सी बार्बायु:-

- (क) इस स्था के राज्यन में प्रकाशन की तार्रीय हैं

  45 दिन की बनीय या तत्मंबंधी व्यक्तित्यों पर
  स्थाना की तासीन में 30 दिन की बनीय को औ

  स्वीत कार के सकत्क होती हो, से भीतर प्रवित्व व्यक्तियों भे से दिन्दी व्यक्ति इसका
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हिसन्य विक्रित बन्य व्यक्ति द्वारा, नभोइस्ताक्षरी से पास जिस्ति में किए वा स्वीन।

स्थाकरण: इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, वां उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा क्या हैं।

### वग्यान

प्लैट सं० 2, इमारत सं० 1ए, धतूर लॉन्स को०-धाँप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन ट्राम्बे रोड, चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-3/37–ईई/42977/86–87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1–10–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3; बम्बई

दिनांक : 4-6-1987

मोहर

प्रारूप आहा. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरोक्षण)

प्रजीत रेंज~3, धम्खई बम्बई, दिनांक 4 ज्त 1987

निदेण सं० म्रर्ड-3/37-5र्ड/43108/86-87—म्रतः पृक्षे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं पृतिट सं 1, जो तल माला और पहली मंजिल पर धौर यूनिट नं 2 जो दो ध्रप्पर स्टोरी, स्टेंग्रर केसेस, बाल्कनीज, जो जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं 1, सम्पत्ति देवतार को - ध्रॉप हार्डीमग सोसायटी लि 0, देवतार, बम्बई, में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) धौर जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधित्यम 1961 की धारा 269 क ख के ध्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम से कम स्रथमान गांतफल को निए अन्तरित की गर्द है और मृत्रो यह विद्वास करने कारण हो यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रुयमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दीयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गांधी एच० सी० ग्रीर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुनील कें गुप्ता ग्रीर ग्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

जकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी ान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हुँ।

# अभृत्यी

यूनिट नं 1, जो पहला भ्रौर तल माले पर भ्रौर यूनिट नं 2, जो दो भ्रप्पर स्टोरी पर, स्टेग्नर केसेस, बाल्कनी, जो जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं 1, सम्पत्ति देवनार को -श्रॉप हार्जीसंग सोसायटी लिं, देवनार, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-3/37—ईई/43108/8686-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-6-1987

मांहर:

\_\_\_\_\_

प्रथम बाइ . दी. एन . एत . ------

आयकर अधिनियम, 196.1 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन वृत्रना

#### बार्क बर्गाड

# कार्याजय, बद्धायक भागकर वाधुनरा (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निदेश सं० ऋई-3/37-ईई/42554/86-87---श्रतः मुझो ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 5 मैं भर एण्ड राइट ग्रॉफ ग्रलाटमेंट एण्ड प्राकुपेशन ग्रैट प्लाट नं० ग्राय-5, श्री बत्तगुरु को० को० श्रॉप० हॉउसिंग सोसाईटी लि०, देवनार, बम्बई-400088 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1986

को पूर्वोक्षत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकास के निष् अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मूखे यह विश्वास करने का कारण है कि वध्या पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूख्या, उसके दश्यमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिशाद से विश्वक है और बन्तरित (अन्तरित को जीव कि निर्मा कि विश्वक है और बन्तरिक (अन्तरित को तिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निविचल उद्ववेदय से उन्तर अन्तरण कि निष्कृत में बास्तिविक रूप से किया नह निष्कृत किया नया है 4—

- (अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; और/या
- (स) एती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्नीचित व्यक्तियों अभित् ु— (1) सुहाहसनी ग्रच्युतानंद कर्षे।

(ब्रन्तरक)

(2) माधव बत्तात्रय कानिटकर ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाहर्षि हुन्न

- (क) इस स्वाम के राज्यम में मुकायम की वारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की बनुधि, वो थी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुनारा;
- (ण) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशित की तारीय हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंहबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  नाथ मिवित के किए या बकोंने !

स्पष्टिकारण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वीधिनियम, के बंध्याय 20-के में परिभाषिक ही, वहीं कर्ष होगा को उस बध्याय में विदा नवा हैंग्री

#### मनसर्ची

5 शेग्रर एन्ड राइट ग्रांफ ग्रलाटमेंट एण्ड श्राकुपेशन एट प्लाट नं० ग्राय--5, श्री दत्तगुरु को० ग्रांप इाउमिंग सोसायटी लि० देवनार, बम्बई--88 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि करु संरु श्र $\frac{1}{2}$ - $\frac{1}$ 

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर म्रायुक्त (िरीक्षण) श्रजैन रेज−3, बम्बई

दिनां क: 4--6--1987

मोहर

# प्रारूप आहें ्डी...एव...कुत्र.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### प्रारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निवेश संऽ ग्रई-3/37-ईई/42965/86-87--ग्रतः

मुझें ०, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं जिध्य है

श्रौर जिसकी संख्या जमीन जो चुनाभट्टी ग्रीर कांजुरा भट्टी वाडी, जिसका सर्वे नं० 192, प्लाट नं० 1, 2, 3, 4, 5, भ्रौर 6, एफ० नं० 3 भ्रौर 4, रिविजनल सर्वे नं० 286, प्लार्ट नं० 1, निमणाधीन इमारत नं० 5, 6, 8, ग्रौर 9 के साथ चुनाभट्टी, बम्बई--70 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा स्रायकर ऋधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान विकास के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से क्यमान प्रतिफल का धन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है , और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब गाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिमित मा वास्तविक रूप में कथित नहीं कया नया है ए--

- (क) बन्तरम सं हुइ हिन्ही बाय को बाबत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कनी कड़ने या उससे बचन में सोन्धा बेलिए; और/मा
- एची किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना भाहिए था, कियाने में सुनिधा के बिक्;

जतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तिक्यों, वर्धात् :--- (1) भारत केमिकल्स बर्क्स।

(भ्रन्तरक)

(2) राजेश कन्स्ट्रमशन (बाम्बे)

(भ्रन्तरिती)

को **यह धूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पर्शित के अर्जन** के निय कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्बक्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप फ़---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-ब्रुथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

#### वन्स्ची

जमीन जो चुनाभट्टी श्रौर कांजर बादी जिसका ग्रोरिजिनल सर्वे नं 192, प्लाट नं 1, 2, 3, 4, 5, श्रौर 6, एफ नं 3 श्रौर 4, रिविजनल सर्वे नं 286, प्लाट नं 1, इमारत नं 5, 6, 8, श्रौर 9, के साथ ग्रौर निर्माणाधीन इमारत चुनाभट्टी, बम्बई-70 में स्थित है।

ग्रमुस्त्री जैसािक कर मंत्र ग्रर्ध-3/37—ईर्छ/42965/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकाश बम्बई बम्बई हारा दिनांक -1-10-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज–3, बम्बई

दिनांक: 4-6-1987

ह्रप आई°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज -3 , बम्बई मद्रास, दिनांक 4 जून, 1987

निदेश सं० भ्रई-3 37-ईई 42913 86-87--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 4 स्किम 1 सी० टी० एस० नं० 528, जो "प्रसाद बंगला के साथ, जो शिवाजी नगर, मालाड (पूर्व) बम्बई-400 097 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार बृत्य से कम के द्रवसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवयमान प्रतिफल से एसे द्रवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अक्टरण के बिए स्य पाया गया प्रतिफल, निमनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/धा
- (७) एसी किसी बाग था किसी धन या अन्य बाहितयों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुकारा प्रकट नहीं किया गण वा या किया जाना चाहिए था, छिपान स स्रोवधा खें लिए।

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।

- (1) मधुकर केशव जोगलेकर और अन्य। (अन्तरक)
- (2) राघवजी उमरशी विराशहा, ग्रौर ग्रन्य । ारिती)

को यह सूचना जारो करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे दिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 4, स्क्रिम नं० 1, सी० टी० नं० 528, जो० बंगला "प्रसाद" के साथ, जो शिवाजी नगर, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक क० सं० ग्रई-3/37–ईई/42913/86–87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक. 1-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक :-4-6-1987 मोहर 🕄 प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निवेश सं० भ्रई-3/37-ईई/42967 ए/86-87---**भ**तः

मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सम्पत्ति का विवरण जमीन का हिस्सा जिसका :--

सर्वे सं०	हिस्सा सं०	सिटी सर्वे सं०
19	2/ अए	33
	3बी	33/1 से 45
	4 से 6	
	9 (श्रंग),	
	10 से 16	
	23/24	
23	4	34
22	11/16	35
21	2	36
		48

जो कुर्ला ग्रंधेरी रोड, जय माता टेंपल के सामने, बम्बई— 400 072 में स्थित है

भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वर्न के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उश्वर्ष बचने ये तृविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

अतः अधः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

> (1) श्री इस्माईल शामसुद्दीन ग्रौर ग्रन्य । (श्रन्तरक)

(2) मेसर्स निम्स डेव्हलोपर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भांतर जम्मा स्थापर सम्पत्ति में हितवबुष् किसी भाष्य व्यक्तिस बुवारा वभोहस्ताक्ष्री के पास सिक्ति में किस का सकोगे।

साच्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनृस्<b>ची** सम्पत्ति का विवरण जमीन का हिस्सा ∫जिसका :---

मर्बे सं०	हिस्सा सं०	सिटी सर्वे सं०
19	2/ अण्	33
	3र्बा	33/1 से 45
	4 से 6	
	9 (श्रंग),	
	10 में 16	
	23/24	
23	4	34
22	11/16	35
21	2	36
		48

जो , कुर्ला ग्रंधेरी रोड, जय मता टेंपल के सामने, बम्बई→ 400 072 में स्थित है ।

श्रनुसूपी जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37—ईई/42967— ए/86—87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1—10—1986 को रजिस्टई किया गया है ।

य० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3; **ब**म्बई

दिनांक : 4-6-1987

## प्रस्य बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1987

निर्देश सं० श्र $\frac{42890}{86-87}$  मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार सूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी पं० यूनिट सं० ए-17 श्रीर ए-18, तल माला पिरामल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० वि० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इसगे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-1986

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रितिकल को जिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और प्रतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल िम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शम्तिकल किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थ/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवंजिनीभ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण र्ग, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो हरीप्रसाव जे॰ गोएंका ।
  - (भ्रन्तरक) श्री परुषोत्तमवास भी० श्रॉफ ।
- (2) श्री पुरुषोत्तमदास डी० श्रॉफ । (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो कियी व्यक्ति दुत्रारा;
- (क) ५६ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नार्राल से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- वर्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पद्धिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याम में दिया गया है।

# वमृत्थी

यूनिट सं० ए-167 और ए-18, तल माला, पिरामल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प), बम्ब $\xi$ -62 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जसा कि कि० मं० श्र $\frac{5}{2}$ - $\frac{5}{2}$  $\frac{5}{42890}$ /86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज --3,बस्बर्द

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुन 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/12916/86-87----- प्रतः

मुझे, पी० एन० बंसल, प्राक्त अधिनियास 1061 /

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रापये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2, तल माला, श्रोम चेंबर्स, श्रांगस्ट, श्रांती मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिश्वित्यम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिलांक 3-10-86

भी पृश्विम सम्पत्ति की अभित बाजार मृत्य स कम के क्रियमान प्रतिपत्त को लए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का बतरण है कि यभाप्योंनद सम्पत्ति को अभित को जिल्हा को बार का प्रतिपत्त सम्पत्ति को अभित को सम्पत्ति को अभित को प्रतिपत्ति को अभित के प्रतिपत्ति को अभित है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एने वंतरण के लिए तब पामा गया प्रविक्ष कम निम्नसिवित उद्वेषय से उनत कन्दरण निवित में वास्तिवक कम निम्नसिवित उद्वेषय से उनते कन्दरण निवित में वास्तिवक कम निम्नसिवित उद्वेषय से उनते कन्दरण निवित में वास्तिवक कम ने किए तम महीं किया गया है है

- [क] कप्तरण है हुई किसी बाय की वान्छ उपक वीपित्रका के अभीन कर दम के अन्तरक के दासिल के क्सी करने वा उचले वचने में सुनिधा ने किए; जीर/या
- (व) एसी किसी नाय या किसी भग ना अन्य असीसाई की, विन्दें भारतीय आयकर मिशियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिशियम, एं अन्यार अधिनियम, १९८७ (1957 का 25) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, कियाने के इत्रिक्ष के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों., अर्थात् :---

(1) श्री मती के हंसराज।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स वेल्श इन्व्हेस्टमेंटस् एण्ड ट्रेडिंग कंपनी प्राइ वेर्ट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुक् करका हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंड सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीश हैं 45 बिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवीध, जो भी नवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्वयित द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास निर्मित में किए का सकेरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त काँभीनवम, के कथाब 20-क की परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास की दिवा महा हैं।

#### भवसंची

वुकान नं 2 तल माला, ध्रोम चेंबर्स, भागस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि॰ सं॰ श्रई-1/37-ईई/10831/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 13-10-86 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राविकारी महायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, वम्बई

दिनांक: 2--6--1987

मोह्नर:

प्ररूप बार्च. टी. एव. एस.------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के बाधीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,), की भारा 269-क के अभीन सकाम प्राधिकारी को यह जिस्ताच करने का फारल है कि स्थावर सम्प्रीत्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 5,00,000//- क. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 50, जो कि दरीया महल, सागर तिर को० भाष० हाउसिंग सोसायटी लि० 80ए, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 13-10-1986

को पूर्विक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के कथनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह निश्नाड करने का कारण है कि येथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, ससके दक्ष्ममान प्रतिफल है, एसे क्यमान प्रतिफल क्ष्म प्रमुद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जैतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकात, निम्नीलीयत उद्देश्य से उच्छ बन्तरण निवित में शस्त्रिक रूप से क्षित नहीं किया नथा है द्र—

- (क) अन्तरण वं हुई कियी जान की शावतः, उत्तक्ष अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के विष्; और/वा
- (क) एंगी किसी काम या किसी भन या अन्य अस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अभिनियम का भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया ववा या या किया वाना वाहिए था, किया में आविभा के निए;

मतः अव, उक्त अभिनियमं, की भारा 269-व के मनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलियत व्यक्तियों, अभीत्:--8-146 GI/87

(1) साबाजी त्रिंबक चिटणीस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनीत रितलाल शहा ग्रीर रितलाल एम० शहा।

(मन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह त्या जारी करके प्रॉक्ट सम्पर्टित के अर्थन के कि। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवत सम्पत्ति को अर्थन की शम्बन्ध में कोई भी विशिष है-

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारींब के 45 जिन की नजींथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 जिन की व्यक्ति, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां हुनारा;
- (क) इस सुवना के रावपन में प्रकावन की तार्रीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर तस्पीता में दिय- वर्ष किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहरताक्षरी के नोस लिक्सि में सिक्ष का स्कीर्ण।

स्थळतेखरणः--इसंगी प्रवृत्तसं श्रेट्यों बीर वर्षी का, श्री ध्यसं वीवविद्यम्, के व्यव्याय 20-कः में परिशायित ही, वही वर्ष होगा, को उस्र वश्याय में विका वर्षा ही।

#### धपुसूची

फ्लैंट नं० 50 जो दरीया महल सागर तिर, को० भ्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 80ऐ नेपियनसी रोड, अम्बई-6 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि० सं० ग्रई-1/37-ईई/10832/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टडं किया गया है।

पी० एन० बंसल संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनांक :-2-6-1987 मॅड्रिंद :- प्रारूप आर्ड. टी. एन. एस.---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन स्चना

भारत सरकार

# कार्याज्ञल, महासक कायकार नामकत (निर्द्रीक्रण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जून 1987 निर्देश से॰ ग्रर्ड-1/37–ईई/12929/86–87–ग्रतः मुझे पी॰ एन॰ बंसल

आसफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित् बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रतिकास से अधिक है और अस्तरकों और गरेज के शिषक के प्रतिकास से अधिक है शीर प्रतिकास से अधिक है । (श्रीर हस्से उपाव्ह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ) श्रीर जिस्सा परारामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 200 का खा के श्रीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 13-10-86 को पूर्वोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के श्रियमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्च है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रियमान प्रतिकाल से एसे श्रीयमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक अन्तरण के लिए त्य जाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उक्क क्य से उक्त अन्तरण कि खाता गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय करी बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायरिय में कमी करने या उससे अचने में सूत्रिका के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सिए, निम्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् ह्र--

- (1) श्री हिरानंव जे वदीरामानी, ध्रूहिज इली कन्स्टीट्यूटेड प्रर्टनी श्री जी के दर्यनानी। (ग्रन्तरक।
- (2) हिन्दुस्तान सिषर लिमिटेड।

(श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ब्रन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी ान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकींगे।

स्थळीकरण:—इसपी प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट नं 25, गुलिस्थान भ्रौर गरेज नं 7, जो 13, कारमायकेल रोड, बस्बई-26 में स्थित है। भ्रानुसूची जैसािक ऋ सं भ्राई-1/37-ईई/ 10835/

अनुसूचा जसाक अरु सर्व अरु—1/37—रेश 1083 म 86—87 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13—10—86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :-2-6-1987। मोहर :- अक्ष्य मार्च ुर्टी. एम : एस : ------

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की घाड़ा 269-म (1) के वर्धीन बुचना

#### HIST REPLY

शर्याभयः, सहायक मामकार मानुक्त (विद्यालक)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जून 1987 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/12937/86-87---ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

हायकार सीपीनव्यः, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसको इसको प्रकारः अवत स्त्रीपीनव्यः कहा गया हैं), स्त्री धारा 269-व को संपीन स्वाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्परित विसका उचित बाबार ब्रह्म 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 115 बी० विग, शांती नगर, इमारत 98, नेपियन—सी रोड, बम्बई—6 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से बर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री हैं। विनांक 13—10—86

को पूर्वेक्स संपत्ति के समित बाजार मूरूप से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्देश्य से स्वस्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिटी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, कियाने में स्विभा वी विष्

अतः अवं, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री रमण कांत वि० दोशी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परेश श्रार० शहा।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपात के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई" भी वाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामीस के 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में के किसी स्थानत क्यारा;
- (क) इस सूचना क राजपश भें प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजक भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों औार पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया स्पा हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं रा 115, बी विंग शांती तगर, इमारत 98, नेपि-यन—सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-1/37—ईई/10839/86–87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13–10–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1; बम्बई

दिनांक :-2-6-1987 मोहर :-

# वक्त कार्युं हो . एन . एवं . --------

# कामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ये गंधीन कृषण भारत प्रकार

# कार्याक्षयः, सञ्चायकः भायकः, भायकः (किरोक्षणः)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जून 1987 निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/12938/86-87---ग्रतः मझे, पी० एन० बंसल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000√। रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं पस्नैट नं 2-बी, तीसरी मंजिल, गेरेज नं 37, इमारत बाइटन-1, ६६डी, उंगटा लेन, बाफ नेपियन-सी रोड, बग्बई-6 में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम, प्राधिकारी के कार्याजय में स्जिस्ट्री है, दिनांक 13-10-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) नंतरण से हुई जिल्ली नाय की वालत , उस्त निभीनयम के अभीन कर को से के शंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐती किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, विन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया से स्विधा के सिन्।

बतः अधा, उसत अधिनियम की धारा 269-त को अनुसरण मों, मों, उसत अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1,) को अधीन . निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीतः :-- (1) श्री रुस्तम डी॰ चोकसी, श्री मिन् एव॰ मोदी, श्री नोशिर एस॰ धामार (एक्सीक्यूटर्स एण्ड ट्रस्टी ग्राफ दि लेट श्री जहांगीर डी॰ चोकसी)

(श्रन्तरक)

(2) कुमारी शिरीन डी० गझदार श्रीर ंश्री दिनशा जे० गझदार ।

(ग्रन्तरिती)

(3) कुमारी शिरीन डी॰ गन्नदार । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचन जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (सं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

#### समाधी

फ्लैट सं० 3बी, तीसरी मंजिल, ब्राइट नं० 1, ब्राइटन को०-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, उंगटा लेन, 68-डी, भ्राफ नेपियन -सी रोड, बम्बई 6 भीर गेरेज नं० में 37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० प्रार्द-1/37—ईई/10840/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); भ्रजम रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-6-1987

# प्रकल बार्ष 🕹 हो 😅 एवं. एए 💬 🗝

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के वर्षीन पूर्वमा

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्स (निरोक्तण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जून 1987  $\bullet$  निर्देश सं० श्रर्इ-1/37–ई $^{5}/12942/86$ –87—-ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

बाबकार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (स्थिरे इसमें इसके प्रथात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रु. से अधिक है

ग्रीर जियकी सं० फ्लैट सं० 31, तीक्यों मंजिल, रजन अपार्ट-मेंट को०-श्राप० हाउिया सोसायटी लि०, माउंट प्लीझट राइ, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इत्ये उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिल्ला करार-नाम श्रायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 केख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कन के कश्रमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्मित्त का किया वाकार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, एके दृश्यमान प्रतिक्रम से, एके दृश्यमान प्रतिक्रम से, एके दृश्यमान प्रतिक्रम को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) नीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिक्रम निम्निलित्त उद्देश्य से अक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाम की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ जन्तरिती हुनारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया थाना चाहिए था कियाने में सूर्विधा की किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री प्रदीय एजदेहु।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रहमद मुंजी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) स्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में गम्पत्ति है)

को बहु सुचना चा<u>री करके प्</u>रवेक्त सम्पत्ति के नवेन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी वर्षा थाद में समाप्त हांती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्रांगः;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए का सकर्ण।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया समाहरी।

# वन्स्ची

फ्लैट सं० 31, तीसरी मंजिल, रजत आपर्टमेंट को०-आप० हार्जीसम मोशायटी लि०, माउंट प्लीझंट रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैहाकि कर संर श्रई-1/37-ईई/10841/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :--2-6-1987 मोहर :-- प्ररूप आहुर दी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई यम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निर्वेश सं० ग्रर्ह-1/37–ई $\hat{s}/12946/86$ –87–-श्रतः मुक्ते, पी० एन० बंस्ल।

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्में इसके परवात 'उन्त निधानियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका टांचल नाजाए मूख्य 5,00,000/- रह. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 132, 13नी, मंजिल, मोनालिला बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई-62, में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बाँणत है ), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खं के ग्रंथीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 13-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाबार मूक्य से कम् के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाबार बूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और ज़त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, ज़क्त बीधनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एंसी किसी नाम या किसी भन या बन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रायचंद एस० बिनायिकचा।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री भरतभाई कें सुतारीया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इंस स्वान के रावपत्र के प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की जबभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन कि व्यभि, को भी स्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्यक्ति वृदारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ कि सी जन्म व्यक्ति इसारा, वशोहस्ताकरी के गास निविध में किये का सकीते।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस स्थाय में विशा स्वाह ।

#### मन्स्ची

पलैट नं॰ 132, 13वीं, मंज़िल, मोनालिसा, बोमणजी, पेटीट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/10842/ 86-87 ग्रांर जो रक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसस सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :**-**2-6-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-1, **ब**म्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निदेश सं० प्रई-1/37—ईई/12952/86–87—-श्रतः, मुक्षे, पी० एन० बंस्ल

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 5.,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 5.1, 5वीं, मंजिल, स्पेन्टा को - म्राप० हाउसिंग सोसायटी (गिब्ज रोड), बम्बई—6 भीर गरेज के साथ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) भीर जिसका करार-नामा भायकर भिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 13–10–1986

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त औष-अधिनिश्य के अधीन कर दोने के अकारक अध दायित्व में कभी करने वा उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या, धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिषिकत व्यक्तियों, अर्थाल् :---

(1) द्रस्टीज म्राफ दी पारसी पंचायत फण्ड्स एण्ड प्रापर्टीज।

(अन्तरक्)

(2) श्री ई० ग्रारिवन काजी (2) श्रीमिति ए० ई० विनकाजी ग्रीर कुमारी एस० ग्रीं० विनकाजी।

∦(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य क्यविस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिनिस्त में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गमा है।

# जन्त्ची

फ्लैट नं० 5.1, 5वीं मंजिल, स्पेन्टा को-ग्राप० हाउमिंग सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग (गिंब्ज रोड), अम्बर्ध-6 ग्रीर गरेग के साथ स्थित है।

धनसूची जैसाकि कि० सं० स्रई-1/37—ईई/10844/86-87 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० बंसह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–1, बस्बई

दिनांक: 2-6-1987

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुन 1987

निर्वेश सं० श्रई--1/37--र्हर्1/2953/86--87--श्रतः, मुझे, पी० एन० बंसल

श्रायकर बाँभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रापये से अधिक है

श्रीर जिसकी मं पलेट नं 4.2, 4थीं, मंजिल, स्पेन्टा की-श्रापि हाउसिंग सोसायटी, बीठ जीठ खेर मार्ग, गिब्ज रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 13-10-1986

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उव्वेष्य से उक्त अन्तरण निसित में बास्तियक रूप से किथात नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) मिधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग़ के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) द्रस्टीन आफ पारसी पचायत फण्ड्स एण्ड प्रापर्टीन।

(भ्रन्तरक)

(2) डा. डी० जे० चंद्रवाडिया, श्रीमती एच० डी० चंद्रवाडिया, श्रीर श्री के० जे० बानाजी। (अन्सरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के नर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4.8 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवच्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

# **प्रमु**सुची

फ्लेट नं० 4.2, 4थी मंजिल, स्पेन्टा को-धाप० हाउसिंग सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग, गिक्ज रोड, बम्बई-ं6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/10845 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, अम्बर्क

विनांक: 1-6-1987

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

# भारत सर्कार कायणिय, शहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, विनांक 2 जुन 1987

निर्दोण सं० भ्रई-1/37-ईई/12954/86-87-भ्रतः। मुझेपी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2 4, 2री मजिल, स्पेन्टा कीश्राप० हाउसिंग सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग (गिव्ज रोड),
श्रीर गैरेज के साथ बम्बई-6 में स्थित है। (ग्रीर इससे
उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्दी है विनांक 13-10-1986

क नियालय में राजस्ता ह विनाक 13-10-1986 को पूर्वोक्त रम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विक्लार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अनरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में धासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9---146 GI/87

- (1) द्रस्टीज श्राफ पारमी पंचायत फण्डम् एण्ड प्रापर्टीज (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बी० डी० कतरास्क्षीर श्री ए० डी० किन-राक।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरकों।(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तार्रास सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितथद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्गारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उन्म अध्याय में दिया गया है।

#### ममुस्पी

पर्लंट नं० 2.4, 2री गजिल, स्पेन्टा को-ध्राप० हार्जीसग सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग (गिडज रोड), बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि मं० श्रई-1/37–ईई/10846/86–87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-6-1987

प्ररूप आहु". टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निर्देश सं० ग्र\$-1/37-ई\$/12956/86-87----श्रतः मुझे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पर्लैट नं० 15/बी, 2री मंजिल मलबार श्रपार्टमेंटम् को-श्राप० हाउसिंग मोमायटी लि०, नेपियत-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिस हा करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 13-10-1986

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक हम में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा इक्त विधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गना था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आंधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती यशोमति जयतीलाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पियूषा जी. मोदी, श्री चंद्रकान्त के० मोदी, कर्ता एण्ड मैंनेजंर झाफ घन्द्रकान्त के० मोदी (हिं०झ० कु०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त लंगित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

रूपकर्याकरणः --इसमें प्रयूज्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्की

पलैट सं० 15/बी, दूसरी मंजिल, मलबार अपार्टमेंठ्स को०-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37–ईई/10847/86–87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 13-10–86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर द्यायुवत (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 2-6-1987

प्ररूप आहू<sup>र</sup>.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपरा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निर्दोण सं० श्राई-1/37-ईई/12958/86-87--श्रतः, मुक्के, पी० एन० बंसल,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट सं० ए-1, 14वीं मंजिल, पृथ्वी श्रपार्ट-मेंट्स, 5, श्रल्टामाउंट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूजी में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिशीन बम्बई स्थित मजन प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 13-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्षः अक्षे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री एस० जी० सैंगल श्रीर श्रीमती एस० एस० सैंगल ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एन० पी० छात्रिया ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरको । (वह व्यक्ति जिसके भिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया है।

## अमुसुची

फ्लैंट नं० ए1, 14वीं मंजिल, पृथ्वी ग्रपार्टमेंट्स, 5, श्रन्टामाउंट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-1/37-ईई/10849/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13→ 10-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बर्फ

दिनांक : 2-6-1987

# मक्यं कहां हो .एम . एस् लुक्तकर व राज्य

# बायकर वर्षिनियम, 1961 (१961 का 43) की थाड़ा 269-थ (1) में वर्षिन सूच्या

#### 

# विकय, बहायक वायकर वाय्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/12959/86-87---ग्रतः, मझे, पी० एन० बेसल,

प्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का क्रिएं हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 5.,00,000//- रा. सं अभिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 1, 10वीं व96 मंजिल, स्काय स्क्रेनर ए, सिंद वर्क को-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 4/697, भुलाभाई देसाई रोष्ड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-10-1986,

को पूर्णोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शिवफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, एसे दृश्यमान श्रीतफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण कि चित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मूर्तिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्ध आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्री एन । पी० छान्निया ।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री एस० बी० सैगल और श्रीमती एस० एस० सैगल ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

मी यह स्थना बारी करके पृथािनत कमिता के बर्धन के दिल् कार्यवाहियां करता हुं।

# वन्य बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालंग :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब सं 45 विन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के शास सिवित में किए जा सकेंगे।

ल्थकाकरण ----इसमें प्रयुक्त स्वयों और पर्वों का, वो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

फ्लैट नं० 1, 10वीं मंजिल, स्काय स्क्रेपर्-ए, सिंद वर्क को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 4/697, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं ० श्राई-1/37-ईई/10850/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बस्बई

दिनांक : 2-6-1987

प्ररूप आइ<sup>5</sup>.टी.एन.एस.-----

(1) श्री याकूब कासिम भाम।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना (2) श्री लक्षमन मधनमल और श्री ग्ररजन मधनमल । (ग्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37--ईई/12966/86--87---ग्रत: मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 5,00,000// रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 11, पहली मंजिल, में फ्ला को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-10-1986,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया ने स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपथारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दी और पदाें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट मं० 11, पहली मंजिल, में पलोबर को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कार्नायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्र $\xi-1/37-\xi\xi/10852/86-87$  और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब $\xi$  द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 2-6-1987

मोहर 1

# प्रकार बार्ड दी भूग प्रश्न कानामध्यान

# बाबकर वीभिनियम, 196: (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1. वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/129962/86-87 —-श्रतः, मुझे, पी० एन० बंसल,

5.,00,000//- रु. से अधि ह हैं
और जिसकी सं पलैट सं 221, 22वीं मंजिल, सिल्बर
प्रचें, नेपियन —सी रोड, बम्बई—6 और 2 पार्किंग स्पेस के
साथ में स्थित हैं) और इससे उपाब ह प्रानुसूची में और पूर्ण रूप
से विणित हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961
की धारा 269 के, खे के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 13-10-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करने
का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्युदेश से उक्त अन्तरण लिखित में

में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया **है** इ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण वा, वा उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) श्रीमतो विमला जे० तक्तावाला । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेशचन्द्र सी० मेहता, श्रीमती श्रनीला एस० मेहता, और श्री राजकुमार एस० मेहता। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह बुधना धारी करके पृषाँकत सम्मरित के वर्षन के तिए कार्य-वाहियां शुरू कारता हों।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कांद्र भी बाक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक ति सित में किए जा सकी ।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नमुसूची

पलैट सं० 221, 22वीं मंजिल, सिल्वर श्रर्च, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 और 2 पार्किंग स्पेसेस के साथ स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10851/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन -रेंज–1, बम्बई

दिनांक : 2-6-1987

मोहर ।

भारूप बार्ड . टी . एन् . एस . -----

# बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### मारत संस्कार

# कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/12971/86-87—-प्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विक्यान करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 3, तीसरी मंजिल, रूबाना प्रिपार्ट-मेंट्स, न्यू रूबाना प्रपार्टमेंट्स को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 30, सेटलवाड रोड, बम्बई-36 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 13-10-86

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नहीं हैं और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल के पन्तस प्रतिषत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमिनियम के बधीन कर दोने के धन्तरक वी दादित्व में कनी करने था उससे बचने में स्वित्या वी लिए; चौरू/वा
- (च) ऐसी किसी आम या किसी भन या जन्य जास्तियी को चिन्हीं भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्हीनिक्कित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री मधुटी॰ संधानी और श्रीमती, शोभना एम॰ संधानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) पटेल काटन कंपनी लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्ति रतीयों।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## सक्त सम्परित के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच १ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पथ्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ जिभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिशा गया है।

#### मन्सूची

पलैट नं० 3, जो कि 3री, मंजिल, रुबाना श्रपार्टेसें-मेंटस् न्यू रुबाना श्रपार्टमेंटस् को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० 30, सेटलवाड रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

धनुसूची जैसािक कि० सं० श्रई-1/37—ईई/10854/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 13-10-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~1, बम्बई

दिनांक 2-6-1987। मोहर:

# मुक्क बार्ड, टी. एन. र्व .-----

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### **आरत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्गक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निवेश सं० म्रई-1/37-ईई/12977/86-87-- म्रतः मुझे पी० एन० बंसल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथमत् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही, की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का बारच ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 5,,00,000//- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० पलैट नं० 65, बी जो कि 65ी, मंजिल, ब्लाक-थी, न्य मिरामर को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नेपियन सी रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 13-10-86

को प्रोंचत संपरित से खिता बाबार स्था से कम के सम्माध मिलान को सिए मन्तरित भी गई है जौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभा प्रोंकत सस्यति का उचित्र बाबार मुख्य, उसके बस्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का प्रमुद्ध प्रतिकत से बिंग क्यों क्यमान प्रतिकत का प्रमुद्ध प्रतिकत से बिंग है जौर कन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे वन्तरण के सिए तय शवा प्रतिकत कि मन्तिकत उद्देश्य से उसते अन्तरण सिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कन्तरण के हुई किसी नाथ की बावस, खक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्यक के दायरच में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिध; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, वा भन-कर अधिनयम, वा भन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ वस्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिता विद्या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—— (1) श्ररजन विरामल ठाकुर।

(भ्रन्तरक)

(2) चन्द्रकान्त कांतीमाल शहा।

(भ्रन्ति स्ती )

(3) म्रन्तर्क।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में क्रधोहस्लाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब द है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

## उक्ट सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाधांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वासील से 30 दिन की जबिध, जो जी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवंकिंग व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी बन्ध स्थावर द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास निश्चित में किए का संकोंगे।

स्वस्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वा अपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विशा यश हैं।

#### नन्स्ची

फ्लैंट नं. 65, बी 6ठी, मंजिल, ब्लाक बी० मिरामर, न्यू मिरामर को० भ्राप हाउसि सोसायटी लि० नेपियन सी रोड, बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसािक क० सं० श्र $\frac{1}{37}$ — $\frac{1$ 

पी० एन बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनोक: 2-6-1987

मोहर,

## सक्य आर्'् हो<sub>ल</sub> हो<sub>ल</sub> प्रयुक्त स × × ×

## नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के स्थीन क्षाना

#### माइत सहस्राप्त

कार्यासन्, ग्रहायक नायकर कायुक्त (निरीक्तक) श्रर्जन रेंज-1, बस्वर्द

बम्बई, दिनांक 2 जुन, 1987

निर्देश सं० ग्रर्६-1/37-ईई/12979/86-87:---ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, 1ली मंजिल, इमारत नं० 2 (नियोजित) ग्रौर कार पार्किंग स्पेस, 65/67, वार्डन रोड़, बम्बई—26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबाद भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

को पूर्वेक्स संपरित के जीवत बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विध्वास करने का कारण है कि यथगपूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि बिख में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ने अर्घ किसी बाव की वावता, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आगु या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनल अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, जिनाने हों कृषिया थे सिए;

गत: लव. उकत व्योधनियम की ध्रय 269-ग की बजुसरक को, भो, उकत विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्या 10—146 GI/87

(1) मैसर्स प्रवंती हाउसिंग इंटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) कैलाशनाथ सुरेन्द्रनाथ।

(भ्रन्तरिती)

(3) धन्सरका

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधियोग में सम्पत्ति है)।

(4) एन० एम० टोडीबाला भ्रौर श्रन्य ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिस् कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

## बक्त बन्दीत के बर्धन के बंबंध में कोई भी कार्याय ह---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारिक्ष से 45 विन की अविध या तस्त्रजंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्ब व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के माच लिखित में किए जा सकाय।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभवित ही, कही अर्थ होगा, को उस कब्बाय में विकास गक्त ही।

#### अनुसूची

पत्रैट नं० 3, 1ली मंजिल, इमारत नं० 2 (निर्मानाधीन इमारतम, श्रौर कार पार्किंग स्पेस, 65/67, वार्डन रोड, बम्बई -26 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-1/37ग्रईई/10857/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-6-1987

मोहर: '

प्ररूप वार्ड. टी. एन. एस.----

(1) श्री भ्रानंदराज एम० राखेचा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सैंफुद्दीन ए० खानजी ।

(भ्रन्तरिती)

त्र∖यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्शचालिया, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

धम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/12985/86-87:--श्रतः

मुझे, पी० एन० बंसल,

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्र्य 5,00,000/~ रह. से अधिक है

धीर जिसकी सं० क्लीनिक नं० 5, तल माला, डाक्टर हाउस, 14, पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबख अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) भीर जिसका करारनामा भायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

को प्योंकत सम्पत्ति को उचित गाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कम्तरित की गई हैं और मृद्धे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत निम्नतिबित उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिक रूप से किंग्रत नहीं किंद्रा गया है :---

- (भा) अन्तर्थ से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के जीतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचन में स्विध्य के लिए; भौर/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अं किए;

अतः अन् उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण कें. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के लक्षी े निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सुकना अ।री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि गा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकीगं।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयूषः, शब्दों और पदों का, जो उसत जीधिनयमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हिंगा जो उस अध्यान में विषा गया है।

## अनुसूची

क्लीनिक नं० 5, तल माला, डाक्टर हाउस, 14, पेक्टर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र = 1/37 - \$ = \$ = 1/37 - \$ = 1/37 - \$ = 1/3 - 10 - 1/386 को रजिस्ट के किया गया है।

पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज–1, बम्बई

विनोक: 2-6-1987

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ृष्यर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/12989/86-87:--श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'ज्ञक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 71, रितू अपार्टमेंट्म को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ड्रगरणी रोड़, मनबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुगूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

का पृत्वित गम्पांत के उचित याजार मृज्य में कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई हो और मुझं यह विश्वास करने का जारण है कि यथापृवीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिफार स अधिक हो और अंतरक (अंतरकां) और अंतरितों (अन्तरितयों) के दीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मुरारीलाल गुप्ता कमानवाला श्रौर श्री नरेन्द्र कूमार गुप्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रताप बोहरा, फादर एण्ड नचरल गाडियन श्राफ हिज सायनर सन मास्टर तरुण बोहरा श्रौर जयपाल जैन, कर्त्ता एण्ड मैनेजर श्राफ हिज जाइंट एण्ड श्रन-डिबायडेडहिन्दु फैमिली।

(भ्रन्तरिती)

(3) बैन्क ग्राफ फ्रेडिट एण्ड कामर्स इंटरनेशनल लि०। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना को राजपक्ष मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजात्त्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उझत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 71, रितू भ्रार्टिमेंट को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डुंगरशा रोड़, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10862/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० वंसल, सक्ष म प्राधिकारी, सहायक आ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक : 2-6-1987

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

क्षम्बद्दे, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० धई-1/37-ईई/13011/86-87:--श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आपकेर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बांजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5.2, जो, 5वी मंजिल, स्पेन्टा को-भ्राप० हाउमिंग सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-10-1987

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आर्टी या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उबते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उकते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ट्रस्टीज श्राफ दिपारमी पंचायत फंडर एण्ड प्रोपर्टीज। (अन्तरक)
- (2) डा० (श्रीमती) झरीत पेसी दावीना, श्री पेसी नानाभाये दादीना, श्री नक्जर केरसी दादीना, श्रीर कुमारी वि० के० दादीना ।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्साक्षरी के पास
  तिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अन्स्ची

फ्लैंट नं० 5. 2, जो 5वीं मंजिल, स्पेन्टा को-ग्राप० हार्जीमग सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्रर्ड-1/37—ईर्इ/10868/86—87 भ्रौर जो सक्षद्र प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 2-6-1987

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/13017/86-87 --श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 18, 5वीं मंजिल, 2 मोंट को—ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एल० डी० रूपारेल रोड़, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 14-10-1986

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्तें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/धा
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविभा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री स्रशोक रावजीभाई पटेल, श्री स्रलेक स्रशोक पटेल और श्री सिद्धार्थ स्रशोक पटेल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमीत महेन्द्र मेहता, श्रीमती चेरी श्रमीत सेहता, श्री महेन्द्र नटवरलाल मेहता और श्रीमती कोकीला महेन्द्र मेहता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निविध्त में किए जा सकारी।

स्प्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसची

फ्लैट नं० 18, 5वीं मंजिल, 2 मोंट को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एल० डी० रूपारेल रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं ग्राई-1/37–ईई/10870/86–87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक 2-6-1987 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुन, 1987

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/13023/86-87 --श्रत मुझे. पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लंट नं० 1—बी. 1ली मंजिल, बैभव इमा त. माडर्न बीच कैंट्डी को--राप०हा उसिए सोमायटी लि०, 80, जुलाशाई देसाई रोड़, बस्बई--26 में स्थित है (औं इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्ष्य से विणत है),/और जिसका करार्गामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की बीच 1269 के, खे के अवीन बम्बई स्थित प्रधिकारी के कार्जाय में रिजर्ट्टी है, तारीख 14-10-1986 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जियत हाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जिस है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरक्षी) और अंतिस्ती (अंतिरितयों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, जिस्निलिखत उद्ष्येय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्षतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के, अन्सरण में, मैं, उक्षत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उर्धातः— (1) श्रीवस्लभदास जी० ठक्कर।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० भीमसेन जी० सिंघल और श्रीमती भ्राशा बी० सिंघल ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं
  15 दिन के गीतर उबत स्थावर रुप्यत्ति मों हितबहुध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहरताक्षरी के पाम
  लिखित मों फिए जा सकरें।

स्वध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

फ्लैट नं० 1-बी, 1ली मंजिल, बैभव इमारत, मार्डन ब्रीच कैन्डी को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 80, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37—ईई/10872/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-1986 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 2-6-1987. मोहर प्रकार मार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूमना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईर्ह/13028/86-87 ----श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 172, 17वीं मंजिल, पुष्पक श्रपार्ट-मंट, इंद्रसेन की-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 31, अल्टा-माउंट रोड़, बम्बई-276 में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है),/और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27-10-86 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जियत बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्वास कहरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल को एसे व्हर्यमान प्रतिफल को प्राप्त है कीर मृझे यह विष्वास कार प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का प्राप्त है से अनरक (अंतरिकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के की एसे बन्तरण के सिए तय प्रया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने दो अंतरक के तायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय मा किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिणियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।;—— (1) श्री पंकज के० शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजीव एस० मोदी।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पास के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

on the second of the second se

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समप्त होती हो, को भीतर पृथिकत स्थितयों में से बिश्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्रत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्स्ची

फ्लैट नं॰ 172, 17वीं मंजिल, पृष्पकः श्रपार्टमेंट, इन्द्रसेन को-आप॰ हाउसींसग सोसायटी लि॰, 31, श्रल्टामाउंट रोड़, और कार पार्किग स्पेस नं॰ 6, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर्थ्यई-1/37 -ईई/10899/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 27-10-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज—1, बम्बई

दिनोंक: 2-6-1987.

मोहर

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
भूजीन रेंज-1. वम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुन, 1987

निर्देश सं० ग्रर्ड-1/37—ईई/13029/86-87 ---- ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल.

दायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' नहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रुपये से अधिक ही

और जिसकी सं० पलैट नं० 7डी, किस्टल, दि किस्टल की-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 36, श्रल्टामाउंट रोड़, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)/और जिसका कारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 27-10-1986

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विद्वास फरने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्विध्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विस्म के बधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों क? जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लिंगने में स्विधा के विद्या

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मोती एस० दासवानी।

ग्रन्तरक)

(2) श्री पंकज के० शहा।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तश्क।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रति के वर्षन के सिध् आर्यवादियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ोई भी आक्षंप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरगंत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त अविकत्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर स्थावर साम्पत्ति में हितबद्ध किसी किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकींगी।

स्यव्यक्तिरणः — इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तत अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया हैं।

## अमुस्ची

फ्लैंट तं० 7-डी०, क्रिस्टल, वि क्रिस्टल को-ध्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 36, श्रल्टामाउंट रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि । ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10890/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक । 27-10-1986 को ∙जिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1. **बम्बर्ट**ं

दिनांक : 2-6-1987.

अक्ष काइ . दी . एन . एव . -------

कायकर नीभिनियम, 1961 (19**61 का 43) ক?** থাত 269-খ (1) **चे नभीन भूजमा** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37—ईई/13050/86—87:—-ग्रनः मुझे, पी० एन० बंसल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसके प्राचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के लधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का शारण है कि स्थावर ग्रम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूल्य का 1,00,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० पसैट नं ० 21, 2री मंजिल, निर्मला महल, बोमणजी पेटीट रोड़, वम्बर्ड — 36 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधि स्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधी न, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्द्री है, तारीख 28—10—86 को पूर्वोक्त सम्पिर के उचित बाबार कृष्य से कम के क्यमान श्रीतफल के बिए करारित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिन तियां) के बीच एसे अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिन तियां) के बीच एसे अन्तरक (बन्तरका) बीर वास्तरिक रूप से किथत महीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई जिस्सी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं अरस्तीय नाम-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विचिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जल्लिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा वा किया धाना वाहिन था, कियान में वृद्धिया में विव्य;

(1) श्रीमती साधुरी के० कोठारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शारवा एस० सैगल श्रौर श्रीमती झलका बाली प्रहुजा।

(ग्रन्तरिती)

को नह सूचना शाही करके पूर्वोक्त कव्यस्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन से संबंध में कोई भी बासेप :--

- (क) इस ब्यान के रायमन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी वर्षीय कार्य में बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कान्य स्थावत क्वाय नथोहस्ताक्षरी के पार्व मिकित में किए का एकोंगे।

स्वकारिकरण :- ---इसमीं प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो स्वकां अधिश्विक के अध्याय 20-क में परिधारिक हैं, वहीं कर्ष श्वेतः, को उस मध्याय में विका नवा हैं।

## मनुसूची

फ्लैट नं 21, 2री मंजिल, निर्मेला महल, बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-1/37-ईई/10897/ 86~87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहयक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); गर्जन रेंज्र-1;बस्बई

दिनांक: 2-6-1987.

मोहर:

सभाः वन, उक्त विधित्तवस की पाता 269-व वी विवृत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 11---146 GI/87 प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं ० ग्रई-1/37-ईई/13065/86-87:-- ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000//- रत. से अधिक हो

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6ए, 6ठी मंजिल, ग्रोपन गैरेज नं० 61 (6ए) के साथ लैन्डस् एण्ड को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 29/डी, ड्रारशी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खुके श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-10-1986

को पुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापन कर संपत्ति का उपित वाचार ब्ल्य, उसके डश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित अद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हा से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ायित्व में कमी करने था उससे बचने में सनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान' नाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

- (1) श्रीमती राधिका शेवकराम बधरानी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दिलीप कांतिलाल झवेरी ग्रौर श्री ग्रर्रावंद कांतिलाल झवेरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वतः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, अधिनियम्, के अध्याय 20-क में हैं, बही कर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया 💅 ।

क्लैट नं 6 ए, 6ठी मंजिल, श्रोपन गैरेज नं 61 (6ए) के साथ, जो लैन्डस् एण्ड को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 29-डी, डुंगरशी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं श्रई-1/37-ईई/10898/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखत व्यक्तियाँ, अर्थात :---

दिनांक : 2-6-1987.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1सी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्द्रेश सं श्रई-1सी/37 ईई-13042/85-86:---श्रतः मुझे, पी॰एन॰ बंसल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000//- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, 2री मंजिल, सिता महल, बोमणजी पेटीट रोड़, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर भ्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तानीख 29-10-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल क हैंलए अन्तिरह की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्विक्त सम्भीत्त का उचित बाजार भूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एस बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्निलिकिं उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप सं कथित महा विया गया हैं .—

- (क) अस्तरण संहुई किसी आय का बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे अचने में सुनिधा के निए; और/सा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

, अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री हरीलाल नारायण दास लखी ग्रीर श्री कन्यालाल नारायणदास लखी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माधुरी के बोठारी श्रौर श्री कार्तिक एल ब कोठारी।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्त के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, को भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए आ सकायो।

स्मध्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हार्येगा जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 11, 2री मंजिल, मिता महल, बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

. श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-1/37-ईई/10899/86-87 श्रौर जो सक्षय प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-6-1987.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- श्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 2 जून, 1987

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 75 श्रौर श्रोपन गैरेज, बी वालेन्टीना को-श्राप० हाउसीसग सोसायटी लि०, एत० गमाखिया रोड़, बम्बई-26 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 29-10-86

भने पूर्वोक्त संएित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः जन उन्तर निभिनिषम की भारा 269-ग के अनुसरण के, के, उन्तर निभिन्यम की भारा 269-च की उपधारार (1) के बंधीन, निम्नलिकित व्यक्तिकों, नर्थात् —

- (1) होमी एम० इराणी और पिलू एच० इराणी। (भ्रन्तरक)
- (2) रमेश जे० पटेल और सरला स्नार० पटेल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षर। के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 75 श्रीर श्रोपल गैरेज, जो बालेन्टीना को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एन० गमाडिया शेड़, बम्बई-26 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि के सं प्रई-1/37–ईई/10901/86–87 थ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 29–10–1986 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० वंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुकुत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-6-1987.

## प्रक्म बाडे . टी . एन . एत . -----

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के ब्रधीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37—ईई/13069/86-87 —-ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000//- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 61, 6ठी मंजिल, जो, गैरेज के साथ पैरेडाइज अपार्टमेंटेस इमारत, 44, नेपियन-सी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-10-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कर? का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिक्षत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आग्र या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण थें, भें, छक्त बिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलिखित व्यक्तियों., अर्थात्:—

(1) श्रीमती एम० ई० रूबेन

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री प्रविणशंकर पी० पंडया, 2. श्रीमती निमता पी० पंडया, 3. श्री श्रक्षयशंकर पी० पंडया, 4. मास्टर सिद्धार्थ पी० पंडया, और 5. मास्टर श्रविनाश पी० पंडया (फादर) एण्ड नेचरल गाडियन श्री पी० पी० पंडया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रक करता हा।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 61, 6ठी मंजिल, जो गैरेज के साथ, पैरेडाइज अपार्टमेंटस इमारत, 44, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/10900/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 2-6-1987. मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/13076/86-87--श्रतः मुझ, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्विकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्नि जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/-रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 903, 9वीं मंजिल, खबाला केस्ट, खंबाला को धाप० हाउमिंग सोसायटी लि०, ए-ब्लाक, 42, जी० देशमुख गार्ग (पेडर रोड़), बम्बई-26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-10-1986

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत में अधिक है और सन्तरक (अन्तरकाँ) और (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,' निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या, भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

तः वत् , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती रंजिनी कलप्पा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हिल्ला एस० व्यवस्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्थल्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

फ्लैट नं ० 903, 9वी मंजिल, ब्लाक ए, खंबाला श्रेस्ट, खंबाला को-श्राप हाउमिंग सोसायटी लि० 42, गोपालराव देश-मुख मार्ग (पेडर रोड़), बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37-ईई/10903/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० वंसल, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज-1,बम्बई

दिनांक 2-6-1987 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वम।

#### भारत तरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) -धर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्देश सं० भ्रई-1/37-ईई/13080/86-87 --- भ्रत मुझे. पी० एनः बंसल,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य i,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18-बी-2, 18वी मंजिल, वुङ्लैन्ड न्यू युङ्लैण्डस् को-श्राप० हार्डीसग सोसायटी लि०, 67, पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),/और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 29-10-86

को पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उच्चरेय से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अस, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीत्र, निम्निविचिक स्थितयों, सभित् प्र—- (1) संद्रल बेंक एक जीकुयूटर एण्ड ट्रस्टी कंपनी लि०, श्रमरीश एम० तेजानी और हेमलता मणितल (ट्रस्टीज ग्राफ धानजी देवसी ट्रस्ट सेटलमेंट नं० 1 संख्यूल 2 फार मणिलाल धनजी तेजानी बिइंग फर्स्ट वेन्छर्स) संद्रल बेंक एकुक्जीयृटर्स एण्ड ट्रस्टी कंपनी लि०, श्रमरीण एम० तेजानी और ज्योति जगजीवन (ट्रस्टी श्राफ धनजी देवसी ट्रस्ट सेटलमेंट नं० 1 संख्युल 3 फार जगजीवन धनजी बिइंग सेकण्ड वेंडर्स)।

(श्रन्तरक)

(2) श्री किशोर श्रार० जवेरी, नंदिकशोर के० जवेरी, यशोवर्धन किशोर जवेरी और मृणाल के० जवेरी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति अं अर्जन कं सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद में समाप्त होता हो. के भीतर प्रविक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 4,5 दिने के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशावित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसची

फ्लैट नं० 18--बी 2, 18वीं मंजिल, वुडलैन्ड्स, न्यू बुडलैण्डस् को-म्राप० हार्जिसग सोसायटी लि०, 67, पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37–ईई/10905/86–87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 29-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 2-6-1987.

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

स्थाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1987

निर्वेश सं० अई $-1/\mathbb{C}^{n}$ -धं $\mathbb{S}^{1}$ : 3082/86-87 --श्रत मुझे, पी० एन० बंसल,

अल्लंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क: कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 95. 12वीं मंजिल, ओम दरीया महल को-आप० हाउसिन सोसायटी लि० 80 नेपियन-सी रोड़ बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाब ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 29-10-1986

की प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास काने का कारण है कि यथाप्निकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर नियम के अपीन कर राने के अंतरक के दायित्व में कमी करते या उससे राजने में सुविधा कि किए; और/मा
- (का) छोड़ी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उल्ल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के सिए;

अत: इ.स., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री हरेश सी० मास्टरः।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता चोरडिया और श्रीमती नयनतारा चोरडिया।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :----

- (क) क्यस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर गम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रय्वत घटदो भीर पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैंट नं० 95, 12वीं मंजिल, ओम दरीया महल को-भाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 80, नेपियन-सी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कै० सं० ग्रर्इ/37-ईई/10907/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज 1, बस्बाई

विनांक : 2-6-1987.

प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987 निर्देश स० अई-1/37—ईई/13090/86—87:—-प्रतः, मुक्षे, पी० एन० बंसल,

श्रायकार शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 5.00.000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. पलैट नं 21 गय सार्ग को आप हाउसिंग सोतायट लिं०, नेपियन-सी रोड़, अम्बई-6 में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूपसे वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 30-10-1986

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गई विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरित मों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक स्थ बे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबल, तक्स अधिनियम के अभीत अपर दोने के अन्तरक के दासिल्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/मा
- (श) एसी किसी आय मा किसी भन या अन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ नियम, मा भनकर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---12--146GI/87 (1) श्री चेतन्य राज सिंग।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री टखातमल ए० भोपड़ा, श्री इंदरमल ए० मोपड़ाँ श्रीर श्री महेन्द्रकुमार ए० नोपड़ा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रवेक्त सम्परित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ए 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य स्थिति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नम्स्ची

फ्लेट नं० 21, गुलमार्ग को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नेपियन-सी रोड, बम्बई- 6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ श्रई-1/37-ईई/10910/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुत (निरीक्षण) ग्रजन रेंज~1, बम्बई

दिनांक: 2-6-1987.

## प्रकप आहें . ही . एन . एक . -----

बाहफर ब्रोपनिहास, 1961 (1961 का 43) स्त्री भारा 260-प (1) के बर्गन संप्रत

#### WITH HEBT

धार्यालय, सहायक त्रायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज्र—1,बम्बई बम्बई, दिनां र 2 जून, 1987

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/13093/86-87:---भ्रतः मुझे, पी० एन० बंगल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि र-धावर मार्यात, जिसका उचित बाजार मार्य 5,00,000/- रा. री अधिक है

और जिसकी सं० पर्नेट जो 16शों मंजिल पर, मोंट ब्लेन्ह अपार्ट-मटस, आँगस्त कांति मार्ग, बर्ग्बई-26 में स्थित है (फ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रांर पूर्व रूप से वर्णित है)/फ्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1986

को पूर्व कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान श्रितिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित क्लाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से अम्मिक हम स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत लोधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क रायित्व में कमी करने यो उससे बचने में सुविधा के निष्, और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविकत के जिए;

अत: अड, उल्ल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उदल अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सुरेन्द्र इंड ट्रिज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरः)

(2) स्टेनिना होल्डींग्ज प्रा० लि०

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाह्या करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जोधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

#### थन संजी

फ्लैंट जो 16वीं मंजिल पर, मोंट ब्लन्त श्रपाटमेंटस्, श्रॉगस् क्रांति मार्ग, बम्बई–26 में ियत है ।

अनुसूची जैसा ऋ० सं० अई-1/37-ईई/1091: 86-87 अरेर जो सक्षम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनां ह 30-10-1986 को रजिस्टई िन्ता गता है।

> षी० एन० बसल सक्षत प्राधिकारी स<sub>्</sub>।यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्ब

दिनांक: 2-6-1987

प्रकृप आहा . ती . चन . एस . -----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां रु 2 जुन 1987

निर्देश सं० धर्ड-1/37-ईई/13095/86-87:---भतः मुझे, पी० एन० बसल,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रतिभकारी की यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी स० फ्लंट नं० 5-दोडी, 5वीं मंजिल, विग-ए, भ्राभिलावां, सी० एस० नं० 530, गोवालि त टन्क गेड़, बम्बई-36 में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से विणित है) भ्रार जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक की कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उधत विभिनियम के जभीन कर दनिक अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा अ किए;

सत: सब, क्यत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मेसर्स जगेशकुमार बंसल एण्ड सन्स, (ছি০ শ্ব০ কু০), कर्ता जगेशकुमार बंसल ।

(मन्तरक)

(2) श्री रेती इला जितेन्द्र मेहता ग्रार श्रीमती मयुरी हरेश मेहता।

(भ्रन्तरिती)

भग यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त स्म्पिटित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपीस के अर्जन के संबंध में काई भी कार्सण :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वयिध, जो भी अविधि बाद में सम्मन्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र नों प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबसूध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पच्चीकरण:---इसमं प्रयुक्त लब्दों बार पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हो।

## द.न<u>ृस्</u>की

पलद नं 5-डों, 5वीं मंजिल, विगः-ए, श्रिभिलापा, एस० नं 530, गोवालिया टैंक रोड़, बस्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-1/37-ईई/10913/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 30-10-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसस, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्तत (निरीक्षण), स्रजन रेज-1

दिनांक: 2-6-1987.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना.

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, 5वीं मंजिल, भ्रात्मज को-भ्रांप० हाउ सिंग सोसायटी लि०, 94/सी, भ्रागस्ट कांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रांप पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-86 को पृथींक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, विम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्रीमित के॰ जे॰ बारीया, कुमारी वाय॰जे॰ बार श्राँर कुमारी एफ॰ जे॰ बारीया ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमित ताराबेन सूर्यकांत झवेरी श्रौर श्री समीर सूर्यकांत झवेरी।

(भ्रन्तरक)

(3) मन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तायत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 502, 5वीं मजिल, श्रात्मज को-भ्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 94/सी०, श्रागस्ट कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि कि सं भ्राई-1/37ईई/10914/86-87 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनाक : 2-6-1987

प्रकप काह्र टी. एन . एस . -----

नाप्रकार अधितियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 2 जन 1987

निर्देश सं० भ्रई-1/37-ईई/12871/86-87:—भ्रतः, मुझे, पी० एन० बंसल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000//- रू. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 38, उपां किरन, इमारत न्यू उषा किरन को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 15, एम० एल० इहाणूकर मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)/श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खके अधीन, बम्ब स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

13-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय गामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योचय से उक्त अन्तरण किश्वित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुबिधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इंकन ब्रदर्स कम्पनी लि॰।

(भन्तरक)

(2) श्रॅन्गेल इन्वेस्टमेंट्स प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमति स्मागोएं हा ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्य।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

प्लैट नं० 38, उषा किरन इमारत, न्यू० उषा किरन की-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 15, एम० एल० डहाणूकर मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं० छई-1/37ईई/10834-ए/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 13-10-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 2-6-1987

## प्रकप बाई. टी. यून. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारः 269 म (1) के अधीन सूर्यना

#### शाहत सरकार

भार्यालय, सहायक जायकर मायूक्त (निरं**क्षिणे)** श्रर्जन रेंज-1, बस्बर्द

बम्बई, दिनांक 2 जून 1987

निदेश सं० भाई-1/37ईई/13343/86-87-- भ्रतः मुझे, पी० एन० अंसल,

कंग्राकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमीं इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम'क हा प्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000//- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट मं० 9/बी, गीताँजनी, 9, नवरोजी गमा-डिया कॉस, रोड, बम्बई-26 में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में छीर पूर्ग रूप से वर्णित है,) और जिस ता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 13-10-1986

को पूर्वोक्त नपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियां) के यीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिक में कंभी करने या उत्तसे कचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में दिवा के लिए।

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एन० जें० कीयाडो, डी० ए० कीयाडो, डब्स्यू० जें० कीयाडो, सी० वी० कीयाडो झाँर ए० टी० कियाडो।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बकुलेश सी० शेठ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) मेसर्स सेम्युश्नल ड्रक्युप एण्ड सन्स प्रा० लि० । (वह व्यक्ति, जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) मेसर्स सेम्युल ड्रक्युप एण्ड सन्स (आई०) प्रा० लि०। (वह व्यक्ति जिसके बारे में आधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविभ या तत्सं त्री क्यां क्यां पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पध्यिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसुची

प्लेट नं 9/बी, गीताँजली, 9, नवरोजी गमाडिया क्रास रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि श्राई-1/37ईई/10842-ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 13-10-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 2-6-1987

## मुक्त वार्षं हो एवं , एक् , नवनसम्बद्धकान

बाधकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भए। 209-व (१) क वर्धान मुखना

#### FIELD STATES

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मई 1987

सं० जी० ग्राई० ग्रार० डी-64/ग्रर्जन/--यतः, मुझे, श्रीमती सरोःनी लाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विका स्थाने इसके प्रशात जिया अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 ्षि भूमि (भ्राराजी) है तथा जो सुर्खा छावनी, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), र्जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरेली में र्जिस्ट्राकण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-12-1986

- (क) बातरण सं शुर्व किसी बाद की बादत, उसत वर्षित्राया, के समीन कर बाने के बान्यरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के मिए; बीर/वा
- (म) एसी किसी बाय का किसी पन वा बन्य बास्तिकों कां, जिन्हों धारतीय वास-कर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त बिभिनियम या धन-कर अधिनियम, १९57 (1957 का 27) के प्रशालमार्थ जन्तिरकी कुवार प्रकट नहीं किया व्या भारा किया बान काहिए वा, जियाने के समिका के बिध:

अस: अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अधीत:—— (1) श्री सुरेन्द्र मोहन श्ररोड़ा, मुख्तार श्राम जानकी नाथ साहनी स्वयं और कत्ती ज्वाइन्ट हिन्दू फैमली संरक्षक, 2. कु० सित्ता, 3. कु० रजनी, 4. कु० नीलू, 5. कु० रीसू (नाबा०), 6. कु० रीत् 7. कु० शम्मी, 8. कु० वर्षां, 9. कु० इनू (नाबा०), पुत्री श्री जानकी नाथ साहनी।

(ग्रन्सरक)

(2) दूर संचार सहकारी भावास समिति लि० बरेली, रिजि० तं० 979 द्वारा सचिव श्री वीरेन्द्र स्वरूप सक्सेना औ∵प्रेसीडेन्ट भ्रमरेन्द्र नाथ देव।

(भ्रन्तिती)

(3) विकेसा।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

की वह क्षेत्रमा कारी करके पृथिकत तस्यान के श्रवंत के प्रिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उपन संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजन्त्र में प्रकाशन की शारीक स 45 विम की स्वीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर क्वा की नामील से 30 विन की जबिंध, को बी बबिंध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रांक्त क्विन्त्यों में से किसी स्विन्त बुझारा.
- (व) इस ब्यमा के राजपम में प्रकारन की दारीक वे 45 किने वे क्षेत्रर उत्तर स्वावर सम्पत्ति में हितवपृथ हैंकडी बन्द व्यक्ति वृत्वारा वश्वेहस्ताकड़ी थे गाव जिनक में किए हा ब्योंचे ।

स्वक्षाकरण:--इसमें प्रमुक्त सब्दों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, से सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, को उस सध्यात में दिका स्थाह ।

## मम्सूची

5 कृषि भूमि खण्ड (3-17-11) स्थित सुर्खा छावनी बरेली (टोटल एरिया 9522 वर्ग मीटर जैसा मुख्य उप-निबन्धक बरेली के पत्र दिनांक 15-5-87 में वर्णित है तथा जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती सरोजनी लाल, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन क्षेत्र, लखनऊ,

तारीख: 28-5-1987,

## संघ लोक सेवा आयोग

### नोटिस

धनुभाग भधिकारी/धाँगुलिपिक (ग्रेड ख/ग्रेड I) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1987

## नई विरुली, विमांक 11 जुलाई 1987

सं० एफ ० 9/2/87 प० 1(ख)—भारत के राजपत के कि पित के कि प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के कि प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त कि कि प्राप्त कि प्राप

श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त के शैं तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदन रों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के, सभी प्रयास किये जायेंगे तो भी श्रायोग पिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को श्रपनी विषक्षा पर श्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारिणीतथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जायेगी (नीचे श्रनुबन्ध 1 पैरा 7 देखिये)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के भ्राधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की ग्रनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है:

वर्ग-I

केन्द्रीय सम्बिवालय सेवा का अनुभाग अधिकारीग्रेड—-I

वर्ग-II

ग्रनुभाग श्रिधकारी, ग्रेड (भारतीय विदेश सेवा, 'शाखा' ख के सामान्य संवर्ग का समेकित (ग्रेड II और (III)

वर्ग-JII

रेल बोर्ड सचिवालय (सेवा का भनुभाग मधिकारी ग्रेड)

6%

बर्ग-∏

केन्द्रीय सिषवालय श्रागुलिपिक सेवा काग्रेड ख

वर्ग 🏻

भारतीय विदेश सेवा, शास्त्रा 'ख' के भ्राणुलिपिक संवर्ग का ग्रेड I ग्रेड-VI

संशस्त्र सेना मुख्यालय श्राशुलिपिक सेवा का ग्रेड ख वर्ग

8 (1 पद शतुस्चित जाति तथा 1 पद श्रनुस्चित जनजाति के लिये श्रारक्षित)

वर्ग-VII

रेलवे बोर्ड सचिवालय ग्राशुलिपिक सेवा का ग्रेड 'ख'

ग्रेड-VIII

भासूचना क्यूरो का श्रनुभाग प्रधिकारी ग्रेड

10 (3 पद ग्रनुसूचित जाति तथा 2 पद ग्रनुसूचित जनजाति के लिये ग्रारक्षित)

%प्रनृसूचित जौतियों/प्रनृसूचित जनजातियों की रिक्तियों के सम्बन्ध में सरकार ने सूचित नहीं किया उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है। रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई।

3. जो उम्मीदवार उक्त सेवाओं (दृष्टध्य नियम 3) के दो वर्गों के लिये पात हैं और दोनों के लिये प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं, वह केवल एक ही प्रावेदन पत्र भेजें उसे नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क एक बार ही वेना होगा तथा धावेदन किये गये प्रत्येक वर्ष के लिये पृथक शुल्क देने की धावश्यकता नहीं है।

विशेष ध्यान — उम्मीदवार को ग्रापने श्रावेदन-पत्नों में उस वर्ग/उन वर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिये जिनके लिये वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। दो वर्गों के लिये प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को ग्रापने श्रावेदन-पत्न में बरीयता कम से दोनों वर्गों का उल्लेख करना चाहिये। दो वर्गों के लिये प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवार को ग्रापने ग्रावेदन-पत्न में उल्लिखित मूलतः वर्गों के वरीयता कम में परिवर्तन करने के ग्रानुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा, जब तक कि इस श्राणय का श्रानुरोध संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालयं में लिखित परीक्षा के परिणाम रोजगार समाचार में प्रकाणित होने के 30 दिनों के भीतर प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित भ्रावेदनकानज्ञ पर सचित्र, संब लोक पेत्रा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 को आवेदन करना चाहिये। निर्धारित आवेदन-प्रपत्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण थो रुपये देकर भ्रायोग से आक द्वारा प्राप्त किये जा सकते है। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस मई विल्ली-110011 को मनीश्राडर हारा या सिन्य संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल श्रार्डर हारा भेजी जानी चाहिये। मनीश्रार्डर/पोस्टल श्रार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोद स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ये श्रावेदन प्रपत्न श्रायोग के काउण्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जायेंगे।

टिप्पणी:— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे स्रपने स्रावेदन-पत्न स्रनुभाग स्रधिकारी/आशुलिपिक (ग्रेड ख/ग्रेड I) सीमित विभागीय परीक्षा, 1987 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। स्रनुभाग स्रधिकारी/स्राशुलिपिक (ग्रेड ख/ग्रेड I) सीमित विभागीय परीक्षा, 1987 के लिये, निर्धारित स्रावेदन प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर प्रस्तुत स्रावेदन प्रपत्नों पर विचार नहीं किया जायेगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ सिवन, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली110011 को 24 अगस्त, 1987 (24 अगस्त, 1987) से पहले हीं किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश का लाहौल और स्पीति जिले और चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन-पत्न उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 7 सितम्बर, 1987 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्न पर विचार नहीं किया जायेगा।

श्रसम, मेघालय, श्ररुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू ग्रीर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश का लाहौल श्रीर स्पीति जिला तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल श्रण्डमान ग्रीर निकोबार श्रीपसमूह या लक्षद्वीप श्रोर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से ग्रायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि बह 24 ग्रगस्त, 1987 से पहले की किसी तारीख से ग्रसम, मेघालय, श्ररुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू ग्रीर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश का लाहौल श्रीर स्पीति जिला तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल, श्रण्डमान श्रौर निकोबार द्वापसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी:---जो उम्मीदिवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले अविदन की प्रस्तुति हेतु प्रतिरिक्त समय के 13--146 GI/87 हकवार हैं उन्हें भ्रावेदन-पत्न के संगत कालम में भ्रपने पत्नों में भ्राविष्टिन समय के हकदार, इलाके या क्षेत्र का नाम अर्थाल् भ्रसम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग भ्रावि स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिये अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अविष्टिक समय कालाभ न मिले।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे दृए श्रावेदन-पत्न के साथ श्रायोग को रु० 28.00 (अट्टाईस रुपये) का शुरूक भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को केन्द्रीय भर्ती शुरूक टिकटों या नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय या रेखिकित भारतीय पोस्टल श्रार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई विल्ली स्थित स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की मी शाखा से जारी किये गये रेखांकित श्रीक हाफ्ट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051——लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाये। आवेदन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिये।

श्रनुसूचित जातियों/ग्रनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई गुल्क नहीं देना है।

जिन श्रावेदन-पक्षों में यह श्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम श्रस्वीकार कर दिया जायेगा।

7. यदि कोई उम्मीववार अनुभाग अधिकारी/आशुलिपिक (ग्रेंड ख/ग्रेंड 1) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीका, 1986 में बैठा हो और इस परीक्षा में प्रवेश पाने के कियें आवेदन करना चाहता हो उसे 1986 की परीक्षा के परिणामों की प्रतिक्षा किये बिना ही अपना आवेदन-पन्न अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक श्रायोग के कार्यालय में पहुंच जाये, यदि 1986 में ली गई परीक्षा के परिणाम के श्राधार पर उसका नाम चयन सूची में सम्मिलत करने हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी रह कर वी जायेगी और उसका शुक्क लौटा विया जायेगा बगर्ते कि उम्मीदवारी रह कराने श्रीर शुक्क को वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1986 की परीक्षा के श्रन्तिम परिणामों के "रोजगार समाचार" में प्रकाशम की तारीख से 30 दिन के श्रन्दर शस्तुत कर दिया जाये।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे फ्रायोग ब्रारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ६० 15.00 (पन्द्रह रुपये) की राशि वापिस कर दी जायेगी।

उपर्युक्त तथा पैरा 7 में उपविश्वित व्यवस्था को छोड़कर प्रन्य किसी भी स्थिति में श्रायोग को भुगतान किये गये गुल्क को वापसी के िसी दावे पर न तो विचार किया आयेगा और न ही गुल्क की किसी श्रन्य परीक्षा का चयन के लिये श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

9. उम्मीदवार को प्रयना ग्रावेदन-पत्न प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी श्रनुरोध को किसी भी परिस्थित में स्त्रीकार नहीं किया जायेगा।

10. तिथमावली के परिणिष्ट I में उल्लिखित परीक्षा की योजना में बताये गये सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्न में बस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तुपरक परीक्षण के विवरण भ्रौर नमूने के प्रश्नों के लिये श्रनुबन्ध II पर सम्मीदवारों के सूचनार्थ विवरणिका का सन्दर्भ किया जाये।

एम० के० कृष्णन, **ए**म सचिव, संघ लोक सेवा स्रायोग

## भ्रनुबन्ध—I उम्मीदयारीं को भ्रनुदेश

 उम्मीद्यारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपन्न भरने से पहले नोटिस धौर नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान्न भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकतों है।

ग्रावेदन-पक्ष भेजने से पहले उम्बीदवार को नोटिस के पैरा I में दिये गये केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, ग्रन्तिम रूप से चन लेना दाहिये।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिये कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जायेगा किन्तु यदि कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उनत परीक्षा हेतु अपने आबेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिय, संघ लोक सेवा धायोग को इस बात का पूरा श्रीचित्य बताते हुए एक पत्न रिजस्ट डाक से अवस्य भेजना चाहिये कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जायेगा किन्तु 9 नवम्बर, 1987 के बाद प्राप्त धानुबन्धों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

2. उम्मीदवारों को आवेदन-प्रपन्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइन्ट पेन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पन्न अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पन्नों को भरते समय भारतीय श्रंकों के श्रंतर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्याः रखें कि आवेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्वष्ट श्रीर मुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भ्रामक होंगी तो उनके निर्वाचन में होने बाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरवायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्न आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। चृकि आवेदन-पत्नों को संगणक प्रणाली द्वारा संसाधित किया जाता है, इसलिए उन्हें आवेदन-पत्न सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदबार को श्रपना श्राबेदन-पत्न संबद्ध विभाग मा कार्यालय के श्रध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का सत्यापन करके श्राबेदन-पत्न के श्रंत में दिए गए पृष्ठांकन की भर कर श्रायोग को भेज देगा।

- 3. उम्मीदवार को ग्रंपने श्रावेदन-पत्न के साथ निम्न-लिखित प्रमाण-पत्न ग्रवश्य भेजने चाहिए:—
  - (1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भार-तीय पोस्टल आईर या बैंक ड्राफ्ट या केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें या भारतीय मिशन की रसीद (देखिए नीटिस का पैरा 6)। केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें आवेदन प्रपन्न के प्रथम पृष्ठ पर इस प्रयोजन के लिए निर्धा-रित स्थान पर चिपका थें।
  - (2) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट धाकार (लगभग 5 सें० मी०× 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जोकि एक धावेदन-पन्न पर और दूसरी उपस्थित पन्नक में निर्धारित स्थल पर जिपकाई गई हो।
  - (3) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० भाकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर भापका पता लिखा हो।
  - (4) विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पक्क (ग्रावेदम-पत्न के साथ संलग्न)।

मद (1) ध्रौर (2) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीके विए गए हैं  $\iota$ 

(I) (क) निर्धारित शुस्क के लिये रेखांकित किये श्रुए भारतीय पोस्टल श्रार्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए, उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय", लिखा जाना चाहिए।

किसी भ्रन्य डाकघर पर देय पोस्टल भ्रार्डर किसी भी स्विति में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। बिरूपित या कटे-फटे पोस्टल भ्रार्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकबर की स्पष्ट मुहर होनी वाहिए। जम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल श्रार्ड रन तो रेखांकित किये गये हों श्रौर न ही सचिव संघ लोक सेंबा भ्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किये गये हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

## निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक ब्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डियां की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग की स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा, नई विल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी श्रन्य बैंक के नाम से दिये गये बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

## (ग) "निर्धारित गुल्क के लिए" केन्द्रीय भर्ती गुल्क टिकटें

केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकर्टे (सामान्य डाक टिकर्टे नहीं) डाक्ष्यर से प्राप्त करें भ्रौर भ्रावेदन-पत्न के पहले पृष्ठ पर इसके लिए िर्धारित स्थान पर चिपका दें। जारी करने वाले डाक्ष्यर से उस डाक्ष्यर की तारीख की मोहर सहित उन टिक्टों को इस तरीके से रद्द किया जाए कि रद्द करने की मोहर की छाप ग्रांशिक रूप से ग्रावेदन-पत्न पर भी भ्रपने ग्राप भ्रा जाए।

रह् किए गए टिकट की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान स्पष्ट रूप से हो सके । केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों के स्थान पर किसी भी हालत में डाक टिकटें स्वीकार नहीं की जाएंगी।

- टिप्पणी (1) उम्मीदवारों को श्रपने श्रायेद :-पन्न प्रस्तुत करते समय बैंक श्रापट की पिछली और ऊपर के सिरे पर श्रपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल श्रार्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल श्रार्डर के पिछले श्रीर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर श्रपना नाम तथा पता
  - (2) जो उम्मीववार प्रावेदन-पन्न भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राग्नि के 28.00 (प्रट्ठाइस रुपए) के बरावर यवास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च प्रायुक्त, राजवूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवायें ग्रीर उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051-लोक सेवा ग्रायोग परीक्षा शुल्क" में जमा कर हैं। उम्मीदकार उस कार्यालय में रसीद लेकर ग्रावेदन-पन्न के साथ भेजें।
- (2) फोटो की दो प्रतियां—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें॰ मी॰ × 7 सें॰ मी॰) के फोटो की एक जैसी वो प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए । इ।में से एक प्रति आवेदन-पन्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्विष्ट स्थान में चिपका देना चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिएं।

विशेष ध्यान — उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि

श्रावेदन-पत्न के साथ ऊपर पैरा 3(1) श्रीर (2)

में उल्लिखित प्रलेख सैलग्न न होंगे तो श्रावेदन
पत्न श्रस्वीकार कर दिया जाएगा श्रीर इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सूनी जाएगी।

4. उम्मीदवारों को चेताबनी दी जाती है कि भ्रावेदन-पत्न भरते समय कोई जूठा ब्यौरा न दें भ्रथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीववारों को चेतावनी दी जाती है कि वे श्रावेदन-पल्ल भरते समय प्रस्तुत किये किसी प्रलेख श्रयवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परि-वर्तन करें श्रीर न कोई फर-बदल करें श्रीर न ही फर-बदल किये गये झूठे प्रमाण-पल प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या श्रीधक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई श्रशुद्धि श्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 5. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर दोरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएया कि आवेदन-प्रपत्र को अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।
- 6. श्रायोग के कार्यालय में विलम्ब से प्राप्त सहित प्रत्येक श्रावेदन-पत्न की पावती दी जाती है तथा श्रावेदन-पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की श्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के श्रावेदन-पत्न प्राप्त करने के लिये निर्धारित श्रन्तिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल श्रायोग से पावती देय सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को ग्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है ग्रापने ग्राप यह ग्रार्थ नहीं है कि ग्रावेदन-पत्न सभी प्रकार पूर्ण है ग्रीर ग्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 7. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके ग्रायेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाणी घ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कव सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीका से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को ग्रपने प्रावेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा श्रायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे ग्रायोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह श्रपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित रह जायेगा।
- 8. संघ लोक सेवा श्रायोग ने "संघ लोक सेवा श्रायोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षंक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है। इस प्रकाशन का उद्देश्य यह है जिससे संघ लोक सेवा श्रायोग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका भौर पिछली पांच परीक्षाग्रां की नियमावली तथा परम्परागत प्रश्न-पन्नीं का उल्लेख करने वाले पैम्फ्लेटों की प्रतियां प्रकाशन नियंग्रक, सिविल लाइन्स, देहली—110054 के पास बिकी के लिए सुलभ हैं और इन्हें उनसे सीधे मेल आईर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिवाली सिनेमा के सामने, इस्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली 110001 श्रीर (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली—110011 स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउण्टर श्रीर (3) गवर्गमेंट आफ इंडिया बुंक डिपो, 8—के० एस० राय रोड, कलकत्ता—700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुअल/वैस्फलैट भारत सरकार के प्रकाणनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेन्टों से भी उपलब्ध है।

- परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा श्रायोग से कोई याका भत्ता नहीं मिलेगा।
- 10. श्रावेदन-प्रपत्न से संबद्ध पत्न-व्यवहार:—श्रावेदन-पत्न से संबद्ध सभी पत्न श्रादि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा क्यौरा श्रानवार्य रूप से दिया जाए:—
  - (1) परीक्षाकानाम
  - (2) परीका का महीना धौर वर्ष
  - (3) उम्मीदबार की भ्रावेदन पंजीकरण संख्या/श्रनुक्रमांक भ्रवना जन्म तिथि यदि भ्रावेदन पंजीकरण संख्या/ श्रनुक्रमांक सूचित नहीं किया गया है।
  - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े श्रक्षरों में)
  - (5) भावेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता ।

निशेष ध्यान:—(1) जिन पत्नों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष श्यानः—(2) परीक्षा समाप्त होने के बाव यदि उम्मीद-बार से कोई पत/सूचना प्राप्त होती है श्रीर उनमें उसका पूरा नाम श्रनुक्रमांक नहीं लिखा है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा श्रीर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी ।

11. पते में परिवर्तन :---- उम्मीदवार की इस बात की व्यव-स्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न आदि, आवश्यक होने पर उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पत्न में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 10 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यशाणीझ दी जानी चाहिए यग्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा यत्न करता है फिर भी इस विषय में यह जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

## श्रनुबंध-II उम्मीदबार को सूचनार्थ विवरणिका

## (क) वस्सुपरक परीक्षणः

श्रापकी परीक्षा में सामान्य अध्ययन का प्रकृत पत्न "वस्तु-परक परीक्षण" प्रकार का होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में भ्रापको उत्तर लिखते नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई मुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए श्रापको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य ग्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप में परिचित न होते के कारण ग्रापको कोई हानि न हो।

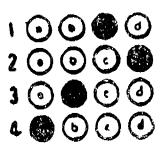
## (ख) परीक्षण का स्वरूप :

प्रश्न पत्न "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 ग्रादि के कम से प्रश्नांश होंगे। इस प्रश्नांश के नीचे ए० बी० सी० डी० चिन्हों के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। ग्रापका काम एक मही या यदि श्रापको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें मे सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (श्रंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए श्रापको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि श्राप एक से श्रिधिक प्रश्न चुन लेते तो श्रापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

## (ग) उत्तर देने की विधि:

परीक्षा भवन में श्रापको अलग एक उत्तर पत्नक (जिसको नमूने की प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ दे जाएगी) दिया जाएगा। श्रापको श्रपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। प्रश्न पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर श्रन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जीचे जाएंगे।

उत्तर पक्षक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांशों के सामने, ए० बी० सी० डी० चिन्ह वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौनसा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको इस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले वृत्त में पेंसिल से पूरी तरह काला कर उसे मंकित कर्यु देना है, जैसा कि (ग्रापका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर-पद्धक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



## यह जरूरी है कि :---

- प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० (पेंसिल) ही लाएं और उन्हों का प्रयोग करें।
- 2. गलत निमान को बवलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर में सही उत्तर पर निमान लगा दें। इसके लिए म्राप म्रपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पक्षक का उपयोग करते समय क़ोई ऐसी ब्रसाव-धानी न ही जिससे यह फट जाए या उसमें मोड़ व तिलवट ब्रादि पड़ जाए या यह खराब ही जाए।

## (घ) कुछ महत्वपूण विनियम

- श्रापको परीक्षा श्रारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा श्रौर पहुंचते ही ग्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाव किसो भी परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पुस्तिका स्रोर उत्तर-पक्षक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। श्रापको प्रश्न पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लाबन करने पर दण्ड दिया जाएगा।
- 5. परीक्षा भवन में भ्रापको उत्तर-पत्नक पर कुछ ब्यौरे भरने होंगे। श्रापको उत्तर-पत्नक पर कुछ ब्यौरों को कूट-बद्ध भी करना होगा। इससे संबद्घ श्रनुदेश श्रापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेज दिए जाएंगे।
- 6. प्रश्न-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपकी, सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर-पत्नक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्य-वेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसं परीक्षण या उसके किसो भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उसके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. प्राप प्रपने प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं, प्रापको प्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। प्रापको सलाह दी जाती है कि ग्राप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। ग्रापको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या ग्रारेखण/उपकरण नहीं जाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मौगने पर कच्चे काम के लिए ग्रापको एक ग्रलग कागज दिया जाएगा। ग्राप कच्चा काम शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का माम, ग्रपना रोल नंबर ग्रीर परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षा समाप्त होने के बाद उसे ग्रपने उत्तर पत्नक के साथ पर्यवेक्षक को बापस कर दें।

## (इ) विशेष श्रनुदेश

परीक्षा भवन में श्रापके श्रपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक श्रापको उत्तर पत्नक देंगे। उत्तर पत्नक पर श्रपेक्षित सूचना श्रपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक श्रापको प्रश्न पुस्तिका देंगे। प्रश्न पुस्तिका मिलने पर श्राप यह श्रवश्य देख लें कि उस पर

पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है प्रन्यथा, उसे बदलवा लें प्रथमी पुस्तिका का खोला से पहले उनके प्रथम पृष्ठ पर अपना श्रनुकनांक लिख दें। श्रापको प्रश्न पुस्तिका तब तक खोला की श्रनुमित नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

## (च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इत परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अने क्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथामंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जिन्नो जन्दो काम कर नक्ष हैं, करें पर लागर-वाही न हो। आप भर्मी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाने हों तो जिन्ता न करें। आपको जा प्रश्न अत्यंत कठिन मालूम पड़े उन पर आप समय व्यथं न करें। दूसरे प्रश्नों की और बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रथनाशं। के ग्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। ग्रापके द्वारा ग्राकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के ग्राधार पर ही ग्रापको ग्रंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए ग्रंक नहीं काटे जाएंगे।

## (छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक लिखना बंद करने की कहें, स्राप लिखना बंद कर दें। ग्राप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निर्मक्षक स्नापके पास स्नाकर स्नापस सभी स्नावस्थक वस्तुमं ले नायें श्रीर प्रापको हाल छोड़ने की स्रनुमति दें। सापको प्रस्त पुल्तिका स्नीर उत्तर-पत्नक तथा कच्चे कार्य का कार्यन पराक्षा भवन से बाहर ले जाने की स्रनुमित नहीं है।

## नमून के प्रश्नांश (प्रश्न)

टिप्पणी--- \* सही (सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

### 1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्तसाथ होता है ?

- (क) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- \*(ख) रक्त का दाब वापुमण्डन के दाब से श्रधिक होता है।
  - (ग) रक्त वाहिकाग्री की अंदरूनी तथा बाहरी शिराश्री पर दाब समान होता है।
  - (घ) रक्त का दाब बायुमण्डल के दाब के अनुरूप घटता बढ़ता है।

#### 2. (English).

(Vocabulary—Synonyms).

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

## 3. (কুষি)

प्ररहर में, फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता हैं?

- (क) वृद्धि नियंक्षक द्वारा छिड्काव।
  - (क) दूर-दूर पौधे लगाना ।
  - (ग) सही ऋतु में पौधे लगाना।
  - (घ) थोड़े-थोडे फासले पर पौधे लगाना।
- 4. (रसायन विजे
  - (a) VO<sub>3</sub>
  - (b) VO.
  - (c) V<sub>2</sub>O<sub>3</sub>
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>
- 5. \*(धर्थशास्त्र)

भाम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता हैं?

- \*(क) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
  - (ख) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
  - (ग) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से श्रधिक हो।
- (घ) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

## 6. (वैद्युत् इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को श्रपेक्षित परावैद्युतांक 9 के पैराद्युत से समपूरित किया गया है। यदि सी मुक्त श्रंतराल में सचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

## 7. (भू-विज्ञान)

घेयाल्ट में प्लेजिमोक्लेज क्या होता है ?

- (क) म्रालिगोक्लेज
- \*(ख) लैबोडोराइट
- (ग) एल्बाइट
- (घ) एनाथाइट

## 8. गणित

मूल बिन्दु से गुजरने वाला भीर 
$$\frac{d_2y}{dx^2} = \frac{dy}{dx}$$

समीकरण को संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट हैं ?

- $(\pi)$  y=ax+b
- (可) y=ax
- $(\pi)$  y=aex+be-x
- \*(♥) y=aex-a

## 9. (भौतिकी)

एक स्रादर्श ऊष्मा इंजन 400° के भीर 300° के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्निखित में से क्या होगी?

- (事) 3/4
- (国) (4--3)/4
- $(\pi) \ 4/(3+4)$
- (甲) 3/(3+4)

## 10 (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में क्या होगा?

- (年) 42
- (電) 3
- (ग) ∞
- (甲) ---5

## 11. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की श्रत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में क्या हैं?

- (क) यहां पर खनिज साधनों का विपूल भंडार है।
- \*(स्त्र) बर्माकी श्रधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है।
  - (ग) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
  - (घ) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

## 12. (भारतीय इतिहास)

ब्राह्मणबाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सःख नहीं हैं?

- (क) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के ग्रनुयायियों की संख्या बहुत श्रधिक थी।
- (ख) त्राह्मणवाद बहुत मधिक कर्नकांड श्रीर भाडम्बर से पूर्ण धर्म था।
- \*(ग) ब्राह्मणवाद के श्रभ्युदय के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (घ) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशायों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

## 13. (वर्शन)

निम्नलिखित में से निरीय्वरवादी दर्शन-समृह कौन-सा हैं?

- (क) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा।
- (ख) न्याय, वैशेषिक, जैन, श्रीर बौद्ध, चार्त्राक
- (ग) भ्रद्वैत, वैदांत, सांख्य चार्वाक योग
- \*(घ) बौद्ध, सांख्य मीमांसा, चार्वाक

## 14. (राजनीति विज्ञान)

वृत्तियत प्रतिनिधान का श्रर्थ निम्नलिखित में में क्या है ?

- \*(क) व्यवसाय के श्राधार पर विधानमण्डल में प्रति-निधियों का निर्वाचन ।
  - (श्र) किसी समूह या किसी व्यावसायिक सनुवाय के पक्ष का समर्थन।
  - (ग) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाथ।
  - (घ) श्रमिक संघीं द्वारा प्रप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

## 15. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में किस की निर्देशित करती है?

- (क) लक्ष्य संबंधी भागस्यकता में वृद्धि
- \*(दा) भावात्मक ग्रयस्था में न्यूनता

- (ग) व्यावहारिक ग्रधिगम
- (घ) पक्षपातपूर्ण श्रधिगम

## 16. (समाज शास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है ?

- \*(क) ग्राम सरकार में महिलाभ्रों तथा कमजोर वर्गों को ग्रीपचारिक प्रतिनिधित्य प्राप्त हुन्ना है।
- (ख) छुन्नाछूत कम हुई है।
- (ग) बंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (भ) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

  टिप्पणी :--- उम्मीदबारों को यह ज्यान रखना चाहिए कि

  उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केबल

  उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह

  जरूरी नहीं हैं कि ये इस परीक्षा की पाठ्य
  चर्या के अनुसार हों।

SUPREME COURT OF INDIA
New Delhi, the 19th June 1987

No. 44/87/SCA(General).—In continuation of Notification of even No. dated April 20, 1987 it is hereby notified that under Rule 4 Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has nominated Hon'ble Mr. fustice Ranganath Misra as a vacation Judge in addition to the Hon'ble Mr. Justice M. M. Dutt for the period June 29, 1987 to July 4, 1987 (both days inclusive).

A. N. OBERAI Registrar (Admn.) Supreme Court of India

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

ள்ளார். கூட<u>ப்பேல்</u> சிகட்டம் வருக்கு வருக்கு உடிய முறிய சி. முறை

New Delhi, the 15th June 1987

No. O.II-1418/77-Estt.I.—Consequent on his pre-mature retirement from service, Shri Dharamvir Singh, Dy. S. P. relinquished the charge of Coy. Commander, 40th Bn. CRPF on the forenoon of 4th June. 1987.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt. Director (Estt.)

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE New Delhi-110003, the 28th May 1987

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I/58.—President is pleased to

appoint Shri N. K. Choudhary, on promotion as Assistant Commandant on regular basis in CISF Unit. BHEL Bhopal with effect from the forenoon of 3rd February, 1987.

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I/59.—President is pleased to

No. E-32015(4)/1/8/-Pers.1/59.—President is pleased to appoint Shri Sanjit Das, Inspector (Exe), on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit, RSP Rourkela with effect from the forenoon of 30th January, 1987 on purely ad-hoc basis and temporary upto 18th August, 1987 or till such time regular appointments are made whichever is carlier.

Sd/- ILLEGIBLE Director General/CISF

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 11th June 1987

No. P/N(18)/Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. P. Ittaman, Senior Research Officer (SS) in the Office of the Registrar General, India to hold the full charge of the post of Deputy Registrar General (Social Studies) in the same office on ad-hoc basis in addition to his own duties during the leave period of Dr. N. G. Nag, Deputy Registrar General (Social Studies) for the period 13-10-86 to 13-4-87.

The headquarters of Dr. Ittaman during the above period will be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 15th June 1987

No. ESC-1-10/5567.—General Manager, Currency Note Press, Nasik Road is pleased to appoint Shri S. M. Kumbhare (ST), Inspector Control to the post of Deputy Con-

trol Officer (Group 'B', Cazetted) in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 wef 15-6-87 (FN) until further orders.

He will be on probation for a period of 2 years.

S. D. IDGUNII General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 11th June 1987

No. 1143/C.A.I/154-84.—On attaining the age of superannuation Shri B. Hanumantha Rao, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Fx-Officio Director of Commercial Audit. Bangalore has retired from service with effect from 30-4-1987 AN.

No. 1144/C.A.I/217-69.—On his attaining the age of superannuation of Shri I. D. Abhyankar, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Fx-Officio Director of Commercial Audit-I, Bombay has retired from service 31-1-1987 AN.

No. 1145/C.A.I./160-78.—On his attaining the age of superannuation Shri C. M. N. Swamy, Audit Officer (Commercial) working in the office of Accountant General (Commercial Audit), Bombay has retired from service on 31-3-1987 AN.

No. 1146/C.A.I./42-72.—On his attaining the age of superannuation Shri R. K. Vyas, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member. Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit-I, New Delhi has retired from service with effect from 30-4-1987 AN.

Asstt. Comptr. & A.R. Genl. (Comml.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AU.)-I ANDHRA PRADFSH

Hyderabad, the 11th June 1987

No. Admn.-I/Prom/8-132/87-88/DPNO.50.--The Accountant General (Audit) I. Andhra Pradesh. Hyderabad is pleased to promote the under mentioned Assistant Audit Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 2375-75-3200-FB-100-3500 with effect from the date noted against him until further orders.

Name and Date of assumption of charge

Shri N S. Parthasarathy-3-6-1987 FN.

The promotion is ordered without prejudice to the claims of his seniors, if any, and is also subject to the result of the Writ Petitions in the Andhra Pradesh High Court Supreme Court. He should exercise option within one month of his date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F.7/1/80-Fstt. (Pt. 1 dt. 26-9-1981.)

Sd/- JLLFGIBLE Sr. Dv. Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (At L) GUJARAT

Ahmedabad, .380001, the 15th June 1987

No. Estt. (A)/60/3/(37)/845.—The Accountant General (Audit) I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit) Gujarat, at Ahmeda

bad/Rajkot with effect from the dates shown against each untifurther orders:

- 5	/	h١	11	

	ryonii		
1.	R. M. Jariwala	<b>12-5-87</b>	Ahmedabad
		(F.N.)	
2.	D. M. Chauhan	28-5-87	Rajkot
		(F,N,)	
3.	D. J. Vyas	22-5-87	Rajkot
		(F.N.)	
4.	H. C. Sainani	27-5-87	Ahmedabad
		(F.N.)	
5.	P. G. K. Nair - 11	2-6-87	Ahmedabad
		(F.N.)	
6.	J. T. Khushalani	2-6-87	Rajkot
		(F.N.)	

The above promotions are made on ad-hoc basis and are subject to the final outcome of the Special Civil Application No. 735 of 1980 and No. 388 of 1984 filed in the Honourable High Court of Gujarat and pending before the Central Administrative Tribunal, Ahmedabad.

Sd/• ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant Genl.

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) J&K

Srinagar, the 17th June 1987

No. Admn.I. A&E/60(3)/87-88/606.—Accountant General J&K, Srinagar has been pleased to appoint the following Temporary Section Officers' to the posts of Accounts Officer in the Pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 in an officiating capacity w.c.f. the date(s) indicated each till further orders:

- 1. Shri Abdul Hamid Shah, 8-5-87 FN.
- 2. Shri Pran Nath Karwani, 8-5-87 FN.
- 3. Shri Shiban Lal Shishoo, 8-5-87 FN. Their interse seniority will be in the above order.

Sd./- ILLEGIBLE Dy. Accountant General A&E

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&3) ORISSA

Bhubaneshwar, the 15th April 1987

No. E O.4.—The Accountant General (A&E) Orissa, has been pleased to appoint Sri K. V. Annaji Rao, Section Officer, of this Office to officiate as Accounts Officer, in the scale of Rs. 2375-75-3200-FB-100-3500/- with effect from 4-3-87 (FN) in accordance with the provisions of I.A.A.D. (Administrative Officer, Audit Officer, Accounts Officer) Recruitment Rules, 1964. This promotion is on ad-hoc basis subject to the final decision of the High Court/Supreme Court or the cases subjudice in the court and without prejudice to the claims of the seniors.

No. E.O.5.—The Accountant General (A&E) Orissa, has been pleased to appoint Sri A. Krishna Rao. Section Officer, of this Office to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs 2375-75-3200-FB-100-3500/- with effect from 6-3-87 (FN) in accordance with the provisions of I.A. & A.D (Administrative Officer, Accounts Officers Audit Officers) Recruitment Rules, 1964. The promotion is on adhoc basis subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the court and without prejudice to the claims of the seniors.

P. NARAYANA MURTY Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

14—146 GI/87

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENL (AUD) I. UTTAR PRADESH

Allahabad, the 11th June 1987

No. AG(AK) I/Admn. /13-7/361—Following Audit Officers have retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the dates noted against each:

	Name	Date	Office
1.	S/Shri Gopl Krishna Tandon		Accountant General (Audit)-I, (U.P.)
2.	Abhai Charan Sinha	31-5-87	Accountant General (Audit)-II, U.P.
3.	Ved Prakash Arora	31-5-87	Do.

P. K. MUKHOPADHAYAY Sr. Dy. Accountant General

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL(A&E)-I UTTAR PRADESH

Allahabad, the 12th June 1987

No. Admn. I/11-144/Notfn./1009.—The Accountant General (A & E)-I, U.P. Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accountants Officers in this office untifurther orders, in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-E.B.-100-3500 with effect from the dates noted against each:—

S/Shri

I. A. N. Kaul

29-5-1987 (F.N.)

2. Bir Chandra Prasad Sinha

10-6-1987 (F.N.)

MINAKSHI CHAK
Dy. Accountant General (Admn.)

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 8th June 1987

No. AN-1/11/1/Vol.III.—The President is pleased to appoint Kumari Vandana Srivastava, an officer of the Indian Defence Accounts Service (who is on deputation as Under Secretary, Ministry of Defence, New Delhi) to officiate in the Junior Administrative Grade (Scale of Pay: Rs. 3700-125-4700-150-5000) of that Service, under "Next Below Rule" with effect from the forenoon of 14th May, 1987 and until Jurther orders.

The 16th June, 1987

No. AN/I/1402/4/III.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service toofficiate in the Senior Time Scale of that Service (Rs. 3000-

100-3500-125-4500) with effect from the dates shown against them, until further orders:

2. Shri Umang Mohan 01-05 3. Smt. Madhulika Prasad 01-05 4. Shri Dinesh Chandra Singh Negi 15-12 5. Shri T. S. Kripanidhi 01-05 6. Smt. Sanhita Kar 01-05 7. Shri Devendra Kumar Sharma 05-0	Date from which appointed	
2. Shri Umang Mohan 01-05 3. Smt. Madhulika Prasad 01-05 4. Shri Dinesh Chandra Singh Negi 15-12 5. Shri T. S. Kripanidhi 01-05 6. Smt. Sanhita Kar 01-05 7. Shri Devendra Kumar Sharma 05-0	4	
<ol> <li>Shri Umang Mohan</li> <li>Smt. Madhulika Prasad</li> <li>Shri Dinesh Chandra Singh Negi</li> <li>Shri T. S. Kripanidhi</li> <li>Smt. Sanhita Kar</li> <li>Shri Devendra Kumar Sharma</li> <li>501-09</li> <li>505-0</li> </ol>	-1986	
<ol> <li>Smt. Madhulika Prasau</li> <li>Shri Dinesh Chandra Singh Negi</li> <li>Shri T, S. Kripanidhi</li> <li>Smt. Sanhita Kar</li> <li>Shri Devendra Kumar Sharma</li> <li>O5-0</li> </ol>	-1986	
<ol> <li>Shri Dinesh Chandra Singh Negi</li> <li>Shri T. S. Kripanidhi</li> <li>Smt. Sanhita Kar</li> <li>Shri Devendra Kumar Sharma</li> </ol>	-1986	
5. Shri T. S. Kripanidhi 01-09 6. Smt. Sanhita Kar 01-09 7. Shri Devendra Kumar Sharma 05-0	-1986	
6. Smt. Sanhita Kar 01-09 7. Shri Devendra Kumar Sharma 05-0	-1986	
7. Shri Devendra Kumar Sharma 05-0	-1986	
	-1987	
8. Shri Gur Saroop Sood 31-2	-1986	
	-1986	
	-1986	

No. AN/I/1504/5/I.—Shri P. K. Thevan, IDAS, who attained the age of 58 years on 18-04-1987 (his date of birth being 19-04-1929) has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 30-04-1987 and transferred to the Pension Establishment with effect from the strength of the pension of th tablishment with effect from the forenoon of 1-5-1987.

D. K. CHET SINGH Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn)

## MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION (LABOUR DEPARTMENT) (LABOUR BUREAU)

Shimla-171004, the 3rd July 1987

The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by 12 points to reach 703 (Seven hundred three) for the month of May, 1987. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of May, 1987 works out to 854 (Eight hundred fifty four).

> Joint Director Labour Bureau, Shimla-171004 Labour Bureau

## MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-1, the 17th June 1987

No. 15/A/G/87.—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. V. Srinivasan Offg. Works Manager with effect from 20-02-1986 AN.

M. A. ALAHAN Jt. Director/G

# MINISTRY OF COMMERCE (OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORT AND EXPORT)

New Delhi, the 11th June 1987

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1154/76-Adm(G)/2987.—Shri S. K. Khatri. officer of the Section Officer's Grade of the CSS working Controller of Imports and Exports in this Office has be as permitted to retire voluntarily from Government service with effect from the forenoon of the 1st June, 1987.

No. 6/1551/85-Admn(G)/2998.—On attaining the age of superannuation Shri Abdul Rashid, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1987.

No. 6/1462/84-Admn(G)/3005.—On attaining the age of superannuation Shri P. J. Peswani, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1987.

> SHANKAR CHAND Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

# MINISTRY OF TEXTILES OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 10th June 1987

No. 36/1/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Sirangi in the grade of Deputy Director (Regional), Office of the Development Commissioner (Handicrafts) in a substantive capacity w.e.f. 31-5-1983.

> P. K. DUTTA Development Commissioner (Handicrafts)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 10th May 1987

No. 3306B/A-32013/1-DDG(Geol.)/85-19A.—The President is pleased to appoint the following officers of Geological Survey of India, on promotion as Deputy Director General (Geology) in the same Department on pay according to rules in the pre-revised scale of pay of Rs. 2250-125/2-2500/- (since revised at Rs. 5900-200-6700/-) in a temporary officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

- 1. Shri S. N. Chaturvedi, Director (Geology), GSI-9-4-87 (forenoon).
- 2. Shri A. K. R. Hemmady, Director (Geology), GSI—\*15-4-87 (forenoon).

D. K. GUPTA Sr. Dy. Director General (Personnel)

### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 15th June 1987

No. A-19011/36/86-Estt.A.PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri P. M. Rao, Chief Editor is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st June, 1987 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

### The 18th June 1987

No. A-19011/35/75-Estt.A.—On his voluntary retirement w.e.f. 2-6-1987 (Afternoon) Dr. J. G. K. Murthy, permanent Metallurgist and officiating Suptdg. Metallurgist has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines we.f. the 2-6-1987 (AN) and accordingly his name is struck off from the strength of the Indian Bureau of Mines w.c.f. 3-6-1987 (FN).

> G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer, for Controller General. Indian Bureau of Mines.

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad- 16 the 18th June, 1987

No. AMD-4/1/87-Rectt. Voll. II./7231—Director Genera Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints the undermentioned officers of the Atomic Minerals Division to the posts mentioned against each in the same Division in an officiating capacity until further orders:

	Name of the Officer		romotion S to grade	ubstantive : post held	Date of app the grade
1	2	3	4	5	6
1.	S/Shri P. Venkat Reddy	Scientific Asstt, 'C'		'SВ' —	1-2-1987
2.	S. C. Schgal	do	o. do.	SA 'A	A' 1-2-1287
3.	Sınt. Girija S nivasan	šrid	odo-	SA '	<b>A' 1-2-</b> 1987
4.	Smt. V. Jaya	nthi -d	lo do		1 <b>-2-19</b> 37
5.	M. Seetha R	amayya -c	lodo		1-2-1987

A.W.KHAN Sr. Admn. Acct. Officer

## SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun-248 001, the 15th June 1987

No. C-25/698-MAP CURATOR.—Shri Ajit Kumar Mandal, Office Superintendent, Eastern Circle Office is appointed to officiate as Map Curator (G.C.S. Group "B") on deputation in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta, in the scale of pay of Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900 with effect from the forenoon of 8th April, 1987, till further orders, vice Shri Narottam Sharma, retired.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

## MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 10th June 1987

No. Ec 1)00890.—Director General of Meteorology regrets to notify the death on 11-5-1987 of Shri Abhijit Lahiri, Meteorologist Grade-I, Flood Meteorological Officer, Asansol.

ARJUN DEV
Meteorologist (Gaz. Estt.)
for Director General of Meteorology

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 21st May 1987

No. F.8-9/83-Estt.—In supersession of this Department Notification of even number dated 14-6-84, Shri B. L. Razdan, Permanent Assistant Chemist Gr.-I is promoted to the post of Scientific Officer in the revised pay scale of Rs. 2000-

60-2300-EB-75-3200-100-3500 purely on ad-hoc basis in the National Archives of India, Bhopal, from 26-5-86 (Forenoon) until further orders. The pay of Shri Razdan is fixed @Rs. 2900/- P.M. in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 under F.R. 22(C).

R. K. PERTI Director of Archives

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110 011, the 17th June 1987

No. A.12025/6/85-NMEP/PH(CDL).—The President is released to appoint Shri Manoj Kumar to the post of Deputy ssistant Director (Store) in the National Malaria Eradicann Programme, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 6th April, 1987 and until further orders.

SMT. JESSIE FRANCIS Dy. Director Administration (PH)

### MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 16th June 1987

No. 19012/61/87-Estt.—1072.—The undersigned is pleased to appoint on temporary basis, Dr. Santosh Kumar, Technical Assistant, in the National Sugar Institute, Kanpur to the post of Junior Scientific Officer (Bio-Chemistry) Group 'B' (Gazetted) in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in the National Sugar Institute, Kanpur w.e.f. the forenoon of 18-5-87. His pay has been fixed at an initial pay of Rs. 2000/- P.M. w.e.f. 18-5-87 and he will earn increment w.e.f. 1-5-88 in the above said scale (Prerevised scale of Rs. 650-1200, Pay fixed at Rs. 650/-).

- 2. Dr. Santosh Kumar is granted lien in his substantive post of T.A. at National Sugar Instt., Kanpur for a period of two years w.c.f. 18-5-87 (Forengon). If Shri Santosh Kumar does not resign from the post of Technical Asstt. or revert to his substantive post of Technical Asstt. before the expiry of the above lien period, his lien will automatically be terminated.
- 3. Dr. Santosh Kumar will be on probation in the post of Jr. Scientific Officer (Bio-Chemistry) for a period of two years w.e.f. 18-5-87.

RAM KUMAR Director

## MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION) DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION QUARANTINE & STORAGE

Faridabad, the 15th June 1987

No. F.7-20/78-Adm.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Kartar Singh, Surveillance Officer (Group 'B' Gazetted), Central Surveillance Station, Kota under the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage stands relieved of the post of Surveillance Officer in the afternoon of 31st May, 1987.

> S. P. KUTAR Chief Administrative Officer for Plant Protection Adviser

## BHABIIA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 16th June 1987

No. PA/73(3)/87-R-IV/471.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Kum.) Mistry Bhawna Ramanlal as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from May 28, 1987 (Forenoon) for a period of three years.

J. RAMAMURTIIY
Dy. Establishment Officer

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 8th June 1987

Ref. No. DPS/41/2/85-Adm./24636.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Dixit Dinanath Kashinath, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500 from 20-4-1987 (FN) to 22-5-1987 (AN) in the same Directorate vice Shri I. P. Menon, Asstt. Stores Officer granted leave.

#### The 9th June 1987

No. Ref. DPS/41/1/85-Adm./24836.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Koyar Mukund Naik, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Asstt. Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500 from 27-04-1987 (FN) to 28-05-1987 (AN) in the same Directorate vice Shri V. C. Verkay, Assistant Purchase Officer granted leave.

#### The 10th June 1987

Ref. No. DPS/J-7/Estt./87-Adm./25044.—Consequent on his Voluntary retirement Shri V. G. Jobanputra, Asstt. Purchase Officer, Central Purchase Unit, of this Directorate has retired from Government service with effect from 01-06-1987 (FN).

B. G. KULKARNI, Administrative Officer

### DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 28th May 1987

No. VSSC: EST: 22219.—Consequent on his demise on 6-5-1987 (A.N.), the name of Shri R. Janardhana Nair, Staff Code No. 22219, Assistant-Administrative Officer, EST/PGA stands struck off from the rolls of VSSC with effect from the afternoon of May 6, 1987.

P. KARUNAKARAN, Asstt. Admn. Officer (EST), For Appointing Authority

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th May 1987

No. A.12025/1/85-EC.(.)—The President is pleased to appoint Shri Nikhil Ranjan Das, a Technical Officer (Pay Scale: Rs. 700—1300) in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from 30-9-86 and to post him at Aeronautical Communication Station, Calcutta.

M. BHATTACHARJEE,
Deputy Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation

### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE:

Bangalore-560 001, the 25th May 1987

No. 3/87.—In exercise of the powers conferred upon me under Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I hereby empower Assistant Collectors of Central Excise, Bangalore Central Excise Collectorate within their respective jurisdiction to exercise the powers of Collector under Rule 173 C (11) of Central Excise Rule, 1944.

This Notification is only applicable to dispense with filing of Price List altogether for exports.

SUKUMAR SHANKAR, Colletor.

#### Nagpur, the 18th June 1987

No. 6'87.—Consequent upon his promotion to the grade of Sudpt. Contral Excise Gr. 'B' Shri A. K. Shrivastava, Inspector Central Excise has assumed his charge as Supdt. Central Excise, Range, Wardha on 19-5-87 (F.N.).

R. K. AUDIM, Deputy Director (P&E)

### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 18th June 1987

No. 3-807/87-H(Estt.).—Shri Indresh Kumar Sharma is appointed as Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at CGWB, Western Region, Jaipur w.c.f. 18-5-87 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA, Chief Hydrogeologist & Member

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 12th June 1987

No. A-19012/1073/84-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoint Shri Pawan Kishore Jha, Design Assistant, who satisfies all conditions of the Next Below Rule', while working on deputation/foreign service to ex-cadre post in *Inabscutiai* in an officiating capacity in the Bihar State Hydro-Electric Power Corporation Ltd., to the post of Extra Assisant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/— with effect from the forenoon of 10th June 1986 unil further orders.

No. A-19012/1169/86-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Ashok Kumar, Junior Engineer/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- with effect from the forenoon of 30-7-1986 until further orders.

2. The abovementioned officer will be on probation in the grade of E.A.D./A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

S. MAHADEVA AYYAR, Under Secy.,

## DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 15th June 1987

No. 32/3/85-EC-II.—On attaining the age of superannuation the following Officers of C.P.W.D. belonging to the CES Group 'A' and working as Executive Engineer (Civil) in the Office mentioned against each have retired from Govt. service with effect from the dates indicated against their names;

Sl. No.	Name of the Officers	Date of retirement	Last posting station and designation
i	2	3	4
1.	S/Shri Bharat Bhushan	31-5-1987 (A.N.)	E. E. (Civil), P.W.D., Division, XXII (DA)., New Delhi.
2.	Y, V. Dhavele	31 <b>-</b> 5-1987 (A.N.)	SW. PWD. Circle VI (DA), New Delhi.

No. 32/3/85-EC-II—On attaining the age of superannuation, the following Officers of C.P.W.D. belonging to the CES Group 'A' and working as Superintending Engineer (Civil) in the Officer mentioned against each have retired from Govt. service with effect from the dates indicated against their names:

SI, No.	Name of the Officers	Date of retirement	Last posting station and designation
1		3	4
	S/Shri		
1.	C. P. Schgal	31-12-86	SE(C), C. D. O., Nirman
		(A.N.)	Bhavan,
			New Delhi.
2.	C. P. Gupta	31-5-1987	SE (C), (Coord), I. P.
		(A.N.)	Bhawan,
			New Delhi.

PRITHVI PAL SINGH

Dy. Director. Admn.

# MINISTRY OF I.AW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Dubary Traders Limited.

New Delhi, the 20th May 1987

No. 9597/15136.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Dubary Traders Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

B. M. ANAND, Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Elloras Private Limited,

Jaipur-6, the 12th June 1987

No. STAT/1302/2451.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Elloras Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. P. SINGHAL, Rajasthan, Jaipur Rjasthan, Jaipur. FORM NO. LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACT BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38761/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 153/B, 31st Road, TPS III, Near Bandra Talkies, Off Linking Road, Next to Electric Sub-Station, Bandra, Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled hereto). has been transferred and agreement is registered under section has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jagdishchandra Lallubhai Mody.

(Transferor)

(2) M'/s. A. N. Properties & Investments Pvt. Ltd. (Transferec)

(3) Mrs. Hilda Cardoz, Mr. Albert T. Vaz, & Miss Treasa M. Boothwala.

(Person in occupation of the property)

(4) Mr. Harilal L. Mody, & Mr. Biharilal K. Mody.

(Person whom the undersigned knows to be interested in this property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

153/B, 31st Road, TPS III, Near Bandra Talkiez, Off Linking Road, Next to Electric Sub-Station, Bandra, Bombay-

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE.38761/86-87 on 1-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Date: 5-6-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
CONTRACT BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR. II 37EF.38971/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, Sujata Nivas, 1/C, 3/3, S. V. Road, Bandra Bombay-400050.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the agreement consideration than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Arnavaz Ardeshi R. Arjani.

(Transferor)

(2) M)/s. Lintes India Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, Sujata Nivas, 1 C, 3/3, S. V. Road, Bandra Bombay-400050.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR,II/37EE/38971/86-87 on 9-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACT BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II 37EE.39053/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 22 on 6th floor Hill Niketan Co-operative Housing Society I.td., Mount Mary Road, Bandra, Bombay-400050, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitaing the concealment of any icome or any of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Caedmon Patrick Treavor D'Mello.

(Transferor)

(2) Mr. Yatin G. Dossa and Miss Bharti B. Patel.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 22 6th floor, Hill Neketan Co-operative Housing Society Ltd., C.T.S. No. 841 Mount Mary Road, Bandra, Bombay-400050.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR.II/37EE/39053/86-87 on 10-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-6-1987

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACT BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.M/37FE.39092/86-87.—Whereas, J. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,'- and bearing No. Flat No. 2, 1st floor Jagir Apartmeni Co-operative Housing Society Ltd., 35 Guru Nanak Road, Bandra (W). Bombay 400050.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—15—146 GI/87

(1) Mrs. Malti Sapru & Mr. J. N. Sapru.

(Transferee)

(2) Mr. Mobinali Hussain Bardanwalla, Mrs. Dilshad Mobinali Bardanwalla & Mr. Hasnain Mobinali Bardanwalla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor Jagir Apartment Co-operative Housing Society Ltd., 35 Guru Nanak Road, Bandra (W). Bombay-

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vader serial No. ARJI/37EE/39092/86-87 on 10-10-1986.

K. C. SHAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Date: 5-6-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACT BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.15/37EE.39098/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 314/22 Dunbill Co-operative Housing Society Ltd., Dr. Ambedkar Road, 4th floor, Bandra Bombay-100052,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of t of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Nasim Banoo Tahwerali.
  - (Transferor)
- (2) Mr. Moti Kismatrai Advani. (Transferee)
- (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—the terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

314 22 Dunhill Co-operative Housing Society Ltd., Dr Ambedkar Road, 4th floor, Bandra Bombay-400052

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Hombay under serial No. AR.II/37EE/39098/86-87 on 10-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 5-6-1987

Scal:

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

No. AR.II/37EE/39113/86-87.—Whereas, I,  $K_{c} \subset SHAH$ ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 and Bearing Nos. (i) S. No. 317, H. No. 1 & CS No. 1631. Bandra (W) & (ii) S. No. 317A, Hissa No. 2, CS No. C/1632 both situated at Dr. Ambedkar Road, Bandra (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office section 269AB of the Income of the Competent Authority at Bumbay on 10-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiefs of transfer with the chief of the chi ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, by respect of any income arising from the transfer. and, or
- (h) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely :---

(1) M/s. Amrit Enterprises

(Transferor)

(2) M/s. Raja Developers,

(Transferce)

(3) Nil.

(Persons in occupation of the property)
(4) (1) Mr. Anthony D'Souza
(2) Mr. Kevin Fernandes
(3) Mr. Y. Fonscea

(4) Mr. Nester Fernandes
(5) Mr. Voncy Fernandes
(6) Mr. Martin Percira

(7) Mis. Cotty Nunes(8) Mis. Jinny Gonsalves

(9) Mrs. Millan Gonsalves

(10) Mrs. Agnes Dias

(11) Miss Ammey Fernandes (12) Mr. Ossy Fernandes

(Person whom the undersigned knows to be Interested in this property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later; .
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(i) Land bearing S. No. 317, H. No. 1 & CS No. 1631, at Dr. Ambedkar Road, Bandra (W), Bombay-50.

(ii) Land bearing S. No. 317A, Hissa No. 2, CS No. C/1632, Bandra (W), Bombay-50.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39113/86-87 on 10-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-6-1987

Seul-

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

No. AR.II/37EE/39114/86-87.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301/3rd floor in Jyoti Building, 40-B, Rebelow

Road, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Raja Builders

(Transferor)

(2) Qamaruddin Ahmed Khan & Mrs. Suraiya Bano W/o Q. A. Khan

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301/31d floor in Jyoti Building 40-B Rebelow Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39114/86-87 on 10-10-1986,

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1987

Scal:

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

No. AR.II/37EE/39143A/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Shop No. 8, Ground floor, Bandra Natraj Co-op, Housing Society 1.td. 68, Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act; 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1986

Bombay on 10-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sunsfer with the object of 2-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jagmohan Singh Bedi

(Transferor)

(2) Blaze Home Products Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 8, Ground floor, Bandra Natraj Co.op. Housing Society 1 td. 68, Hill Road, Bandra, Bombay-50, The Agreement has been registered by the Compotent Anthority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39143A/86-37 on 10-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-6-1987

#### FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

No. AR.II/37EE/39144A/86-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 7, Ground floor, Bandra Natraj Co.op. Housing Society Ltd., 68, Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Harjit Bedi

...ansferor)

(2) Blaze Home Products Pyt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, Bandra Natraj Co.op. Housing Society Ltd., 68 Hill Road, Bandra, Bombay-50.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39144A/86-87 on 10-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-6-1987

Soal:

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

No.  $\Delta R.II/37EE/39164\Lambda/86-87$ .—Whereas, 1,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

31% share of Flat No. 61, Landmark, Carter Road, Bandra.

Bombay-50

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Pombay on 10-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C or the said Acc, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Capt. & Mrs. G. Vandergucht

(Transferor)

(2) Mrs. Loretta Alvares

(Transferee)

(3) Transferee

(Persons in occupation of the property)

(4) Mr. Desmond Alvares & Mr. David Alvares

(Person whom the undersigned knows to be interested in this property)

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

31% share of Flat No. 61, Landmark, Carter Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. ARJI/37EF/39164A/ 86-87 on 10-10-1986,

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-6-1987

Sen1

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

No. AR.II/37EE/39165A/86-87.—Whereas, I.

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 38% share of Flat No. 61, Landmark, Carter Road. Bandra

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Capt. & Mrs. G. Vandergucht

(Transferor)

(2) Mr. Degmond Alvares

(Transferee)

(3) Transferce (Persons in occupation of the property)

(4) Mrs. Loretta Alvares & Mr. David Alvares

(Person whom the undersigned knows to be interested in this property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

38% share of Flat No. 61, Landmrak, Carter Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EF/39165A 86-87 on 10-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-6-1987

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1987

No. AR.II/37EE/39166A|86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 31% share of Flat No. 61, Landmark, Carter Road,

Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facililitating the concealment of any income or any sampleys or other aserts which have not been or h eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---16-146 G1/87

(1) Capt. & Mrs. G. Vandergucht.

(Transferor)

(2) Mr. David Alvares.

(Transferee)

(3) Transferee.
(Persons in occupation of the property)

(4) Mr. Desmond Alyares & Mrs. Loretta Alvares.

(Person whom the undersigned knows to be interested in this property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

31% share of Flat No. 61, Landmark, Carter Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39166A 86-87 on 10-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 5-6-1987

Scal:

(1) Kalabharati Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Anne D'Souza.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1987

No. AR.II/37EE/39173A|86-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 302, 3rd floor, 'Valhalla', Corner of St.
Roques Road and Rebello Road,
Bandra, Bombay-50.
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed below),
has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 10-10-86

tion 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer. with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, 'Valhalla', Corner of St. Roques Road & Rebello Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39173A|86-87 on 10-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

view, imerefore, in apprenance of Section 269C of the said A, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the pressid property by the issue of this notice under substion (1) of Section 269D of the sale Act, to the following Jefori, zamoly :--

Dated: 5-6-1987

#### (1) Pce Jay Tradeis.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mr. Govind Hardasmal Advani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1987

No. A.R.II / K. C. SHAH, AR.II/37EE/39248|86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603, 6th floor, Mangal Swagat, CTS No. 627,

Perry Road, Bandra, Bombay-400 050.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 603, on the sixth floor, Mangal Swagat, CTS No. 627, Perry Road, New Kantwadi, Bandra, Bombay-400 050.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under scrial No. AR.II/37EE/39248|86-87 on 17-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :-

Dated: 5-6-1987

(1) M/s Alankar Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Laksmi V. Iyer Mr. Venkataraman Vaidyanathan.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1987

No. AR.II/37EE/39272 86-87.—Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, 'God's Gift' at Prof. Almedia Road, Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to said exceeds the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here'dy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 'God's Gift' Prof. Almedia Road, Bandra Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39272/86-87 on 17-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 5-6-1987

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. Murlidhar Naryan Chaini.

(Transferor)

(2) Sh. Sunder Gobindram Makhijani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE/39385|86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competant Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 4. Virgoville Co.operative Housing
Society Ltd., 31 Rajan Shirly Road,
Bandra, Bombay-400 050,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-86

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property have the transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULF

Flat No. 4, Virgoville Co.op. Housing Society, Rajan Shirly Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/39385/86-87 on 20-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 5-6-1987

## FORM LT.N.S.-

(1) Kedar Enterprises.

(Transfetor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Joseph Vincent Menézes & Mrs. Ninette Menezes.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE/39387|86-87.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 1st floor, 'Pam Ville' at 65, D'Monte Park Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at Bombay on 20-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of he Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of this said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, first floor 'Pam Ville' situated at 65 D'Monte Park Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

Ine Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/39387/86-87 on 20-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-6-1987

#### FORM TIME

(1) M/s. Alankar Enterpress.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kavita Harichandra Budhrani Mrs. Vandana Devidas Budhrani

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 5th June 1987

No. AR. II/37EE/39393/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing Flat No. 103, 'God's Gift, Prof. Almeida Road, Bandra, Bombay-400 050 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section

has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the he Competent Authority at Bombay on 20-10-86 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, in the building 'God's Gift' at Prof. Almeida Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/39393/86-87 on 20-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated ; 5-6-1987

#### FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 5th June 1987

No. AR. II/37EE, 39416/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 33 of the Suburban Scheme No. VI under H Ward
No. 1857, Perry Cross Road 6th Danda Scheme, Bandra
(W), Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income text Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Bhagat & Kapoor Housing Development Private Ltd. (Transferor)
- (2) Madarsa Jame Hidayat

(Transferee)

(3) Transferor (Persons in occupation of the property)

(4) Pratap Talwar
(Person whom the undersigned knows to be interested in this property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immaovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 33 of the Suburban Scheme No. VI under H Ward, No. 1857 Perry Cross Road, 6th Danda Scheme, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE, 39416/86-87 on 23-10-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-6-1987

## FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 5th June 1987

No. AR. II/37EE, 39486/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertyhaving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 128 No. 128

Building with Structures/Tenents 'Antonella, CTS No. F 128, 501 Linking Road, Bandra (West), Bombay situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Вольвау оп 24-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Mrs. Doloris D'Souza Mr. Gavin D'Souza Miss, Keran D'Souza Mr. Regan D'Souza

(Transferor;

(2) Kishore B. Shah (M/s. U. K. Builders)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building with Structures/Tenents 'Antonella, C.T.S. No. F 128, 501 Linking Road, Bandra (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE. 39486/86-87 on 24-10-1986.

K. C. SHAH Competent\_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--17-146 GI/87

Dated: 5-6-1987

FORM ITNS----

(1) Dalbirsingh Kathuria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Jammu Kishindas Dhankani 2. Anu Jampu Dhankani

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 5th June 1987

No. AR. 11/37EE. 39493/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and hearing No. Flat No. 24, K. Sara Co. op. Housing Society Ltd., Pali Road,

Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the servee of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 24, K'sara Co. operative Housing Society Ltd., Plot No. 240, Pali Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE. 39493/86-87 on 24-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-6-1987

## (1) Mrs. Kavita Shyamlal Luthria

(Transferor)
(2) The Jayabharat Credit & Investment Cö. Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 5th June 1987

No. AR. II/37EE, 39515/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/~ and bearing No. Flat No. 32, Palace Sea View Co. operative Housing Society Ltd., 48, Pali Hill, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the řádúštiční or svážiou of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHOOLS

Flat No. 32, Palace Sea View Co. operative Housing Society Ltd., 48 Pali Hill, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR. II/37EE. 39515/86-87 on 24-10-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acqu. Range-II, Bombay

Dated : 5-6-1987

## FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 5th June 1987

No. AR. II/37EE. 39540/86-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop B/24, Elco Arcade Co. op. Housing Society, 46 Hill Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Hassam N. Lallice

(Transferor)

(2) Sultan N. Lakhandwalla, Habib Sherali Jhaveri & Nasguddin Husseinali Patni

(Transferec)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. B/24, Elco Arcade Co.op. Housing Society, 46, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR. II/37EE. 39540/86-87 on 24-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-6-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE/39561/86-87.—Whoreas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 21, 2nd floor, Dattani Palace, Old CTS No. 236, N.A. No. 236(b), CTS Nos. 113 & 116 situated Behramjee Jeejeebhoy Road, Bandra, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, and agreement is registered under

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

M/s. Dattani Developments.

(Transferor)

(2) Bahadur Habib Valjee.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 'Dattani Palace', Old CTS No. 236, N.A. No. 236(b), CTS Nos. 113 & 116 situated Behramjee Jeejeebhoy Road, Bandra.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39561/86-87 on 27-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-6-1987

Scal:

(1) Shri Bharat J. Dattani.

(Transferor)

(2) Mr. Jaffar Habib Valjee and Jenabai Habib Valjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BUMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE/39562/86-87.— K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Dattani Palace, Old CTS No. 236, N.A. No. 236(b), CTS Nos. 113 & 116, Behramjee Jeejeebloy Road, Bandra situated at Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which deght to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, Dattani Palace on Plot bearing Old CTS No. 236 N.A. No. 236(b), CTS Nos. 113 & 116 situated Behram-jee Jeejeebhoy Road, Bandra.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39562/86-87 on 27-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .

Date: 5-6-1987

Sen1:

#### FORM ITMS-

## (1) P. P. Varkey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Rajju Devidas Shroff, HUF, Jai Rajju Shroff.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE/39588/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Acushla Co-operative Housing Society, B-Flat, 4th floor, Summer Palace, Pali Hill, Bandra, situated at Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Acushla Co-operative Housing Society, B-Flat, 4th floor, Summer Palace, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39588/86-87 on 27-10-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1987

Boal :

of the second (1) M/s Dawn Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Alexander Rasquinha, Mrs. Mary Antonia Rasquinha, Miss. Lucy Theresa Rasquinha, Miss Ida Julina Rasquinha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE/39672/86-87.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. C-103, on 1st floor of Building 'Surya', 79, Hill Road, Bandra (West) situated at Bombay-50 and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet'e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-103, on 1st floor of Building 'Surya' 79, Hill Road, Bandra (West), Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39672/86-87 on 30-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-6-1987

### FORM ITNS----

(1) Mrs. Margaret F. Merwan, Mr. Faroky Merwan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

(2) Mrs. Keshar N. Talcherkar Mr. Kamlakar N. Talcherkar.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE/39718/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. Flat No. 1, on ground floor, Bandra Beach View Co-op. Housing Society, 77 Chimbai Road, Bandra, situated at Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 30-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersog≃, namelv :----

18-146 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 on ground floor in Bandra Beach View Co-op, Housing Society, 77 Chimbai Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/39718/86-87 on 30-10-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-6-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II/37EE/38890/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, 3rd floor of 'Mi-Casa' Bandra situated at Bombay-52

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 30-10-1986

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the 'ellowing persons, namely :-

(1) M/s Devendra Construction Corporation (Transferor)

(2) Anand Mellaram Issrani and Karishna Anand Issrani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 3rd floor of 'Mi-Casa' Building at 24th Road, Bandra, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/38890/86-87 on 3-10-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-6-1987

(1) Mr. Sadhashiv Ramachandra Sathe,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Trichur Subramanian Narayan.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other persons interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

in that Chapter.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 4th June 1987

Ref. No. AR.III/37EE, 43042/86-87.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Transfer of shares & right of allotment Plot No. E-13, Shree

Transfer of shares & right of allotment Plot No. E-13, Shree Dattaguru Co-op. Housing Soct. Ltd., Sion Trombay Road, Deonar, Bombay-400 088 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Transfer of shares and right of allotment of plot No. E-13, Shree Dattaguru Co-op. Housing Society Ltd., Sion Trombay Road, Deonar, Bombay-400 088.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43042/86-87 dated 1-10-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Date: 4-6-1987 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

FORM I.T.N.S.~

(1) M/s. Kamla Foundation

(Transferor)

(2) Shri Shantilal K, Chheda.

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

Ref. No. AR.III/37EE/43083/86-87.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 7, Ground Fl., 'Chandrodya', CTS No. 1548 to 1570, 1571B of Kirol Village, L. B. S. Marg, Jivadaya Lanc, Ghatkopar (W). Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under transferred and the Incompetar Act. 1961 in the Office Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consuderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this extice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground Floor, 'Chandrodaya', CTS No. 1548 to 1570, 1571B, of Kirol Village, L. B. S. Marg & Jivadaya

Lane, Ghatkopar (W), Bombay-400 086.
The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Sr. No. AR-JII/37EE/43083/86-87 dated 1-10-1986.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 4-6-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 4th June 1987

Ref. No. AR.III/37EE/43043/86-87.—Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing Unit No. 102, 7, Udyog Nagar, Off. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trausfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Shilpa Sudhir Mehta.

(Transferor)

(2) M/s. L. V. K. Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 102, 7, Udyog Nagar, Off S. V. Road, Goregaon, (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43043/86-87 dated 1-10-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 4-6-1987

## FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Arun Anant Wadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Biranna Birappa Poojari & Anr.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

Rcf. No. AR.III/37EE/43145/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bungalow No. 31, Vasant Vihar Complex (Wadhavali Read), Chembur, Bombay-400 071 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986

at Bombay on 1-10-1986

at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weslits-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 31, Vasant Vihar Complex, (Wadhavali

Road), Chembur, Bombay-400 071.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43145/86-87 dated 1-10-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-6-1987

## .(1) Shri Kewal Kishan H. Agarwal & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lalit Construction Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGF-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

Ref. No. AR.HI/37EE/42860/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Several pieces and/or parcels of land in village Nahur Mulund in Taluka Kurla, S. No. 44, H. No. 2 (CTS No. 667P) 103, H. No. 2 (CTS No. 666P), 53, H. No. 2 (CTS No. 700P), 54, H. No. 4 (CTS No. 699) 101, H. No. 3 (CTS No. 701) and 104, H. No. 1 (CTS No. 665P) situated at Bombay

at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market unless of the property as a foresaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Several pieces and/or Parcels of land in village Nahur, Mulund in Taluka Kurla, Survey No. 44, H. No. 2 (CTS No. 667P), 103, H. No. 2 (CTS No. 666P), 53, H. No. 2 (CTS No. 700P), 54, H. No. 4 (CTS No. 699), 101, H. No. 3 (CTS No. 701) and 104 H. No. 1 (CTS No. 665P).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42860/86-87 dated 1-10-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followinpersons, namely :-

Date: 4-6-1987

#### PORM ITNS----

- (1) Tusidas V. Patel Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Rajesh Construction (Bombay).

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

Ref. No. AR.III/37EE/42964/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land at Chunabhatti & Khanjura Bhatti Wadi, bearing Survey No. 267, Hissa No. 1 (p) and S. No. 287, Hissa No. 1, alongwith Bldg. No. 3 under construction, Chunabhatti, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Chunabhatti & Khanjura Bhatti Wadi, bearing Suryey No. 267, Hissa No. 1 (p) and S. No. 287, Hissa No. 1, Bldg. No. 3 under const., Chunabhatti, Bombay-400 070.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42964/86-87 dated 1-10-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-6-1987

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### ACQUISITION RANGE-III OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGEIII BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

Ref. No. AR.III/37EF/42714/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/+ and bearing No.

Tenement No. A11,41, consisting of four rooms, kitchen Varanda on Gr. Floor Rajawadi C.H.S. Opp. Rajawadi Municipal Hospital, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 19—146 GI/87

(1) Shri Sakharam Gopal Mangaonkar.

(Transferor)

(2) Mrs. Bharati Devi Subhas Chandra Jain & Anr. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Tenement No, A11/41 consisting of four rooms, kitchen, Varandah on the ground floor Rajawadi Co-op. Housing Society. Opp: Rajawadi Municipal Hospital, Ghatkopar (E), Bombay-400 077.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42714/86-87 dated 1-10-1986

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 4-6-1987

(1) Shri Kantilal Ranchhoddas Shah.

(Transferor)

(2) M/s. D. K. Patel & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June1987 - 1

Ref. No. AR.III/37EE/42568/86-87.--Wherote, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1.00 1000, and bearing her value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 427, of Suburban Scheme No. III with Building Chembur, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Plot No. 427 op Suburbin Scheme No. III, Chembur, Bombay, with Building.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42568/86-87 dated 1-10-1986

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pertone, namely :--

Date: 4-6-1987

Soul :

#### FORM ITNE .-

- (1) Shri Varant Gajanan Dandekar.
- (Transferor)
- (2) Smt. Charulatt C. Shah & Anr.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESSION COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 4th June 1987

Ref. No. AR.111/37EE/42960/86-87.—Whereas, J. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Tenament No. B-12-196, Rajawadi Co-op. Society, Withouther (6) Property 100 077

Vidyavihar (E), Bombay-400 077 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of between the transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b.) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) fasilizating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Tenament No. B-12-196, Rajawadi Co-op. Society, Vidya-

vihar (E), Bombay-400 077.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42960/86-87 dated 1-10-1986

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-6-1987

#### .KM ITNS-

(1) Sebastian John D'Souza, & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Jaikaran Singh & Sons.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

Ref. No. AR.III/37EE/42612/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All that piece or parcel of land at village Kanjur CTS No. 1056 Plot No. 3 (Old S. No. 38(p) and Tikka No. 85, Rombay

Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). All that piece or parcel of land or ground lying and being at village Kanjur CTS No. 1056, plot No. 3 (Old S. No. 38(p) and Tikku No. 85, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42612/86-87 dated 1-10-1986

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-6-1987

#### FORM I.T.N.S .-

(1) Mr. A. K. Chakravarty & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. K. Seethalakshmy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

Bombay, the 4th June 1987

(b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EF/42977/86-87.—Whereas, I,

Ref. No. AR.III/37EF/42977/86-8/.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Building No. 1A, Atur Lawns CHSL, Sion Trombay Road, Chembur Bombay-71 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income\_tax Act, 1961 in the office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, Building No. 1A, Atur Lawns CHSL Ltd. Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. ARJII/37EE/42977/86-87 dated 1-10-1986

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-6-1987

(1) Shri Gandhi H, C. & Anr.

(Transferor)

(2) Shri Sunil K. Gupta & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> CQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 4th July 1987

Ref. No. AR.111/37EE/43108/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Important Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Unit No. 1, consisting of Gr. & 1st floor and Unit No. 2

consisting of two upper storey, staircases, balconies standing on piece of land being plot No. 1 of the property of Deonar CHS Ltd. Deonar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afterestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersumed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

thenays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 1, consisting of Gr. & 1st floor and Unit No. 2, consisting of two upper storey, staircases, balconies standing on a piece of land being plot No. 1 of the property of Deonary CHS Ltd. Deonar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43108/86-87 dated 1-10-1986

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Date: 4-6-1987

Seal:

Now, therefore, in pussuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followhag persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

No. AR.III, 37EE / 42554 86-87.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. five shares and right of allotment and occupation at plot No. 1-3, Shree Dattaguru C.H.S. Ltd. Deonar, Bombay-400 088,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consi-deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Suhasini Achyutanand Karpe.

(Transferor)

(2) Madhav Dattatray Kantkar & Ars.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gatette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give In that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Five shares and right of allotment and occupation at Plot No. !-5, Shree Dattaguru Co-op. Housing Society Ltd. Deonar, Bombay-400 088.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37FE/42534/86-87 on 1-10-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-6-1987

#### FORM ITNS----

(1) Bharat Chemicals Works.

(Transferor)

(2) Rajesh Construction (Bombay).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

No. AR.III/37EE/42965|86-87.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land at Chunabhatti & Kanjura Bhatti Wadi, bearing survey No. 192, plot Nos. 1, 2, 3, 4, 5 & 6, Falni Nos. 3 & 4 Revisional S. No. 286, Plot No. 1, along with Bldg. No. 5, 6, 8, & 9 under const. Chunabhatti, Bombay-400 070,

situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act. in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land at Chunabhatti and Kanjur Bhatti Wadi bearing original S. No. 192, plot Nos. 1, 2, 3, 4, 5 and 6 Falni Nos. 3 & 4, Revisional Survey No. 286, plot No. 1 along with Bldg. Nos. 5, 6, 8 and 9 under construction, Chunabhatti, Bombay-400 070,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42965[86-87 on 1-10-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-6-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

No. AR.III 37EE /42913[86-87.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land bearing plot No. 4,

C.T.S. No. 528, together with Bungalow thereon 'Prasad'—Shivaji Nagar, Malad (E), Bombay 97,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 1-10-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

20-146 GI/87

(1) Madhukar Keshav Joglekar and Ors.

(Transferor)

(2) Raghavji Umarshi Vira/Shah & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing plot No. 4, Scheme-I, CTS No. 528, together with a Bungalow thereon named 'PRASAD'—Shivaji Nagar, Malad (East). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR, III/37EE/42913|86-87 on 1-10-1986,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-6-1987

#### (1) Mr. Esmail Shamsuddin & Others.

(Transferor)

(2) M/s Sams Developers.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

No. AR.III/37EF/42967-A|86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

#### Annexure

#### Description of property

Survey No.	Hissa No.	City Survey No
19	2/3A	33
	. 3B	33/ 1 to 1:
	4 to 6	
	9 (part)	
	10 to 16	
	23/24	
23	4	34
22	10/16	35
21	2	36
		48

Laying at K heri Road, Opp. Jai Mata Temple, Bombay 400

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the abresald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Annexure.

Description of property.

Lpnd bearing

Survey No.	Hissa No.	City Survey No.
19	2/3A	33
	3 <b>B</b>	33/1 to 45
	4 to 6	
	9 (part)	
	10 to 16	
	23/24	
23	4	34
22	11/16	35
21	2	36
		48

lying at Kurla Andheri Road, Opp. Jai Mata Temple, Bombay 400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42967-A|86-87 on 1-10-1986, on 1-10-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-6-1987

- (1) Shri Hariprasad J. Goenka. (2) Shri Purshottamdas D. Shroff.
- (Transferor)
- (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th June 1987

No. AR.III/37EE/42890|86-87.--Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. A-17, A-18, Gr. Fl. S.V. Road, Piramal Indl. Estate, Goregaon (W), Bombay-62, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under section 220 AB of the Inverse tax Act 1004 in the effect of the 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax nder the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. A-17 and A-18, Gr. Fl. Piramal Indl. Estate, S.V. Rd., Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42890[86-87] on 1-10-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-6-1987 Seal:

#### PORM ITNS-

(1) Smt. K. Hansrai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Welsh Investments and Trading Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12916/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing
No. Shop No. 2 on Ground floor, 'Om Chambers' August

Kranti Marg, Bombay-400 036, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2 on Ground floor, 'Om Chambers' August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/10831 86-87 on 13-10-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-6-1987

#### FORM LT.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Rcf. No. AR-I/37EE/12918/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 50, Dariya Mahal, Sagar Teer CHSL, 80 A Napean

Sea Rd. Bombay-6.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sabaji Trimbak Chitnis.

(Transferor)

(2) Shri Vinit Ratilal Shah & Ratilal M Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- .(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 50, Dariya Mahal, Sagar Teer CHSL, 80 A Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10832/86-87 on 13-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-6-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12929/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 25, 'Gulistan' and Garage No. 7, 13 Carmichael

Road, Bombay-400 026. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bo.nbay on 13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Hiranand J Chandiaramani, Through His Duly Constituted Attorney, Mr. G. K. Daryanani.

(2) Hindustan Level Limited.

(Transferor) (Transferec)

(3) Hindustan Level Limited. (Person in occupation of the property)
(4) Hindustan Lever Limited.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in 1the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 25, 'Gulistan' and Garage No. 7, 13, Carmichael

Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10835/86-87-on 13-10-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 2-6-1987

(1) Shri Ramankant V Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Paresh R Shah,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sende in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR-I/37FE/12937/86-87.—Whereas. I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 115 in B wing of Shanti Nagar building, 98, Napean Sec. Read. Parabley 6

Sea Road, Bombay-6. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under vection 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1897 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 115 in B Wing of Shanti Nagar Building, 98, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10839/86-87 on 13-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-6-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EF/12938/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the salue Act; having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3-B, 3rd floor, Garage No. 37, in the building known as Brighton-1, 68D, Rungta Lane, Off Napean Sea Road, Bombay-6. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 195' (27 of 1957);

(1) Mr. Rustum D Choksi, Mr. Minoo H Mody, Mr. Noshir S Dhabhar (Executors & Trustees of the late Mr. Jehangir D Choksi).

(Transferor)

(2) Miss Shireen D Gazdar & Mr. Dinshah J Gazdar.

(Transferce)

(3) Miss Shireen D Gazdar.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3B, 3rd floor, Brighton-1, Brighton CHSL, Rungta Lane, 68-D, Off Napcan Sea Road, Bombay-6 and Garage No. 37.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10840/86-87 on 13-10-86.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice office sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 2-6-1987

(1) Pradeep Sajdeh.

(Transferor)

(2) Ahmed Munjee.

(Transferce)

(3) Pradcep Sajdeh.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12942/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31, 3rd floor, Rajat Apartment CHSL, Mount Pleasant Rd. Malabar Hill, Bombay-400 006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 31, 3rd floor, Rajat Apartment CHSL, Mount Pleasant Road, Malabar Hill, Bombay-6. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10841/86-87 on

THE SCHEDULE

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Borabay

Date: 2-6-1987

13-10-86.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---21-146 GI/87

Objections, if any, so the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) Shri Raichand S Binaykia.

(Transferor)

(2) Shri Bharatbhai K Sutaria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12946/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 132, 13th floor, Monalisa, Bomanji Petit Road, Rombay-400 026.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 132, 13th floor, Monalisa, Bomanji Petit Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10842/86-87 on 13-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

Date: 2-6-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12952|86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Pos. 1 (0) (0) (10) and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5.1, 5th floor, Spenta CHSL, B. G. Kher Marg (Gibbs Rd) Bombay-6 & Garage situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

(Transferor)

(2) Mr. Erach R. Viccajee, Mrs Avan E Viccajee, Miss Sherene E Viccajee.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5.1 on 5th floor, Spenta CHSL, B. G. Kher Marg (Gibbs Rd) Bombay-6 & Garage.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10844|86-87 on 13/10/1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 2-6-1987

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12953|86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing \$\frac{1}{2}\$ (B. Kher Marg, Bombay-400 006 situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- .(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

- (2) Dr. Dossu J. Chanduwadia, Mrs, Hutoxi D Chanduwadia & Mr. Khushroo J. Banaji. (Transferee)
- (3) Transferor.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4.2 on 4th floor Spenta CHS B. G. Kher Marg, Gibbs Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10845|86-87 on 13-10-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-6-1987

#### FORM 1.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

une 1987 Bombay, the 2nd

Ref. No. AR-I/37EE/12954/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 2.4, 2nd floor, Spenta CHSL, B. G. Kher Marg, (Gibbs Rd) & Garage, Bombay-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Bachi Dady Katrak & Mr. Adi Dady Katrak (Transferee)
- (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2.4, 2nd floor, Spenta CHSL B. G. Kher Marg, (Gibbs Road) Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10846|86-87 on 13/10/1986. Competent

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Ac quisition Range-I, Bombay.

Dated: 2/6/1987

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Yashomati Jayantilal

(Transferor)

(2) Mrs. Piyusha C Mody, Mr. Chandrakant K Mody. Karta & Mansgrt of Chamdrakant K Mody,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12956|86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs 1,00,000/- and bearing
Flat No. 15/B, 2nd floor, Malabar Apartments CHSL,
Napeansea Road, Bombay-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered than the schedule annexed hereto). Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at at Bombay on 13/10/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15/B, 2nd floor, Malabar Apartments CHSL, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10847|86-87 on 13/10/1986. Competent

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Ac quisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lissue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 2/6/1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 2nd une 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12958/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

r. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-1, 14th floor, Prithvi Apartments, 5 Altamount Road, Bombay-26.

persons, namely :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the same is registered under Section 269AB of the has been transferred

Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13/10/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri S. B. Saigal & Smt. S. S. Saigal.

(Transferor)

(2) Shri N. P. Chhabria.

(Transferee)

(3) Transforors

(Person in occupation of the property)

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

flat No. A-1, 14th floor, Prithvi Apartments, 5 Altamount Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent uthourty, Bombay under No. AR-1/37EE/10849 86-87 Competent Authoirty, on 13/10/1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 2-6-1987

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12959|86-87.-Whereas, I, N. BANSAL

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 10th floor, Sky scrapper A, Sind Work CHSL, Plot No. 4,697, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section.

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. N. P. Chhabria.

(Transferor)

(2) Mr. S. B. Saigal & Smt. S S Saigal.

(Transferee)

(3) N. P. Chhabria (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later)
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 10th floor, Sky Scrapper A, Sind Work CHSL, plot No. 4/697, Bhulabhai Desai, Road Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay, under No. AR-I/37EE/10850|86-87 Authority, Bon on 13/10/1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 2/6/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12962/86-87.—Whereas. 1, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 221, 22nd floor, Silver Arch, Napeansca Road,
Bombay-6 & Two parking spaces
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

22-146 GI/87

(1) Mrs. Vimla J Taktawala

(Transferor)

(2) Mr. Sureshchandra C Mehta, Mrs. Anila S Mehta, Mr. Rajkumar S Metha

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 221, 22nd floor, Silver Arch, Napeansea Road,

Bombay-6 & 2 parking spaces.

Thee agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10851/86-87 on 13-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 2-6-87

#### FORM 1.T.N.S.----

(1) Mr. Yacoob Cassim Bham

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lachman Maghanmal & Mr. Arjan Maghanmal

· (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-J BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12966/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11 on 1st floor, May Flower CHSL, Carmichael

Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trensferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 on 1st floor, 'May Flower' CHSL, Carmichael Road, Bombay 26.

The agreement has been registered by his Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EF/10852/86-87 on 13-10-86

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, there care, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-6-87

FORM ITNS-(1) Mr. Madhu T Sanghani & Mrs Shobhana M Sanghani

(Transferor) (2) Patel Cotton Company Ltd.

· (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-1/37EE, 12971/86-87.-Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 3 on 3rd floor, Aubans Apartments of New Rubans
Apartments CHSL, 30, Setalvad Road, Bombay-36
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 3rd floor, Rubans Apartments of New Rubans Apartments CHSL, 30, Setalvad Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10854/86-87 on 13-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-6-87

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12977/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 65B 6th floor, Block B Miramar, New Miramar CHSL, Napeansea Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Arjan Vermal Thakur

(Transferor)

(2) Chandrakant Kantilal Shah

(Transferee)

(3) Transferor (4) Transferor

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 65B 6th floor, Block B, Miramar, New Micamar CHSL, Napeansea Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10856/86-87 on 13-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-6-87

#### FORM J.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12979/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st floor, Building No. II (proposed) & Car parking space, 65/67, Warden Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombav on 13-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) M/s Avanti Housing Enteprises
- (2) Kailashnath Surendramath

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor (Person

whom the undersinged knows to be intersted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Building No. II, (proposed building) & car parking space 65/67, Warden Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10857/86-87 on

13-10-86.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monove or other assets which have not been er which stight to be distinced by the trans the purposes of the Indian Income-ten Act, 1922. (11 of 1922) or the said Ast, or the Wesith-tax Ast, 1957 (27 of 1967);

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-6-87

(1) Shri Anandraj M Rakhecha

(Transferor)

(2) Shri Saifuddin Abdeali Khanii

(Transferec)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12985/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

r. N. BANDAL, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Clinic No. 5, Ground floor, 'Doctor House' 14, Pedder Road, Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule and the competition of the Schedule and the sched

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Clinic No. 5, Ground floor, 'Doctor House' 14, Pedder Rd., Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10859/86-87 on 13-10-86

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombuy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-6-87

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12989/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 71, Ritu Apartment CHL, Doongersey Road, Mala-

bar Hill, Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said A ct, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Murari Lal Gupta Kamanwala Shri Narendra Kumar Gupta.

(Transferor)

- (2) Shri Pratap Bohra,
  Father & Natural Guardian of his Minor son
  Master Tarun Bohra and Jaipal Jain, Karta & Manager of his Joint & Undivided Hindu Family.
- (Transferce) (3) Bank of Credit & Commerce International Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 71, Ritu Apartment CHL, Doongersey Road, Malabar Hill, Bombay-6,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10862/86-87 on 13-10-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-6-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961) GOVERNMENT OF IMPLA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13011/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, 2, 5th floor, APENTA CHSL, B. G. Kher Marg, Bombay-6

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 14-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not seen truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Trustees of the Parsl Punchayat Funds & Properties. (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Zarin Pesi Dadina, Mr. Pesi Nanabhoy Dadina, Mr. Navzer Kersi Dadina, Miss Varez Kersi Dadina.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5.2, 5th floor, Spenta CHSL, B. G. Kher Marg, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10868/86-87 on 14-10-1986,

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 2-6-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-VII, ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13017/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 5th floor, II Monte CHSL, L. D. Ruparel Road, Rombay 400,006

Bombay-400 006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomay on 14-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

23--146 GI/87

(1) Shri Asok R. Patel. Shri Alerk A. Patel. Shri Siddarth A. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Amit M. Mehta, Smt Cherry A. Mehta, Shri Mahendra N. Mehta & Smt. Kokila M, Mehta.

(Transferce)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18, 5th floor, II Monte CHSL, L. D. Ruparel

Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10870/86-87 on 14-10-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f Bombay

Date: 2-6-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Shri Vallabhdas G. Thakkar.

(Transferor)

(2) Dr. Bhimsen G. Singhal & Mrs. Asha B. Singhal.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13023/86-87,-Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1-B on 1st floor, Vaibha building, Modern Breach Candy CHSL, 80, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sponeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1-B on 1st floor of Vaibhav building Modern Breach Cundy CHSI., 80, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bomay, under No. AR-I/37EE/10872/86-87 on 14-10-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-6-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mr. Pankaj K. Shah.
- (Transferor)
- (2) Mr. Rajiv S. Modi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13028/86-87.—Whereas I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 172, 17th floor, Pushpak Apartment, Indrasen CHSL 31, Altamount Road, Bombay-26 and car parking space No. 6

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), hus been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chupter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 172, 17th floor, Pushpak Apartment, Indrasen CHSL, 31, Altamount Road & Car Parking space No. 6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10889/86-87 on 27-10-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-6-1987

#### FORM I.T.N.S.-

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-1/37EE/13029/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7D, Crystal, The Crystal CHSL, 36 Altamount Rd.,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. Moti S. Daswani.
- Mr. Pankaj K. Shah.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Mr. Moti S. Daswani. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7-D, Crystal, The Crystal CHSL, 36, Altamount Rd.. Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10890/86-87 on 27-10-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-6-1987

(1) Mrs. Madhuri K, Kothari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sharda S. Saigal, Mrs. Alka Bali Ahuja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13050/8687.—Whereas I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 21, 2nd floor Nirmala Mahal, Romanji Petit Road, Rombays 26.

Bombay-26, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor Nirmala Mahal, Bomanji Petit Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10897/86-87 on

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2 69D of the said Act, to the following persons, namely :-

Datel: 2-6-87.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mrs. Radhika Shewakram Budhrani.

(Transferor)

(2) Mr. Dilip Kantilal Zaveri, Mr. Arvind Kantilal Jhaveri.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13065/86-87,--Whereas I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6A, 6th floor with open Garage No. 61 (6A) of Lad End CHSL, 29/D, Doongersey Road, Bombay-

400 006,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section Lands End CHSL, 29/D, Doongersey Road, Bombay-29-10-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- '(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6A, on 6th floor with open garage No. 61 (6A) of Lands End Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 29-D, Doongersey Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10898/86-87 on 29-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Datel: 2-6-87.

(1) Mr. Harilal Narindardas Lakhi, Mr. Kanyalal Narindardas Lakhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Madhuri K. Kothari & Mr. Kartik L. Kothari.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13066/86-87.—Whereas I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair-market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11 nd floor, Secta Mahal, Bomanji Petit Road,

Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/10/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a second that the the fair market when the fa believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 11, 2nd floor, Seeta Mahal Bomanji Petit Road, Bombay-36

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10899/86-87 on 29-10-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2/6/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Homi M. Irani & Piloo H. Irani.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh J. Patel, Mrs. Sarla R. Patel.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13068/86-87.—Whereas I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 75 & open Garage, Valentina CHSL, N Gamadia

Road, Bombay-26,

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/10/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Flat No. 75 & open Garage, Valentina CHSL, N. Gamadia Road, Bombay-26.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10901/86-87 on 29-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2/6/1987

#### FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13069/86-87.—Whereas I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 61 on 6th floor, with Garage at the building 'Paradise Apartments' at 44 Napean Sea Road, Bombay-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/10/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the passies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-property having a fair market value exceeding transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

24-146 GI/87

(1) Mrs. Marjorie Ellis Reuben.

(Transferor)

(2) 1. Shri Praveenshankar P. Pandya,
2. Smt. Namita P. Pandya,
3. Shri Akshayshankar P. Pandya,
4. Master Siddarth P. Pandya &
5. Master Avinash P. Pandya
(ather & Natural Guardian Shri Praveenshankar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 61 on 6th floor alongwith Garage at the building 'PARADISE APARTMENTS' at 44 Napean Sea Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10900/86-87 on 29-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I.
> Bombay.

Date: 2/6/1987

FORM ITNS----

The state of the s

(1) Mrs. Ranjini Kalappa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hilla S. Divecha.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-1/37EE/13076/86-87.—Whereas I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 903, 9th floor, Cumballa Crest, Cumballa CHSL, A Block, Bombay-20, 42 G. D. Marg (Pedder Road). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/10/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or

(b facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if early, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 903, 9th floor, Block A, Cumballa Crest, Cumballa CHSL, 42 Gopalrao Deshmukh Marg (Pedder Road), Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10903/86-87 on Dated: 20/10/1987.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7./6/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Rcf. No. AR-I/37EE/13080|86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 18-B 2, 18th floor, Woodlands, New Woodland CHSL, 67, Pedder Road, Bombay-26.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd Amrish M. Tejani & Hemlata Manilal (Trustees of Dhanji Devset Trust Settlement No. 1 Schedule II for Mani-lal Dhanji Tcjani being First Vendors) Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd. Amrish N. Tejani and Jyoti Jagjivan (Trustees of Dhanji Devsey Trust Set-lement No. 1, Schedule III for Jagjivan Dhanji being Second Vendors.)

(Transferor)

(2) Kishore R Zaveri, Nandkishore K-Zaverl, Yashovardhan Kishore Zaveri & Mrunal K. Zaveri. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18-B2, 18th floor Woodlands, New Woodland CHSL, 67, Pedder Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10905|86-87 on 29-10-1986.

P. N. BANSAI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority Acquisition Range-I Bombay.

Dated: 2-6-1987

(1) Sh. Haresh C. Master.

(Transferor) (2) Smt. Premlata Chordia & Smt. Nayantara Chordia. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-1/37EE/13082|86-87.-Whereas, I, P. N. BANSAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 95. 12th floor, OM DARIYA MAHAL CHSL, 80, Napean

Sea Road, Bombay-6. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 95, 12th floor, OM DARIYA MAHAL CHSL. 80, Napean Sca Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10907/86-87 on 29-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I handly initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 2-6-1987

Scal:

#### FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

AR-1/37EE/13090/86-87.—Whereas, I, Ref. No.

P. N. BANSAL,

being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 21, Gulmarg CHSL,

Napeansea Road, Bombay-400 006.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such tignsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sh. Chetanya Raj Singh.

(Transferor)

Sh. Takhatmal A Chopra, Sh. Indermal A Chopra, Sh. Mahendrakumar A Chopra.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, Gulmarg CHSL, Napeansea Road, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10910|86-87 on 30-10-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Dated: 2-6-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Surendra Industries Pvt. Ltd.
 Stamina Holding Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Rcf. No. AR-I/37EE/13093186-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 48 the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 16th floor, Mont Blanc Apartments, August

Kranti Marg, Bombay-26. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-86 for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat on 16th floor, Mont Blanc Apartments, August Kranti Marg, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10912|86-87 on 30-10-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 2-6-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombly, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13095/86-87,---Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5D on 5th floor, Wing A, Abhilasha at CS No. 530, Gowalia Tank Road, Bombay-400 036 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a coresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Jogeshkumtr Bansal & Sons, HUF Karta Jogeshkumar Bansal.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Ila Jitendra Mehta, Mrs. Mayuri Haresh Mehta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5D on 5th floor, Wing A, Abhilasha at CS No. 530, Gowalia Tank Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10913/86-87 on 30-10-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-6-1987

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13096/86-87.-Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 502, 5th floor, Atmaj CHSL. 94/C,
August Kranti Marg, Bombay-36
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kattie Jimmy Baria, Miss Yasmin J Maria Miss Firoza J Baria,

(Transferor)

(2) Smt. Taraben Suryakant Zaveri, Shri Samir Suryakant Zaveri.

(Transferce)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later:
- (b) by any other person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502 on 5th floor, ATMAJ Co-op Hsg. Soc. Ltd., 94/C August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Computent uthority, Bombly, under No. AR-1/37EE/10914/86-87 Authority, Boon 30-10-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paraller: nersons, namely :--

Date: 2-6-1987

(1) Duncan Brothers & Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Angel Investments Pvt. Ltd.

(3) Mrs. Uma Goenka.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombty, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EF/12871/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 38, Usha Kiran Building, New Usha Kiran HSL, 15 M.L. Dahanukar Marg. Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-146GI/87

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shalf have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 38 Usha Kiran Building, New Usha Kiran CHSL, 15, M. L. Dahanukar Marg, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/1083-A|86-87 on 13-10-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 2-6-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 2nd June 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13343/86-87,---Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hexeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Flat No. 9/B, Gitanjali, 9 Navroji Gamaia Cross Road, Bombay 26 Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market viaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market viaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Neil Creado Darryll A Creado, Winston J Creado, Colin V Creado & Astor T Creado.

(Transferoi)

(2) Mr. Bakulesh C. Sheth.

(Transferee)

(3) M/s. Samuel Dracup & Sons (1) P. Ltd.

(Person in occupation of the property)
(4) M/9. Samuel Dracup & Sons (1) P. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the swid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9/B, Gitanjali, 9, Navroji Gamadia Cross Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10842-A[86-87 on 13-10-1986,

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-6-1987

Seal ·

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 28th May 1987

IGJ. R. No. D-64/Acq.—Whereas, I, SMT. SAROJINI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. 5, Agriculture land (Arazi) situated at Surkha Chhawni, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/ Sub-Registrar

at Bareilly on 2-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S/Shri

(1) 1. Surender Mohan Arora G. Attorney Janki Nath Sahni Self and Karta Joint Hindu Family Guardian

- Km. Sarita
   Km. Rajni
- 4. Km. Neelu &
- 5. Km. Reetu (Minor)
- 6. Km. Reetu
- Km. Shammi
- 8. Km. Varsha
  9. Km. Inoo (Minor)
  D/o Shri Janki Nath Sahni,

(Transferor)

(2) M<sub>c</sub>/s. Door Sanchar Sahkari Avas Samiti Ltd., Bareilly Regn. No. 979 Through Secretary Shri Virendra Swaroop Saxena and

President Amrendra Nath Dev

(Transferce)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

5 Agricultural pieces of land 3-17-11) situated at Surkha Chhawni Bareilly (Total area is 9522 sq. mtrs. as per Chief Sub-Registrar, Bareilly letter dated 15-5-1987) (as mentioned in Form 37G).

> SMT SAROJINI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following retsons, namely :--

Date: 28-5-1987

Scal:

#### INION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

#### S.O<sub>1</sub> /STENOGRAPHERS (GRADE "B"/GRADE-I) 1 IMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1987

New Delhi, the 11th July, 1987

No. F.9/2/87-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select List for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade-I/Grade B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 8th Liecember, 1987 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, GANGTOK, MADRAS AND NAGPUR in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Training in the Gazette of India dated 11th July, 1987.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION. (See Annexure I, para 7 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

#### Category I

Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service

#### Category II

Section Officer's Grade (Integrated Grade II & III) of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch "B"

#### Category III

Section Officer's Grade of the Railway Board Secretariat Service

6%

Category IV

Grade 'B' of the Central Secretariat Stenographers' Service.

#### Category V

Grade I of the Stenographers cadre of the Indian Foreign Service Branch "B"

#### Category VI

Grade "B" of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service.

8 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates and 1 for Scheduled Tribes candidates)

#### Category VII

Grade "B" of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service.

#### Category VIII

Section Officer's Grade of the Intelligence Bureau.

10 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 2 for Scheduled Tribe candidates)

The above number is liable to alteration.

"Vacancies not intimated by Government.

%Communal composition of the vacancies not intimated by the Government.

- 3. A candidate who is eligible for two Categories of Services (c.f. Rule 3) and wishes to compete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.
- N.B. Candidates must indicate clearly in their applications the Category/Categories for which they are competing. Candidates competing for two Categories should specify in their application the two Categories in the order of preference. No request for alteration in the order of preferences for the categories originally indicated in his application by a candidate competing for 2 Categories would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the Employment News.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form or expirestion. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Com-

mission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal, Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be tefunded.

Note.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the S.Os/Stenographers' (Grade 'B'/Grade-I) Limited Departmental Competitive Examination, 1987. Applications on forms other than the one prescribed for the S.Os/Stenographers' (Grade 'B'/Grade-I), Limited Departmental Competitive Examination, 1987 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 24th August, 1987 (7th September, 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba Distt. of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 24th August, 1987 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 24th August, 1987.

Note.—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled

to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28 (Rupees Twenty-eight) through Central Recruitment Fee Stamps or crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi, General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

Candidates belonging to Schedule Castes/Scheduled Tribes are not required to pay any fec.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

7. If any candidate who took the S.Os/Stenographers (Grade B/Grade I) Limited Departmental Competitive Examination, 1986 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1986 Examination. If his name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1986 Examination, his candidature for this Examination will be cancelled on request and the fee refunded to him provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days of the date of publication of the final results of the 1986 Examination in the Employment News.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 7 nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 10. The question paper on General Studies as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questicas, reference may be made to "Candidates Information Manual" at Annexure II.

M. K. KRISHNAN
Dy. Secretary
Union Public Service Commission.

#### ANNEXURE-I

#### Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are cligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 9th November, 1987 will not be entertained under any circumstances.

2. The Application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the applica-

tion form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. As the application forms are processed by a computerised system, they should take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned who will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft or Central Rectt. Fee Stamps or Indian Mission Receipt for the prescribed fee, (See para 6 of Notice), Central Rectt. Fee Stamps should be pasted on the first page of the Application Form in the space provided for the purpose.
  - (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cms × 7 cms. approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
  - (iii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
  - (iv) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.

Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) are given below:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Qrders which are neither crossed nor made payable to the Gecretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(c) 'Central Recruitment Fee' Stamps for the Prescribed fee-

'Central Recruitment Fee' Stamps (NOT postage stamps) may be obtained from the post office and affixed on the first page of the application form in the space provided therein. The stamps may be got cancelled from the issuing Post Office with the date stamp of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate the identification of date and the Post Office of issue.

'Postage Stamps' will in no case be accepted in lieu of 'Central Recruitment Fee' stamps.

Note (i).—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii).—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 28.00 (Rupees Twenty-eight)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission—Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Two copies of Photograph—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. ∨ 7 cm approx.) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any of the documents mentioned under paragraph 3(i) and (ii) above, it will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or after or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 6. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged, and Application Regn. No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Regn. No. has been issued to the candidate does not, ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 8. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates manual for UPSC Objective Type Examinations". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of UPSC Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the

five preceding examinations are on sale with Controller of Publications. Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch of Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road Calcutta-700001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agent for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 10. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) APPLICATION REGN. NO/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF APPLICATION REGN. NO/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

11. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATION SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE-II

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

The General Studies paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This manual in intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

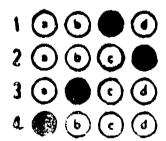
#### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3.....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct then the best answer. (See "sample items" at the end) In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been, printed in four Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



#### IT IS IMPORTANT THAT—

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose you must bring along with you an eraser also.

Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wronkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No Candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticuously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test you must follow his instructions immediately.
- Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner and a pen containing bule or black ink.

You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along, with your Answer Sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the

invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the Booket number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (OUESTIONS)-

(Note: -\*denotes the correct/best answer-option).

1. (General Studies).

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.
- 2. (English).

(Vocabulary - Synonyms).

There was a record turnout of voters at the municipal? elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

#### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below.

- . \*(a) spraying with growth regulators
  - (b) planting wider apart
  - (c) planting in the correct season
  - (d) planting with close spacing

#### 4. (Chemistry)

The anhydride of He VO, is

- (a) VQ\*
- (b) VO.
- (c) V\*o3
- \*(d) V\*05

#### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

#### 6. (Electrical Engineering)

A coxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

#### 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \*(b) Laboradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

#### 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation.

$$\frac{d^3y}{dx^4} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y≃ax+b
- (b) y≔ax
- (c) y=aex+be-x
- \*(d) y= -acx-2

#### 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- \*(b) (4---3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. the variance is

- (a) 4°
- \*(b) 3
- (c) œ
- (d) --5

#### 11.(Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burms.
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

#### 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanian ?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmaniam was a highly formalised and pretentions religion.
- \*(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

#### 13. (Philosophy)

Identify the athelatic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyāya, Vaiseika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Carvāka, Yoga
- a(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimārasā, Cārvāka

#### 14. (Political Science)

'Functional representation means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
  - (b) pleading the cause of a group or a professional association
  - (c) election of representatives in vocational organization
  - (d) indirect representation through Trade Unions

#### 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

#### 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- \*(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.